हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 नवम्बर, 2001

खण्ड–3 अंक–2

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, 9 नवम्बर, 2001

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न एवं उत्तर	1
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए	
तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	**17**

अतारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	23
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–	
हरियाणा प्रदे ा के कपास की फसल नश्ट होने सम्बन्धी	
अध्यक्ष को हटाने के लिए संकल्प की सूचना	25
अभिकथित वि ोशाधिकार भंग की सूचना	36
मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा	36
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	64
स्वास्थ्य राज्य मंत्री द्वारा	
मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	65
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	65
नगर विकास राज्य मंत्री द्वारा	
मंत्रिमडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	65
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	66

निमय 16 के अधीन प्रस्ताव	66
मंत्रिमडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	67
वाक आउट	71
मंत्रिमडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	72
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	
श्री ओम प्रका ा जिंदल, एम0 एल0ए0 द्वारा	73
मंत्रिमडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	74
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	76
श्री बंसी लाल, एम0एल0ए0 द्वारा	
मंत्रिमडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	76
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	81
श्री बंसी लाल, एम0एल0ए0 द्वारा	
मंत्रिमडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा	82

(पुनरारम्भ)	
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	
श्री बंसी लाल, एम0एल0ए0 द्वारा	82
मंत्रिमडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	83
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	
श्री बंसी लाल, एम0एल0ए0 द्वारा	84
मंत्रिमडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	84
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	
श्री बंसी लाल, एम0एल0ए0 द्वारा	84
मंत्रिमडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	85
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	86
श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा एम0एल0ए0 द्वारा	
मंत्रिमडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	86

वैयक्तिक स्पश्टीकरण	92
श्री अनिल विज, एम0एल0ए0 द्वारा	
श्री देवराज दीवान, एम0एल0ए0 द्वारा	92
मंत्रिमडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)	92
ध्यानकर्शण प्रस्तावों की सूचनाएं–	94
ध्यानकर्शण प्रस्ताव सं0 4, 11 (ब्रैक्टिड विद नोटिस नं0 4) सम्बन्धी सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र	94
संविधान (इक्यानेवेवा सं ाोधन) विधेकय, 2000 के अनुसमर्थन करने सम्बन्धी संकल्प	94
विधान कार्य	95
दि हरियाणा पंचायती राज (अमैडमैट), बिल, 2001	95
दि पंजाब टाउन इम्प्रवमैंट (हरियाणा अमैडमैट), बिल, 2001	97
दि पंजाब लेबर वैल्फेयर फण्ड (हरियाणा अमैडमैट), बिल, 2001	98

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 9 नवम्बर, 2001

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री सतबीर सिंह कादियान) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहेबान, अब सवाल होगें

तारांकित प्र न संख्या 762

(इस समय माननीय सदस्य श्री लीला राम सदन में उपस्थित नही थे इसलिए यह प्र न नही पूछा गया।)

Sub Stations in Rohtak Circle

748. Sh. Padan Singh Dahiya: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to set up new Power sub-stations in Rohtak Circle during the current financial year 2001-2002 together with the estimated cost thereof?

मुख्य संसदीय संचिव (श्री रामपाल माजरा): एक विवरण सदन पटल पर प्रस्तुत है।

विवरण

रोहतक परिमण्डल में बिजली की आपूर्ति सुधारने के लिए निम्नलिखित नये बिजली उपकेन्द्र सहायक प्रसार लाइनों के साथ 31.38 करोड़ रूपये की लागत से नियोजित किए गए है/आरम्भ किए जा रहे हैं–

क्रम सं०	उपकेन्द्र का नाम	ट्रान्सफार्मर की क्षमता	अनुमानित लागत रूपए करोड़ो में	पूर्ण होने की संभावित अनुसूची
1	2	3	4	5
	नये उपकेन्द्र			
1.	132 के0वी0 उपकेन्द्र महम एसोसियोटिड प्रसार लाइनों सहित	1X10/6 एमवीए 132/11 के0वी0		जून, 2003
2.	132 के0वी0 उपकेन्द्र सांपला एसोसियोटिड प्रसार लाइनो सहित	2X10/16 एमवीए 132/11 के0वी0		जून, 2003

3.	132 के0वी0 उपकेन्द्र एम.डी.यू. रोहतक एसोि ायेटिड प्रसार लाइनों सहित	2X20/25 एमवीए 132/33 के0वी0	31.83	जून, 2003
4.	220 के0वी0 पी0टी0पी0 रोहतक लाइन का दूसरा सर्कट 62.5 कि0मी0	जून, 2003		
	योग/1/		**31.83**	

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त 5.05 करोड़ रूपए की लागत से प्रसार तथा उप–प्रसार की वृद्धि के लिए निम्नलिखित कार्य भाुरू करने की चोजना है:–

क्रम सं०	उपकेन्द्र का नाम	ट्रान्सफार्मर की क्षमता	अनुमानित लागत रूपए	पूर्ण होने की संभावित

			करोड़ो में	अनुसूची
1	2	3	4	5
1.	220 के0 वी0 उपकेन्द्र रोहतक	अतिरिक्त 100 एमवीए 220/132 के0वी0	31.83 करोड रूपए लगम में भामिल	जून, 2003
2.	132 के0वी0 उपकेन्द्र बहादुरगढ़	10/16 एमवीए 132/33 के0वी0के0 स्थान पर अतिरिक्त 10/16 एमबीए	1.54	मार्च, 2002
3.	132 के0वी0 उपकेन्द्र कलानौर	16/8/8एमवीए 132/33/11 के0वी0 के स्थान अतिरिक्त एमवीए 10/16 एमवीए 132/11 के0वी0	0.71	मार्च, 2002
4.	33 के0वी0	2X4 एमवीए 33/11	0.40	मार्च, 2002

	उपकेन्द्र जसिया	के0 वी0 के स्थान पर 6.3+4 एमवीए		
5.	33 के0वी0 उपकेन्द्र एच0एन0जी0 बहादुरगढ़	2X5+4 एमवीए 33/11 के0वी0 के स्थान 2X5+6.3 ,eoh,	0.40	दिसम्बर, 2002
6.	33 के0वी0 उपकेन्द्र हुड्डा वाणिज्य कम्पलैक्स रोहतक	2X5 एमवीए 33/11 के0वी0 के स्थान पर 2X6.3 एमवीए	0.40	जून, 2003
7.	33 के0वी0 उपकेन्द्र एम0आई0ई0 बहादुरगढ़	4+6.3 एमवीए 33/11 के0वी0 के स्थान पर 2X6.3 एमवीए	0.40	जून, 2003
8.	33 के0वी0 उपकेन्द्र आई0डी0सी0	6.3+5 एमवीए 33/11 के0वी0 के	0.40	जून, 2003

	हिसार	स्थान पर 2X6.3+5 एमवीए		
9.	33 के0वी0 उपकेन्द्र झज्जर रोड़, रोहतक	2X5 एमवीए 33/11 के0 वी0 के स्थान पर 2X5+6.3 एमवीए	0.40	जून, 2003
10.	33 के0वी0 उपकेन्द्र माडल टाऊन, रोहतक कम्पलैक्स रोहतक	2X5 एमवीए 33/11 33/11 के0वी0 के स्थान 2X6.3 एमवीए	0.40	जून, 2003
	योग		505	

श्री पदम सिंह दहिया: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि राज्य में बिजली वितरण प्रणाली में सुधार के लिए क्या–क्या पग उठाये जा रहे है?

श्री रामपाल माजरा: स्पीकर सर, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा में बिजली सुधार के लिए 700 करोड़ रूपये खर्च करने का प्रस्ताव है। और इसमें सब स्टे ानों और ट्रांसमि ान की नई लाईनें बिछाकर, सब–स्टे ानों को बनाकर सुधार करके 101 सब

स्टे ानों की आगुमैटे ान करके एक प्रकार से क्रान्तिकारी सुधार किया गया है। जो पहले कभी नही गया था। इसी प्रकार से 6 हजार से भी ज्यादा नये ट्रांसफार्मर्ज लगाकर बिजली की स्थिति में सुधार किया गया है। जिससे वोल्टेज में काफी बढ़ौत्तरी हुई है। इसी प्रकार से फीडरों में लौड को बढ़ा दिया गया है जिससे वोल्टेज की कमी नही रह गई है। 143 नये फीडर परिवर्तन कर दिये गये है। इसी प्रकार से अगर कही पर ट्रांसफार्मर जल गजाये तेा उसको जल्दी बदलने के प्रबन्ध किये गये है। इसी प्राकर को मध्य राते हुए बिजली की सप्ताई के लिए पूरी वोल्टेज देने के प्रबंध किये गये हैं आज उपभोक्ता को पूरी बिजली मिल रही है। जिसके कारण कही से कोई ि ाकायत नही आ रही हैं माननीय सदस्य ने रोहतक सर्कल के बारे मेंपूछा है। मै इनका बताना चाहूंगा कि नये सब–स्टे ान बनाये जा रहे है ओर पुरानों में आगुमैटे ान किये जा रहे है और नई लाइनें बिछाई जा रही है और बिजली में और अनेक सुधार किये जा रहे है।

श्री सूरजमलः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं। कि जिस प्रकार चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय टयूबवैल्ज के रेट स्लैब प्रणाली के आधार पर बढ़ाये गये थे कि एक टयूबवैल जो 500 फीट की गहराई पर है उसका रेट कुछ था और उसके साथ का टयूबवैल जो कम फीट की गहराई पर है उसका रेट अलग था क्या आप

उस प्रणाली में सुधार कर रहे है और उसमें जो अनियमितताएं पाई गई थी उनको ठीक कर रहे है।

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय, ये स्लैब प्रणाली की बात कर रहे है। और इस बात को लेकर वास्तव में बात यह है कि वहां पर एक पटवार सर्कल को यूनिट मान लिया गया है जिसकी वजह से दूसरी पटवार सर्कल दूसरे गोव की सरहद पर होती है। एक जगह स्लैब प्रणाली है और दूसरी जगह नही हैं इस समस्या को लेकर कई लोग मुख्य मंत्री महोदस के पास आए तथा विधायकों ने भी इस समस्या को मुख्य मंत्री महोदय के समक्ष रखाज्ञ। इसके लिए प्रो0 सम्पत सिंह की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई गई हैं वे पूरे प्रदे ा में इस समस्या को तथा दूसरी समस्याओं को निपटाने के लिए लोगों को बुलाएंगे और लोगो के जो नए सुझाव आएंगे उनको इकट्ठा करके क्रियान्वित किया जाएगा।

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि राज्य में बिजली आपूर्ति सुधार के लिए जो हाईडल प्रोजैक्टस, थर्मल पावर प्रोजैक्ट है। उन पर क्या कार्यवाही की जा रही है तथा पूरे प्रर्देश में बिजली सुधार के लिए जो स्टे ानज और सब स्टे ानज लगाए जा रहे है और जो नई लाइनें बिछाई जा रही हैं उनकी जिला वार संख्या क्या है।

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय, बिजली के सुधार के लिए 700 करोड़ रू0 की योजना बनाई गई है। पूरे हरियाणा प्रदे ा में 129 सब स्टे ान पर काम चल रहा है। जिसमें से 220 के0वी0ए0 के 7 नए सब–स्टे ानज है ओर 8 पर आगुमैंटे ान हो रहा है। 132 के0वी0ए0 के 27 नए सब स्टे ान बनने जा रहे है तथा 6 पर आगुमैंटे ान हो रहा है। 66 के0 वी0 ए0 के 23 नए सब स्टे ान बनने जा रहे है। तथा 6 पर आगुमैंट ान का काम चल रहा हैं 33 के0 वी0 ए0 के 8 नए सब–स्टे ान बनने जा रहे है तथा 34 का आगुमैंट ान का काम हो रहा हैं इसी प्रकार से मेरे योग्य साथी ने इसकी जिलावार रिपोर्ट मांगी है तो मै इनको बताना चाहूंगा कि जितना सुधार बिजली के मामले में इस सरकार के समय मैं हुआ है वह पहले कभी नही हुआ। अम्बाला जिले में टेपला गांव में 220 के0 वी0 ए0 का नसा सब स्टे ान बनने जा रहा है और यह 2002 तक पूरा हो जाएगा। अम्बाला में 66 के0 वी0 ए0 का सब स्टे ान दुखेड़ी में नया बनने जा रहा है ओर यह 2002 तक पूरा कर दिया जाएगा। अम्बाला में ही 66 के0 वी0 ए0 का सब स्टे ान मुलाना में नया बनने जा रहा हैं और इसके 30.09.2002 तक पूरा होने की सम्भावना है। इसी प्रकार अम्बाला में ही 66 के0 वी0 ए0 का सब स्टे ान लायलपुर बस्ती में बनने जा रहा है। यह 2002–2003 तक पूरा होने की सम्भावना है। अम्बाला में ही 66 के0 वी0 ए0 का सब स्टे ान चौड मस्तपुर में आगुमैंटैं ान होने जा रहा है। और यह 2002–2003 तक पूरा हो जाएगा। अम्बाला में ही बरनाला में 66 के0 वी0 ए0 का सब

स्टे ान आगुमैंटें ान होने जा रहा है ओर यह 2001–2002 तक पूरा हो जाएगा। इसी प्रकार बहुत ही नजदीक जिला पंचकूला में 220 के0 वी0 ए0 सब–स्टे ान का आगुमैटे ान होने जा रहा है ओर यह काम 2002 तक पूरा हो जाएगा। कालका में 66 के0 वी0 ए0 का सब स्टे ान नया बनने जा रहा है। और यह काम 2002–2003 तक पूरा कर लिया जाएगा। इसी प्रकार पंचकूला में मनसा देवी में 66 के0 वी0 ए0 का नया सब स्टे ान बनने जा रहा है। और यह 30.06.2002 तक पूरा हो जाने की सम्भावना है। यमुनानगर में 220 के0वी0ए0 का नया सब स्टे ान बनेगा और यह काम 2002–2003 तक पूरा कर लिया जाएगा। यमुनानगर में ही 66 के0 वी0 ए0 का सब–स्टे ान रायपुर नानी में नया बनेगा और यह काम 30.11.2002 तक पूरा होने की सम्भावना हैं अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार यमुनानगर में ठाणा में 66 के0 वी0 ए0 का सब स्टे ान बनने जा रहा है। और यह काम 2002–2003 तक पूरा हो जाएगा। इसी प्रकार यमुनानगर में ही गुलाबनगर में 66 के0 वी0 ए0 का सब स्टे ान नया बनने जा रहा हैं और यह काम 2002–2003 तक पूरा हो जाएगा।

इसी तरह यमुनानगर जिले के बंसतपुरा गांव में 66 के0 वी0 ए0 का सब स्टे ान आगुमैंट किया जायेगा जो वर्श 2002–2003 तक काम करना भुरू कर देगा। इसके अतिरिक्त यमुनानगर के छछरौली गांव में भी 66 के0 वी0 ए0 का सब स्टे ान आगुमैंट किया जायेगा जो वर्श 2001–2002 में काम

करना भुरू कर देगा। इसके अतिरिक्त कुरूक्षेत्र के चीका गांव में भी 220 के0 वी0 ए0 का न्यू सब स्टे ान बनाने जा रहे है। जो 29.01.2003 से काम करना भुरू कर देगा। इसके अतिरिक्त कैथल के पडला गांव में भी 132 के0 वी0 का न्यू सब–स्टे ान बनने जा रहे है जो 29.01.2003 से काम करना भुरू कर देगा। इसके अतिरिक्त कैथल के कंगथाली गांव में भी 132 के0 वी0 का न्यू स्टे ान बनाने जा रहा है। जो 29.01.2003 कसे काम करना भुरू कर देगा। इसके अतिरिक्त कैथल के चाक्कू लडाना गांव में भी 132 के0 वी0 का न्यू सब स्टे ान बनाने जा रहे है जो 29.01. 2003 से काम करना भुरू कर देगा। इसके अतिरिक्त कैथल के भाग गांव में भी 132 के0 वी0 का न्यू सब स्टे ान बनाने जा रहे है। जो 29.01.2003 से काम करना भुरू कर `दगा। इसके अतिरिक्त कुरूक्षेत्र के लाडवा और रादौर गांव में 66–66 के0 वी0 के सब–स्टे ान आगुमैंट किये जायेगे जो वर्श 2002–2003 तक काम करना भुरू कर देगे। इसके अतिरिक्त कुरूक्षेत्र के धंगाली और कल्साणी गांवों मेंभी 66–66 के0 वी0 के दो न्यू सब स्टे ान बनाने जा रहे है जो वर्श 2002–2003^{तक} काम करना भुरू कर देगे। अध्यक्ष महोदय, इनके अतिरिक्त करनाल जिले के अंदर 132 के0 वी0 के न्यू सब स्टे ान नेवल, इसराना, जलमाना और मटलोडत्रा गांवों में लगाये जायेगे जो वर्श 2002–2003 तक काम करना भुरू कर देगे। इनके अतिरिक्त करनाल के निर्सिक गांव में 220 के0 वी0 का सब–स्टे ान आगमैंट किया जायेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धर्मवरी सिंहः अध्यक्ष होदय, पूरी लिस्ट पढ़ने का क्या फायदा है यह लिस्ट हमने देख ली है।

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय, हम विपक्ष के भाईयों की पूरी तसल्ली करायेग कि हमारी सरकार बिजली में सुधार लाने के लिए क्या–क्या विकास कर रही है या करने जा रही है। इनके अतिरिक्त 220 के0 वी0 कस सब स्टे ान सोनीपत मे ंआगुमैंट किया जायेगा जो 31.03.2001 को काम करना भुरू कर देगा। इनके अतिरिक्त सोनीपत के अंदर ही हरसाना कलां ओर खरखौदा में 132–132 के0 वी0 के न्यू सब स्टे ान लगाये जा रहे है जो अप्रैल, 2003 तक काम करना भुरू कर देगे। इनके अतिरिक्त सोनीपत जिले में मुरथल के अंदर 132 के0 वी0 का न्यू स्टे ान लगाया जा रहा है। जो 31.12.2001 तक काम करना भुरू कर देगा। इनके अतिरिक्त सोनीपत जिले के अंदर कुण्डली में 132 के0 वी0 के सब स्टे ान को आगुमैंट किया जायेगा जोा वर्श 2002–2003 तक काम करना भुरू कर देगा। जींद में 220 के0 वी0 सब स्टे ान नया बनाया जाएगा। जींद जिले के गांव गढ़ी के 132 के0 वी0 सब स्टे ान को आगुमैंट किया जायेगा इसी तरह से रोहतक के 220 के0 वी0 सब–स्टे ान को आगुमैंट किया जाएगा। रोहतक जिले में महम के अन्दर नया 132 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। रोहतक जिले में साम्पला में नया 132 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। रोहतक में एम0डी0यू0 में नया 132 के0 वी0 सब स्टे ान बनाया जाएगा। गुडगांवा जिले में चकरपुर

में 220 के0 वी0 सब स्टे ान नया बनाया जाऐगा। गुडंगाव जि में भोड़ा कलां में नया 66 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। गुडगांव में ही 55/56 सैक्टर्ज में नया 66 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जासएगा। गुडगांव में ही 40/45 सैक्टर्ज मूं एक नया के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। गुडगांव मे ही सैक्टर 29 में एक नया 66 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। एच0 एल0एफ0 गुडगांव में एक नया 66 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जायेगा। उद्योग विहार, गुडगांव में एक नया 66 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। डी0 एल0 एफ0 फेस–v गुडगावं में एक नया 66 के0 वी0 सब–स्टे ान। इसी तरह से फरीदाबाद के गांव पाली में 220 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। फरीदाबाद जिले के गांव छांयसा में 66 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जायेगा। फरीदाबाद के सैक्टर 31 में एक नया 66 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। फरीदाबाद जिले के बांव अलावलपुर में नया 66 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाऐगा। फरीदाबाद जिले के बांव अलावलपुर में नया 66 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जायेगा। महेन्द्रगढ़ में 220 के0 वी0 सब–स्टे ान नया बनाया जाएगा। महेन्दगढ़ जिले के गांव मुण्डिया खेड़ा में 132 के0 वी0 सब–स्टे ान नया बनाया जाएगा। महेन्द्रगढ़ के जिले के गांव सतनाली में 132 के0 वी0 सब–स्टे ान नया बनाया जाएगा। महेन्द्रगढ़ जिले के गांव नागलचौधरी में 132 के0 वी0 सब स्टे ान आगुमैंट किया जाएगा। फतेहाबाद में 220 के0 वी0 सब–स्टे ान नया बनाया जाएगा। फतेहाबाद जिले के बांव अहरवान मे ंनया

132 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। भिवानी 220 के0 वी0 सब–स्टे ान को आगुमैंट किया जाएगा। भिवानी जिले में लौहारू में 132 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। भिवानी में ही इंडस्ट्रियम एरिया में नया 132 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। भिवानी जिले में तो ाम में नया 132 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। भिवानी जिले में अटेला कलां के 132 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। सिरसा जिले में रानिया में नया 132 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। सिरसा जिले में ऐनलाबादउ में नया 132 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। सिरसा जिले में कोहरवाला में नया 132 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। सिरसा जिले में आढा में नया 132 के0 वी0 सब–स्टे ान बनाया जाएगा। इसी तहर से जहां जहा पर 33 के0 वी0 सब स्टे ान अक्तूबर, 2002 तक कम्पलीट हो जाएंगे वह भी मै बात देता हूं। करनाल जिले में पाडा ओर मंजूरा। पानीपत जिले में जी0टी0 रोड़ पानीपत, कुतानी रोड पानीपत और दिवाना। कुरूक्षेत्र जिले में झांसा, नैसी और मुरथल। कैथल जिले में जाखोली और क्योंड़क। सोनीपति जिले में खेवड़ा। ये 33 के0 वी0 सब स्टे ांज 11 है जो अक्तूबर 2002 तक कम्पलीट हो जाएंगे।

श्री धर्मवीर सिंहः स्पीकर साहब, हम पिछले दो साल से सुन रहे है कि यह सरकार किसानों के लिए काम कर रही है। * * * * * * *

श्री अध्यक्षः धर्मवरी सिंह जी, आप बैठ जाएं आप बगैर परमि ान के बोल रहे हैं इसलिए इनकी बात रिकार्ड न की जाए।

श्री राजेन्द्र सिह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने सब स्टे ान लगाये जाने बारें में सदन को बहुत महत्वपूर्ण सूचना दी हैं साथ ही इन्होने यह बताया है कि जब से हरियाणा बना है तब से लेकर अब तक उतना काम नही हुआ जितना इन पिछले दो वर्शो मे ंसब स्टे ान आदि बनाने का काम हुआ है। इस अरसे में सरकार ने बिजली जैसें महत्वपूर्ण विभाग का वि ोश प्राथमिकता दी है जिस कारण सारे हरियाणा प्रदे ा में बड़े भारी विकास के काम होते हुए बहुत सारे नए सब स्टे ज्ञन्ज लगे है और इनके अलावा और भी लगने जा रहे हैं अध्यक्ष महोदय, इन विकास के कार्यो के बारें में नि ित रूप से सरकार को और वि ोश कर मुख्यमंत्री, इन विकास के कार्यो के बारे में नि ित रूप से सरकार को ओर वि ोश कर मुख्यमंत्री जी को सारे विपक्ष ने मिलकर बधाई देनी चाहिए थीं मौजूदा सरकार ने बिजली के मामले में प्राथमिकता देते हुए आगुमैंटे ान और ट्रांसमि ान सिस्टम के मामले में बहुत ही अच्छा कार्य किया है। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मै सरकार के ओर वि ोशकर रामपाल माजरा जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि ग्रामीण क्षेत्रों में जो सब स्टे ानज बने हुए हैं वहां पर पूरा स्टाफ नही है। उदाहरण के तौर पर मै आपने हल्के के बारें में आपको बताना चाहूंगा कि मेरे हल्के में बछरोला सब स्टे ान बनाने पर सरकार

ने लाखों रूपये खर्च किए है लेकिन वहां पर पूरा स्टाफ न होने के कारण बिजली के बिलों की डिस्ट्रीब्यू ान का काम या बिलों की पेमैन्ट लेने का कमा ठीक प्रकार से नही हो पर रहा। मान लो वहां पर यदि 5 पोस्टें मीटर रीडर की या बिल डिस्ट्रीव्यूटर करने वालों की सैक ान्ड है तो केवल 1 आदमी ही इइन पदों पर काम कर रहा है। जिस कारण लोगों को समय पर बिजली के बिल नही मिल पा रहे ओर दूसरे जो लोग बिल देने के लिए जाते है तो उनको भी काफी परे ाानी का सामना करना पड़ता है क्योंकि वहां पर भी बिलों की पेमैंट लेने वाले कई बार नही होते। सरकार ने किसानों के बकाया बिलों पर जो ब्याज की रा ि ा थी, उसकसे माफ कर दिया है जिस कारण अब लोग स्वेच्छा से बकाया बिलो का भुगतान करने लगे है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जहां पर ऐसा पूरा स्टाफ न हो वहां पर पूरा स्टाफ लगाने की तरफ सरकार ध्यान दे ताकि लोगों को बिल आदि जमा कराने में किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, यह सरकार लोगों की ही है। और लोगों की हैं ओर लोगों के काम करने के लिए ही नबी हुई है। जैसा कि इन्होने खुद माना है कि सरकार ने लोगों की भलाई के लि अनेक कदम उठाए है। लेकिन इन्होने साथ ही एक बात कही कि कुछ स्थानों कपर पुरा स्टाफ नही है जिस कारण बिलों की डिस्ट्रीव्यू ानया उनकी पेमैंट में दिक्कत आ रही हैं मै इनकी जानाकरी और सदन की जानकारी के लिए बताना

चाहूंगा कि सरकार ने बिलों की डिस्ट्रिव्यू ान गांवों के चौकीदारों के माध्यम से ओरकोरियर के ामध्यम से भी करने का इन्तजाम किया हुआ हैं सरकार ने लोगों से बिलों का भुगतान लेने के लिए मोबायल वैन का भ प्रबंध किया हुआ हैं यह मोबायल वैन गावं गांव में जा कर लोगों से मौके पर बपर ही बिल लेती हैं जहां तक स्टाफ की रै ानेलाइजे ान हुई थीं इसी बात को यान में रखते हुए हम स्टाफ मे ंसमन्वय स्थापित करने की कोि ा ा करेगे कि जहां पर ज्यादा स्टाफ है उसकसे वहां से बदल कर जां पर स्टाफ की आव यकताहैं वहां परभेज दिया जाए। इनकी यह बात भी सही है कि जब सेसरकार ने बिजली के बलों से किसानों का या लोगों के बिलों का रसचार्ा समाप्त यिका है तब से लोअ अपने आप अपने बकाया बिलों का भुगतान करने लगे हुए हैं यहां र मै एक बात और कहना चाहूंगा कि पिछली सरकारों के समय में बिजली के बिल लने के लिए कई स्थानो पर गोलिया चलाई गई थी। जिस कारण टोहाना, निसिग, मण्डियाली व एक दो ओर गांवों के किसानों की मृत्यु हो गई थी लेकिन तब भी लोग बिजली के बिल देने के लिए तैयार नही हुए थे। जबकि आज की सरकार की नीति के अनुसार लोग अपने आप खुद बिजली के बकाया बिलों का भुगतान करने लग रहे हैं अतः अध्यक्ष महोदय, बिसला जी की सप्लीमैंन्टरी के बारे में मेरा याही कहना है कि जहां पर भी स्टाफ की कमी होगी वहां पर स्टाफ के मामले में समन्वय स्थापित करने की कोि ा ा की जाएगी।

श्री अनिल विजः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने लोगों को बिजली उपलब्ध कराये जाने के बारे में डिटेल सदन को दी है हम बिजली कहां कहां पर और कैसे कैसे देने जा रहे है या दे रहे है। मै मानता हूं कि सरकार ने इस दि ाा में अनेक कदम बडत्री उदारता के साथ उठाए है। अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने आगुमैन्टे ान और ट्रांसमि ान सिस्टम के बारे में पूरी डिटेल सदन को बताई है और साथ ही साथ यह भी बताया है कि कहां कहां पर कितने सब स्टे ानों पर काम किया जा रहा हैं और कितने नए सब स्टे ान चालू हो चुके है। अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि सरकार इन कामों को पूरा करने के लिए वर्ल्ड बैंक कके प्रोजैक्ट से पैसा ले रही है। या अपने संसाधन जुटा कर इन कामों को पूरा करेगी।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, अलग अलग जहोंसे जैसे कही आर0 ई0 सी0 से, कही पी0 एफ0 सी0 से और कही नाबार्ड से लोन लेकर सरकार अपने साधनों से इन कार्यो का पूरा करेगी। इस प्रकार से जितना भी हो सकता था उतना सरकार ने अपने खर्चो को करटेल किया है, मुख्यमंत्री जी ने अपना छोटा या मंत्रिमंडल बनाकर खर्चा को कम किया है। इसी तरह से अधिकारियों के खर्चो को भी कम किया गया है ंकांग्रेस के वक्त में जो वीजरों का पूरा लंगारा होता है यानी 37–37 वजीर होते थे। लेकिन हमने हरियाणा प्रदे ा के किसानों को ,मजदूरों को,

व्यापारियों को ओर कर्मचारियों को सुविधाएं देने के लिए 129 सब स्टे ांज और आगुमेंटे ान का काम सफलतापूर्वक भ्रारू किया हैं

श्री धर्मवीर सिंहः स्पीकर सर, माजरा जी ने बड़ी लम्बी चौड़ी फाईल पढ़ी हैं बड़ी खु ाी की बात है कि सरकार 700 करोड रूपये की लागत से सब स्टे ांज में सुधार करने जा रही हैं लेकिन मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि दक्षिणी हरियाणा खासकर भिवानी, महेन्द्रगढ़ और रेवाड़ी में एक भी सब स्टे ान ऐसा नही है जाहं पर 6 घंटे से ज्यादा बिजली आती हो तथा एक घंटे में कई बार ट्रिपिंग न करती हो। हमारी कांग्रेस सरकार के वक्त में तो ाम के अंदर एक 132 के0 वी0 का स्टे ान मंजूर हुआ था लेकिन उस पर काम नही हुआ। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माजरा जी से एक ही बात कहना चाहता हूं कि पिछले कई साल से जो यह एक ही बात आती है कि दो साल में बिजली हरियाणा में फालतू हो जाएगी और देसरे राज्यों को बेचनी पड़ेगी तो वह यह बातएं कि ये दो साल कब आएंगे?

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, इन्होन एक बात यह पूछी है कि भिवानी जिले में सब स्टे ान पर काम भ्रारू नही किया गया। मैने पहले भी इनको बताया था और अब दोबारा से बता देता हूं कि लोहारू में एक सब स्टे ान 132 के0 वी0 का बनने जा रहा है।

चौ0 भजन लालः यह भी बता दे कि यह किसके वक्त में मंजूर हुआ था?

श्री राम पाल माजराः ये सारे काम इस सरकार ने मंजूर किए है। आप तो पता नही अपने वक्त में कहां कहां पर पत्थर रखकर चले गये थे। न तो उनके लिए मंजूरी दी गयी थी और न ही पैसे का इंतजाम किया गया था। अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से प्रतिपक्ष के नेता को साफ तौर पर बता देता हूं कि हरियाणा प्रदे ा की सरकार के इन कार्यो की सराहना सैट्रल गवर्नमैंट के बिजली मंत्री श्री सुरे ा पी0 प्रभु ने अपने एक लैटर के द्वारा की है। मै इस लैटर को यहां पर पढ़कर सुना देता हूं। In this letter is mentoned—

"I have learnt with great pleasure the recent achievements of Haryana in the Power Sector where collection, efficiency, revenues and power supply have all imporved significatly.

Please convey our appreciation to all concerned for the good work done. I am confident that under your dynamic leadership, Haryana would I fully achieve the objective of the Power Sector Reforms leading to commercial vability of the State Power Sector and supply of uninterrupted, reliable and quality power to all consumers."

चौ0 भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इनकी सरकार को बने हुए लगभग दो साल हो गये है और भाायद ये साल 6 महीने और भी रह सकते है। मुख्यमंत्री जी या मांत्री जी हमें यह बता दे कि

इस दो सालों केअर्से में इन्होनं अगर कही पर भी किसी थर्मल पावर प्लांट की आधारि ाला रखकर उस पर कोई काम चालू किया है और अगर किया है तो कब किया है? हमारी सरकार के वक्त जो काम हमने किया था उसको यहां गिनाते रहते है।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, पानीपत थर्मल प्लांट की छटी यूनिट को ये तो बंद करके चले गये लेकिन चौधरी देवी लाल जी ने ही पहले उसको मंजूर किया था और अब चौधरी ओम प्रका ा चौटाला ने 29 तारीख को उसका उदघाटन कियाहैं इसी तरह से काफी सामान ऐसे ही सील पड़ा छोड़कर चले गये थे लेकिन चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी ने अब आकर उसको खोला है।

श्री कृश्ण लालः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सी0 पी0 एस0 महोदय से पूछना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार ने बिजली की गुणवत्ता बढाने के लिए क्या उपाय किए? मेरा वि ोशकर सवाल यह है कि प्रदे ा के अंदर 11 के0 वी0 ए0 और 33 के0 वी0 ए0 के जो सब स्टे ान है उनके ऊपर 5 और 6 एम0 बी0 ए0 के ट्रांसफार्मर लगे हुए है क्या प्रदे ा मे ंसर्वे कराएंगे कि जो ओवरलोडिड ट्रांसफार्मर है उनको ऑगूमैंट किया जाए। इस बारे में ब्यौरा दें।

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय, कल तो वि ोशकर जितने भी कार्य सरकार द्वारा किए गए उनके बारे में

बताया गया था। आज मै यह बताना चाहूंगा कि सरकार द्वारा किस प्रकार से क्वालिटी में सुधार किया गया। 6 हजार नये ट्रांसफार्मर लगाए गए और 700 करोड़ रूपये के नये ट्रांसमि ान सुधार केन्द्र स्थापित किए गए और उनको बनाने की योजना है और उन पर ऑगुमैंट किया गया और जो ओवरलोडिड है उनको बायरफरकेट और ट्रांयफरकेट करके उनमें सुधार लाया गयां। नई लाइनें खडत्री की गई। मै माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि इन प्रयासें से पूरी बिजली आई और पूरे वोल्टेज के साथ आई और उससे ज्यादा उत्पादन बढ़ा। हरियाणा प्रदे ा में जो रिकार्डतोड बिजली रही उसकी वजह से इस वक्त की सरकार ने भरपूर बिजली दी, भरपूर पानी दिया।

Strengthening of Powe System

742. Sh. Moola Ram: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to strengthen the transmission and sub-transmission system in Narnaul Circle;

(b) Whether there is any proposal under consideration of the Government to set up new sub-stations in Narnaual Circle, if so, the name and estimated cost thereof;

(c) The time by which these are likely to be completed?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): सदन के पटल पर एक विवरण प्रस्तुत है।

विवरण

(क) 35.87 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से नारनौल क्षेत्र में प्रसार प्रणाली को सृदृढ करने तथा क्षमता वृद्धि करने के लिए प्रस्ताव बनाया गया है।

(ख एवं ग) नारनौल परिमण्डल में प्रसार तथा उप प्रसार प्रणाली को सृदृढ़ करने के लिए निम्नलिखित कार्य किए गए है–

क्रम सं०	उपकेन्द्र का नाम	ट्रान्सफार्मर की क्षमता	अनुमानित लागत रूपए करोड़ो में	पूर्ण होने की संभावित अनुसूची
1	2	3	4	5
1.	**नए उप–केन्द्र**			
1.	सहायता प्रसार लाइन साहिब 220 के0 वी0 उपकेन्द्र महेन्द्रगढ़	2X100 एमवीए 220/132 के0वी0	31.83 करोड रूपए लगम में भाामिल	2002–03

2.	सहायता प्रसार लाइन साहिब 220 के0 वी0 उपकेन्द्र सतनाली	1X10/16 एमवीए 132X11 के0वी0	28.68	2002–03
3.	सहायता प्रसार लाइन साहिब 220 के0 वी0 उपकेन्द्र मुंडियाखेड़ा	1X10/16 एमवीए 132X11 के0वी0		2002–03
4.	33 के0 वी0 उपकेन्द्र डबलाना तथा सहायक लाइन	1X6.3 एमवीए 33X11 के0वी0	0.95	मार्च, 2003
5.	33 के0 वी0 उपकेन्द्र बावनिया तथा सहायक लाइन	1X6.3 एमवीए 33X11 के0वी0	0.92	मार्च, 2003
		योग / 30.55		

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त क्षमता वृद्धि करने के लिए निम्नलिखित कार्य भाुरू किए गए है:–

क्रम	उपकेन्द्र का	ट्रान्सफार्मर की	अनुमानित	पूर्ण होने

सं०	नाम	क्षमता	लागत रूपए करोड़ो में	की संभावित अनुसूची
1	2	3	4	5
2.	**क्षमता में वृद्धि**			
1.	220 के0 वी0 उपकेन्द्र नारनौल	1x8/4/4 एमवीए 132/33/11 के0वी0 के स्थान पर अतिरिक्त 1X10/16 एमवीए 132X11 के0वी0	1.54 0.7	दिसम्बर 2002 दिसम्बर 2002
2.	220 के0 वी0 उपकेन्द्र नांगल चौधरी	अतिरिक्त 1X10/16 एमवीए 132X11 के0वी0	1.30	मार्च, 2002
3.	220 के0 वी0 उपकेन्द्र बडौली	अतिरिक्त 1X10/16 एमवीए	1.77	दिसम्बर 2002

		132X11 के0वी0		
	योग/2/		5.32	

Supply of Drinking Water by Private Contractors

741. Dr. Raghuvir Singh Kadian: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether it is fact that the drink water in some villages of Beri consitituency is being supplied by the private contractors;

(b) If so, whether the approval of the Govt. Publice Health Department has been obtained by the said contractors; and

(c) Whether the water supplied by them is fit for human consumption?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री राम पाल माजरा): (क) श्रीमान जी, चार गावों के कुछ घरों में प्राईवेट ठेकेदारों द्वारा जलापूर्ति की जा रही है। परन्तु विभाग द्वारा इन गांवों में पर्याप्त स्वच्छ पेयजल आपूर्ति की जा रही है।

(ख) नही श्रीमान।

(ग) यद्यपि प्राईवेट जलापूर्ति की गुणवत्ता टैस्ट की जा रही, फिर ीाी इन गांवों की सारी आबादी के लिए आव यकता से ज्यादा स्वच्छ पेयजल आपूर्ति विभाग द्वारा की जा रही है।

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर सर, मेरे सवाल का जो सवाल आयाहै इसमें इन्होने कहा कि चार गांवों में प्राईवेजट कांट्रैक्टर्ज के थ्रू जलापूर्ति की जा रही है। स्पीकर साहबा, आजादी के 53 साल बाद जहां सरकारें वर्ल्ड बैंक से पैसा ले रही है और दूसरा इतना जबरदस्त पैसा पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट के लिए आ रहा है और सरकार भी कहती है कि विकास की झड़िया लगी हुई है। 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से पानी का प्रबन्ध किया जा रहा है। लेकिन इसके साथ–साथ एक बड़ी अलारमिंग सिचुए ान पैदा हो गई। प्राइवेट कंट्रैक्टर्स ने जहां उनको प्रौफिट है, उस प्रौफिट के उद्दे य को लेकर प्राइवैट कंट्रैक्टर्स यह काम भ्रुरू करक रहे है जो ठेकेदार प्रति घर के हिसाब से तीन हजार रूपये महीने का वसूल कर रहे है क्या सरकार इस बात पर विचार कर रही है कि इन प्राइवेट ठेकेदारों से इन पानी के टयूबवैल्ज को टेक ओवर करके लोगों को पानी की सप्लाई खुद करीं क्या कोई स्कीम सरकार के विचारधीन है?

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, वैसे तो यह ठीक है कि इन गांवों मे ंपानी की सप्लाई प्राइवेट ठेकेदार कर रहे है। इस सप्लाई को उन गांवों के लोग इसलिए भी इन प्राइवैट ठेकेदारों से ले रहे है। क्योंकि सरकार तो गांवों के घरों में सप्लाई वाही पर दे रही है जाहं पर 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी की सप्लाई की जा रही है। जहां तक इन गांवों का प्र न है, मै कादयान साहब को बताना चाहूंगा कि महरा गांव को 70 लीटर

प्रति व्यक्ति प्रतिदिन सप्लाई देने की योजना मंजूर कर दी गई है। जिस पर 110 लाख रूपये की लागत आयेगी। इसी प्रकार बहराणा गांव के लिए भी नई सोजना बनाई गई हैं जिससे इस गांव को भी पानी की सप्लाई की जायेगी। इस गांव की एक समूह योजना बनाई गई है जिस पर 82 लाख 27 हजार रूपये की लागत आयेगी उस योजना को अनुमोदित कर दिया गया है। इसी प्रकार से गांव गूढ़ा को जल आपूर्ति करने के लिए भी एक योजना बनाई गई है वहां पर प्राइवेट ठेकेदारों से सप्लाई इसी कारण ली जा रही है। क्योंक सरकार तो उन घरों को सप्लाई नही दे रही है। इसलिए सरकार किसी के द्वारा इस प्रकार के टयूबवैल्ज लगे हुए है। उनको फोरफिट तो नही कर सकती परन्तु सरकार तौर पर एक प्रापोजल जरूर बनायी जा रही है। ताकि इन गांवों को जल आपूर्ति सुचारू रूप से की जा सकें। ऐसी योजना सरकार के विचाराधीन हो नही बल्कि मंजूर कर दी गई है।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जब पहली बार प्रदे ा में वाटर वर्क्स हर गांव में लगाये गये तो उस समय सरकार की एक स्कीम थी क गांव की फिरनी पर 5–5, 7–7 और 10–10 पानी के कनैक ानज दे दिए जाए ओरवहां से गांव के लोग अपने घरों को पानी ले जाये। क्योंकि अब सरकार ने 70 लटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से पानी देने की येाजना बनाई हैं इसलिए मैामननीय मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या सरकार के विचारधीन ऐसी कोई

स्कीम है। जो पहले 4 इंच के पाईप गावं की फिरनी पर लगाये गये थे उन पाइपो को चौड़ा करें और उनकी जगह 6–6 या 8–8 इंच के प्राइप लगाये क्योकि आजकल जनसंख्या बढ़ गई है। दूसरा अध्यक्ष महोदय, हर गांव में नाजायज कनैक ान लगाये हुए है उनके बारे में भी क्या सरकार कोई विचार कर रही है?

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि हरि गांव मे ंपानी की सप्लाई लेने के लिए पहले फिरनी पर कनैक ान दिये गये थे और क्योंकि अब गांवों की जनंसख्या बढ़ गई है इसलिए पानी की डिमांड भी पहले की अपेक्षा ज्यादा बढत्र गई हैं इस दिक्कत को दूर करने के लिए अब अगुमैंटे ान द्वारा इस समस्या का हल निकाला जा रहा है। जहां पर बूस्टिंग स्टे ान लगाने की जरूरत है। वहां बूस्टिंग स्टे ान लगाये जा रहे है। और जहां पर बुस्टिंग स्टे ान लगाने की जरूरत हैं वहां बूस्टिंग स्टे ान लगाये जा रहे है ओर जाहं अगुमैटें ान की जरूरत है वहां अगुमैंटें ान की जा रही है। वहां पर चौड़ी पाइप लाईनो बिछाई जाएंगी। जहां तक इन्होने कहा हे कि कोइ अन–अथोराइज्ड कनैक ान चल रहे है तो मै कहना चाहूंगा कि ये कनैक ान हम खुद दे रहे है। जहां पर 70 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन से ज्यादा पानी है वहां इस प्रकार के कनैक ान दिए जा रहे है। जहां ज्यादा पानी उपलब्ध होगा तथा जहां वाटर सप्लाई में ज्यादा पानी होगा वहां इस प्रकार के कनैक ान मिल जाएंगे।

इसलिए इन कनैक ान्ज को रैगेलूर करने मे ंसरकार को काई ऐतराज नही है।

श्री रामफल कुण्डू: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जींद जिले में इन दो सालों के अर्से में वाटर सप्लाई कि कितनी नई स्कीमें आई तथा कितनी पर ऑगुमैंटें ान का काम चल रहा है?

श्री राम पाल माजरा: अध्यक्ष महोदय, यह बड़ी मिरकल डिवैल्पमैंट हैं मुख्यमंत्री श्री ओम प्रका ा चौटाला के नेतृत्व में जहां हर महकमें में विकास के कार्य हुए है तो यह पब्लिक हैल्थ डिपाटमैंट भी इससे अछूता नही रहा। मेरे साथी ने जानना चाहा कि जींद जिले में वाटर सप्लाई कि कितनी स्कीमें आई है। तो मै सारे जिले की वाटर सप्लाई की स्कीमों को बारे में बताना चाहूंगा कि जींद जिले में वाटर सप्लाई कि स्कीमों के बोरम ें बताना चाहूंगा। जींद जिले में वाटर सप्लाई की 69 स्कीमें चल रही है और नई स्कीमों पर काम चल रहा हैं जिन पर 20 करोड़ 60 लाख 93 हजार रूपये खर्च होने जा रहे है। अम्बाला जिले में 54 स्कीमें है जिन पर 5 करोड़ 84 लाख 75 हजार रूपये खर्च होने जा रहे हैं भिवानी में 54 स्कीमें है जिन पर 24 करोड़ 94 लाख 31 हजार रूपये खर्च होने जा रहे है। भिवानी में 54 स्कीमें है जिन पर 24 करोड़ 94 लाख 31 हजार रूप्ये खर्च होने ज रह ेहै। फरीदाबाद में 19 स्कीमें है जिन पर 22 करोड़ 7 लाख 43 हजार रूपये खर्च होने जा रहे हैं हिसार में 65 नई वाटर सप्लाई की स्कीमें है।

जिन पर 20 करोड़ 41 लाख 31 हजार रूपये खर्च होने जा रहे है। झज्जर में 31 स्कीमें है जिन पर 20 करोड़ 44 लाख 21 हजार रूपये खर्च होने जा रहे है। कैथल में 44 स्कीमें ऑगुमैट ान की भी है ओर नई स्कीमें है जिन पर 8 करोड़ 49 लाख 25 हजार रूपये खर्च होने जा रहे हैं करनाल में 38 स्कीमें है जिन पर 13 करोड़ 59 लाख 37 हजार रूपये खर्च होने जारहे है। कुरूक्षेत्र में 62 स्कीमें है जिन पर 13 करोड़ 86 लाख रूपये खर्च होने जा रहे है। इसी प्रकार वाटर सप्लाई की पानीपत में 22, पंचकूला में 19 रेवाडी में 31 रोहतक में 32 सिरसार में 88, सोनीपत में 62 ओर यमुनानगर में 22 स्कीमें है। कुल मिलाकर पूरे हरियाणा प्रदे ा में 901 स्कीमें है जिनमे बहुत सी नई स्कीमें है और बहुत सी ऑगुमैंट होने जा रही है।

श्री रमे ा कुमार खटकः अध्यक्ष महोदय, जैसा माननीय मंत्री जीने अपने जवाब में द ार्या है कि कुछ गांवों में पीने का पानी प्राइवेट ठेकेदारों द्वारा सप्लाई किया जाात है। तो क्या सप्लाई किया गया पानी पहले टैस्ट किया जाता है। कि यह पानी पीने के लायक है या नही।

श्री राम पाल माजराः अध्यक्ष महोदय, मै माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि भौलों टयूबवैल्ज से जो पानी दिया जाता है। उसमें बैक्टीरिया होने की सम्भावना नही होती फिर भी हैल्थ डिपार्टमैंट इस पानी को चैक कर रहा है। कि यह पानी पीने के योग्य है या नही और इस पानी को चैक करने का काम जारी है।

पूरे हरियाणा प्रदे ा मे ंपानी की वजह से किसी का स्वास्थ्य खराब होने की सम्भावना नही है।

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर सर, जैसा कि चीफ पालियामैन्टरी सैक्रेटरी साहब ने कहा कि उनकी गुणवता टैस्ट की जा रही हैं मुझें अपना प्र न दिए एक महीने का समय का समय हो गया है और गुणवत्ता टैस्ट करने में महीनों या साल कासमय नही लगता। मेरा प्र न यह है कि कितनी जगहों पर पानी की गुणवता टैस्ट की गई और कितने ऐसे केसिज सामने आये जहां पर पानी की गुणवता ठीक नही थी। प्राईवेट ठेकेदारों को पानी का ठेका देने के लिए क्या सरकार की तरफ से परमी ान दी जाती है। और जहां पर पानी की गुणवत्ता ठीक नही पाई गई वहां पर ठेकेदारों के खिलाफ कार्यवाही की गई, क्या उसकी परमी ान विदहैल्ड की गई? अभी थोड़े दिन पहले कुछ प्राईवेट ठैकेदारों की पानी की सप्लाई बंद की गई है। वह किस आधार पर बंद की गई है और जो चल रहे है वह किस आधार पर चल रहे है।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर सर, प्राईवेट ठेकेदारों को न तो किसी तरह का लाईसैंस दिया जाता है और न ही इनके पास कोई परमी ान होती हैं भारत सरार की गाईडलाईज है। कि पानी कही पर भी नल्कों, कुओं या टयूबवैलों द्वारा सप्लाई किया जा सकता है। और जहां ऐसा हो सकता है। उन गांवो को प्रोब्लम विलेज काउंट नही किया जा सकतौं स्पीकर सर, जहां तक

पानी की गुणवता चैक करने वाली बात हैं इस बारेमें मै तबाना चाहूंगा कि कादयान साहब को यह मालूम है कि पानी की गुणवता को लेकर अब कोई ि ाकायत नही हज़ैं यदि ऐसी ि ाकायत किसी ने दर्ज करवाई है तो उसके बारे में में हमें बताये कि यह पानी पीने के लायक नही हैं यदि ऐसी ि ाकायत किसी ने दर्ज करवाई है तो उसके बारे में हमें बताऐ कि यह पानी दे रही है। अभी चौधरी भागी राम जी ने कहा कि हरि गांव के बाहर 5–7 स्टैड पोस्ट लगाये जायें लेकिन आजकल लोग वहां से पानी लाने के बजाय अपने घर में ही पानी का कनैक ान लेना चाहते है और वे प्राइवेट कनैक ान ले लेते है। (ाोर एवं व्यवधान)

Repair of Roads

722. Rao Dan Singh: Will the Chief Minister be pleased to state the time by which the repair work of Mahendergarh to Bawania roas is likely to be started/completed?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): इस सड़क की 2.50 कि0मी0 लम्बाई प्रिमिक्स कारपेट डालकर हरियाणा राज्य कृशि विपणन बोर्ड द्वारा मुरम्मत की गई हैं भोश 4.38 कि0मी0 लम्बी सड़क की मुरम्मत लोक निर्माण विभाग द्वारा पैच कायर्स तथा गढ्ढे भरकर कर दी गई हैं इस पहुंच की प्रिमिक्स कारपेट सर्दियों के बाद फरवरी, 2002 मे भाुरू की जायेगी और मार्च, 2002 में पूर्ण कर ली जायेगी।

राव दान सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि महेन्द्रगढ़ से मालड़ा चौक को जाने वाली एक सड़क है जिस पर महेन्द्रगढ़ भाहर का गंदा पानी एकत्रित हो जाता है। और उस सड़क परएक–डेढ़ फिट पानी इक्कट्ठा हो जात ाहैं जिसके कारण वहां से लोग पैदल या टू–व्हीलर पर नही आ सकते सिर्फ चोपहीया वाहनों पर ही आज सकते है। इस बारे में उपायुक्त महोदय से भी बात की थी लेकिन इस समस्या का समाधान नही हुआ। 26 जनवरी को मानीय मुख्यमंत्री महोदय जी से मिला था लेकिन अफसोस की बात यह है कि माननीय मुख्य मत्री महोदय ने उस समय इस सड़क को ठीक करवाने का आ वासन दिया था लेकिन 10 महीने बाद अब तक भी यह सड़क ठीक नही हुई है। वह सड़क वैसे ही वैसे ही है। मै जानना चाहता हूं कि महेन्द्रगढ़ की जनता की इस समस्या का समाधान कब तक किया जायेगा?

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार का एक निर्णय है कि जहां कही भी प्रदे ा मे ंपानी खड़ा रहेगा, चाहे वह गांव का एकरयिाहो या भाहर का एरिया हो वहां पर सीमेंटिड सड़क बनाई जायेगी, यदि इस सड़क पर भी पानी खड़ा होता है होगा तेा इसे बनवा दिया जायेगा। जहां तक श्री दान सिंह जी के प्र न का संबंध है। ये स्वये ही देख लें कि इनके यहां सबसे ज्यादा सड़कों पर पैसा खर्च किया गया है। और

'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत भी सबसे ज्यादा पैसा इनके यही खर्च किया गया है।

राव दान सिंहः स्पीकर साहब, 'सरकार आपके द्वार' के तहत मेरे हल्के में विकास के कार्य नही हुए हैं जिस रोड. का मैने जिक्र किय हैं उसके बोर में म्यूनिसिपल कमेटी वाले कहते है। कि यह रोड म्यूनिसिपल कमेटी के अंडर नही आता है, एग्रीकल्चरल मार्किटिग बोर्ड के अंडर आताहै। और एग्रीकल्चर मार्किटिग बोर्ड वाले कहते है यह रोड उनके अंडर नही आता है म्यूनिसिपल कमेटी के अंडर आता है। यह समस्या बनी हुई है।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य को यह पता करके बताना चाहिए कि यह रोड़ कौन से दायरें के अंडर आता है। मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि कि इनकी कांस्टीच्यूएंसी में कितनी सड़के बनी हैं महेन्द्रगढ से अटेली तक की सड़क पर प्रिमिक्स कारपोटिंग कर दी गई है।

राव दान सिंहः स्पीकर साहब, मैने जिस रोड़ के बारे में पूछा है मंत्री जी उस रोड़ के बारे में बताएं।

श्री रामपाल माजराः स्पीकर साहबा, हमारी सरकार ने माननीयसदस्य की कांस्टीच्यूंसी में जितनी सड़के बनाई है उनकी सूची मै पढ़ कर सुना देता हूं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, कृपा करके आप बैठ जाएं। मंत्री जी इनके हल्के की सड़कों के बारे में इनको इन्फर्मे ान दे रहे है।

श्री राम पाल मजाराः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य जिस सड़क के बारे में पूछ रहे है। उसके बारे में वह यह बताएं कि यह सड़क म्यूनिसिपल कमेटी के अंडर आती हैं या एग्रीकल्चरल माकिटिग बोर्ड के अंडर आती हैं इसके लिए माननीय सदस्य अलग से नोटिस दे दें इनको बता देगे। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जिस सड़क के बादे मे ंपूछा है मंत्री जी उसका जवाब नही दे रहे है। (ाोर)

श्री बलवंत सिंह मायनाः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि 1991 से लेकर 1999 तक हरियाणा प्रदे ा में कितनी सड़कों की मुरम्मत की गई और कितनी नई सड़के बनाई गई तथा उनपर कितनी लागत आई? इसके अलावा मैं यह भी जानना चाहता हूं कि 1999 से लेकर 2000 तक हरियाणा प्रदे ा में कितनी नई सड़के बनाई गई, कितनी सड़कों की मरम्मत की गई तथा उन पर कितनी लागत आई?

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, यह बहुत लम्बी चौड़ी लिस्ट हैं अगर मै यह पढ़ कर बताऊंगा तो उसमें बहुत

समय लग जाएगा। लेकिन फिर भी मै माननीय सदस्य की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि वर्श 1996–97 से लेकर जुलाई 1999 तक यानि 40 महीने में सडक्रकों की रिपेयर पर 364 करोड़ रूपए खर्च हुए है और जुलाई 1999 से अत तक यानि 26 महीने में सड़कों की रिपेयर के लिए इस समय 541 करोड़ रूपये के कामों के ठेके दिया जा चुके है जिन पर काम हो रहा है। यह 541 करोड़ जिन जिन अदायरों से लिया गया हैं उसकस विवरण इस प्रकार है। एच0एच0यू0पी0 से 200 करोड़ रूपए, सी0आर0एफ0 से 43 करोड़ रूपए, हुडकों से 110 करोडत्र रूपए, भवन से 60 करोड़ रूपए और नै ानल हाईवे से 77 करोड़ रूपये यानि यह टोटल 541 करोड़ रूपए है।

श्री रमे ा कुमार खटकः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि सरकार ने पिछले दो साल के अरसे में मार्किटिग बोर्ड के माध्यम से कितनी सड़कें बनाई है और पी डब्ल्यू0डी0 के माध्यम से कितनी सड़के बनाई है? कृपया मंत्री महोदय इस बारे में इन दोनों सालो का ब्यौरा देने की कृपया करें।

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, इस बारे में मेरे पास बहुत लम्बी चौडी डिटेल हैं अगर इस डिटेल को मै हाउस में पढ़कर सुनाऊंगा तो मुझे कम से कम एक घण्आ इसी काम के लिए लग जाएगा और फिर मेरे से विपक्ष के साथी यहां से भाग जाएंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

चौ0 जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी सुनिये।

****

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी, आप बैइ जाएं आप बगैर परिमी ान के बोल रहे है। इसलिए इनकी कोइ बात रिकार्ड न की जाये। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम पाल माजराः स्पीकर साहब, जैस कि मै कह रहा था कि मेरे पास यह एक लम्बी चौड़ी डिटेल रिप्लाई है कि कितनी सड़के हमने पी0 डब्ल्यू0 डी0 के माध्यम से और कितनी सड़के माकिटिंग बोर्ड के पैसे से बनाई है यदिये चाहेगे तेा मै यह डिटेल्ड रिप्लाई इनको दे दूंगा, ये इसको पढ़ लें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बलबीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से अपने इस सम्मानित सदस्य से जानना चाहता हूं कि मेरे ये साथी जय प्रका ा जी जो आज विपक्ष में बैठे है। इनकेा इतना पता नही है कि हल्का सड़क बनाने के लिए मार्किटिंग बोर्ड के तहत आता है या पी0डब्ल्यू0डी0 के तहत आता है। या नगरपालिका के तहत आता है। अध्यक्ष महोदय, साथ ही साथ मै यह कहना चाहता हूं कि चाहे सड़क बनाये जाने की बात है, चाहे कोई पुल या गली बनाये जाने की बात है तो ये कांग्रेस के भाई हर बात में कहते है कि इनको बनाये जाने की नीवं रखने को काम इनके विपक्ष में बैठे हुए नेता भजन लाल जी ने किया था। मै आपके माध्यम से जानना

चाहता हूं कि क्या इनके नेता ने लाल किले की नीवं भी रखी थी। (हंसी)

श्री अध्यक्षः प्र न काल समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पररखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Guarantee for Obtaining Loan

758.Sh. Mange Ram Gupta: Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) The Specific amount for which the Government has given guarantee for the loan obtained by various Board/Corportations of the State Government till 31-10-2001; and

(b) Whether repayment of the loan mentioned above has been made regularly by the said Corporations?

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): (ए) 31.10.2001 तक राज्य सरकार द्वारा दी गई कुल गारन्टी में से 6288.55 करोड़ रूपये की रा ि ा बकाया है।

(बी) संस्थाओं द्वारा प्रायः नियमित रूप से अदायगी की जा रही है।

Construction of Bridge on Agra Canal

794. Sh. Krishan Pal: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that the "Palla Bridge" onAgra Canal in district Faridabad is in diplapidated condition for the last may years; and

(b) If so, whether there is any propoal under consideration of the Government to construct the said Bridge?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला):

(क) हां, श्रीमान् जी।

(ख) नही, श्रीमान् जी।

Upgradation of Schools

783. Sh. Rambir Singh: Will the Minister of state for Education be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the Government High Schools of Pataudi and Bhode Kalan in Pataudi constituency into 10+2 schools. and

(b) If so the time by which the aforesaid Schools are likely to be upgraded?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ0 बहादुर सिंह):

(क) जी हां, श्रीमान जी, विधान सभा क्षेत्र पटोदी में राजकीय उच्च विद्यालय पटोदी एवं राजकीय उच्च विद्यालय भोड़

कलां को 10+2 विद्यालय में स्तरोन्नत करने का मामला सक्रिय रूप से सरकार के विचारधीन है।

(ख) विधिवत औपचारिकताएं पूर्ण करने तथा वित्तीय स्वीकृति प्राप्त होते ही इन विद्यालयों को स्तरोन्न कर दिया जाएगा।

Providing of passage to Basti Kaliaspur

790. Sh. Dev Raj Dewan: Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) Whether it is fact that there is not proper passage to the risidents of 'Kailaspur Basti' situated beyond Sector 15, Sonipat; and

(b) If the reply to part 'a' above be in affirmative, whether there is any proposal under consideration of the Government to provide proper passage to the residents of the said Basti?

राजस्व मंत्री (श्री धीर पाल सिंह): एक अनाधिकृत बस्ती कैला ापुर ग्राम के नाम से सैक्टर 15 सोनीपत के बाहर स्थित है। इस बस्ती के अधीन जमीन पर कुछ आदमियों ने अनाधिकृत तौर पर लगभग 40 छोटे मकान बनाकर कब्जा किया हुआ है। सरकार के पास इस बस्ती के निवायिों को रास्ता देने के बारे कोई प्रस्ताव विचारधीन नही है।

Construction of Bye-Pass in Narnaul

788. Rao Narender Singh: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of Government to construct a Bye-Pass in Naraul; and

(b) If so, the time which the construction works of the aforesadi Bye-Pass is likely to be started?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला):

(क) नही, श्रीमान जी।

(ख) उपरोक्त (क) के दृश्टिगत प्र न ही नही उठता है।

Draining our to Rainy Water

800. Smt. Veena Chhibbar: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether it is fact that there is no outlet for draining out the rainy water of Ambala City; and

(b) If so, whether the Govt. has fourmulated any plan for draining out the rainy water, toghetherwith tdetails thereof?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला):

(क) नही, श्रीमान जी।

(ख) ऐसा नही है।

Opening Of I.T.I.

803. Smt. Sarita Narain: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to open an I.T.I at Kalanaur; if so, the time by which it is likely to be opened?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): कलानौर में औद्योगिक प्र ि ाक्षण संस्थान खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचारधीन नही है।

Replacement of Electric Meter

706. Cap. Ajay Singh Yadv: Will the Chief Minister be pleased to state—

Whether it is fact that HVPN is carrying out replacement of old electric meters by new electromagnetic meters in domestice and industrical sectors; if so, the names of the firms from which these were purchased together withthe amount involved?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): नही, श्रीमान जी।

Prime Minister Rozgar Yojna

734. Sh. Jai Parkash: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) The details of the basic objectives of the Prime Minister Rozgar Yojna;

(b) The actual number of beneficiaries under the said scheme together with amount sanctioned, till February, 2000 and

(c) Whether any practical difficultes are being faced by the people ; if so, the steps taken or proposed to be taken to remove such difficulties?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला):

(क) श्रीमान जी, प्रधानमंत्री रोजगार योजना का मुख्य उद्दे य ि ाक्षित बेरोजगार युवकों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है। प्रधानमंत्री रोजगार योजना के अन्तर्गत 7 लाख लघु इकाइयां ि ाक्षित बेरोजगार युवकों के द्वारा स्ाापित की जायंगी। यह योजना 10 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार प्रदान करने के लिए बनाई गई हैं इसके अन्तर्ग उद्योग, सेवा व व्यापार के माध्यम से स्वयं रोजगार के अवसर प्रदान किये जायेगे। इस योजना को लागू करने के लिए मान्य गैर–सरकारी संगठनों को उद्यमियों का चुनाव, प्र ि ाक्षण, प्रोजैक्ट प्रोफाईल्स बनाने में उनकी सहायता के लिए भागीदार बनाया है।

(ख) 43408 लाभार्थियों को फरवरी, 2000 तक 24824,13 लाख रूपये की रा ि ा स्वीकृत की जा चुकी है।

(ग) इस स्कीम में मुख्य व्यावहारिक कठिनाई बैकां द्वारा एक लाख रूपये तक के ऋण बिना कालेटरल सिक्योरिटी के स्वीकृत करने में हिचकिचाहट करनाहैं जिन केसों में ऋण रा ि। एक लाख रूपये से ऊपर हेाती है, उनमें बेरोजगार युवकों द्वारा कोलेटरल सिक्योरिटी देना आव यक है। लेकिन कईबार बेरोजगारों द्वारा सिक्योरिटी जुटाना सम्भव नही होतौं इन समस्याओं को सुलझान क `लिए राज्य, जिला व खण्ड स्तर पर अलग–अलग समितियों बनी हुई है जिनमें इस योजना की नियमित समीक्षा की जाती है।

Income of Market Committee, CharkhiDadri

719. Sh. Jagjit Singh: Will the Minister for Agriculture be pleased to state the total income accrued oth the Market Committee, Charkhi Dadri During the last two years togheter with the details of the amount speant by the Market Committe on various development works during the said period.

कृशि मंत्री (श्री जयविन्द्र सिंह सन्धू): वांछित सूचना विधान सभा के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

मार्किट कमेटी चरखी दादरी की आय

वर्श	**मार्किट फीस से आय**	**कुल आय**

	(रूपये लाखें में)	(रूपये लाखें में)
1999-2000	42.58	71.79
2000-2001	39.88	61.18
2001-2002	31.80	42.44
(30-09-2001) तक		
कुल		**175.41**

विकास कार्या पर दिनांक 01.04.1999 से 30.09.2001 तक किया गया व्यय	
	(रूपये लाखें में)
1. भूमि का मुआवजा	154.95
2. ग्रामीण पहुंच सड़कों का निर्माण	32.26
3. सड़कों की मुरम्मत	48.79
4. अन्य विंकास कार्य	04.85
कुलः	**240.85**

Repair of Roads

740. Sh. Krishan Lal: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under considerationof thegovt. to widen and repair the following roads:—

(a) Panipat, Jatal, Sutana, Lauhari, Bhalsi;

(b) From Khukhrana to Shera via Asan Kalan;

(c) From Rer Kalan to Munak (Karnal);

(d) From Matlauda to Adina (Panipat);

(e) From Munak (Karnal) to Padha via Achala, Balpabana; and

(b) If so, the time by which the said roads are likely to be widened and reparied?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला):

(क) हां, श्रीमान जी, भाग (क) तथा (ड) से संबधित सड़कों को चौड़ा करने तथा सभी सड़कों की मरम्मत करने का प्रस्ताव है।

(ख) प्रस्तावित कार्य जून, 2002 तक पूर्ण हो जाने की सभावना हैं

Bahadurgarh Baby Killer Kand

804. Sh. Nafe SinghRathi: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether it is fact that Rambabu and Khankar were arrested in connection withthe Baby Killer Kand,

Bahadurgarh City occurred during the period from 1995 to 1997;

(b) Whether if is also a fact that aforesaid persons were arrested by the Delhi Police and a reware of Rs. 50,000/- announed by the Haryana Police was taken for their arrrest;

(c) Whether the person referred to in part (a) above namely Rambabu and Shanker were implicated falsely in the said kand: and

(d) If so, the actions, if any taken against the police official, who were responsible for flsely implication the said persons.

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला):

(क) हां जी।

(ख) दिल्ली पुलिस के समक्ष बहादुरगढत्र मे बेबी किलिंग के पांच कुमदमों में अपीन सिलिप्तता स्वीकरा करने के बाद केवल रामबाबू को दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। हरियाणा पुलिस द्वारा घोशित 50,000 रूपये का इनाम पि चम दिल्ली जिला के पुलिए अधिकारियों को रामबाबू को गिरफ्तार करने के लिए वितरित किया गया था।

(ग) मामला न्यायालय में विचारधीन है, ऐसी सिथत में इस सम्बन्ध में कोई ब्यान देना उचित नही होगा।

(घ) –यथोपरि–

Causalties Due to Snags in Power Line

764. Prof. Ram Bhagat: Will the Chief Minister be pleased to state the steps taken or proposed to be taken to minimize the causalties ocurred on account of eletrocuction due to snags in main line passing over houses?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): राज्य में ढीली पड़ी बिजली की तारों को कसने के लिए एक वि ोश अनुरक्षण अभियान भुरू किया गया हैं चालू वर्श के दौरान 2480 किलोमीटर उच्च तथा निम्न टैं ान वाले तारों को कसा गया है। इन लाईनों को यदि अनाधिकृत निर्माण वाले जोकि वर्तमान उच्च तथा लो टें ान तारों के नीचे आते है। और ि ाफ्रिंट खर्च देने के लिए सहमत है तो उनकी लाईने ि ाफ्ट की जा रही है।

Opening Of Engineering College at Dabwali

729. Sh. Sita Ram: Will the Chief Minister be pleased to state Whether there is any proposal under consideration of the Government to open an Engineering College or Polytechnic at Dabwali?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): जी हां, डबवाली मे ंएक बहुतकनीकी खोलने का प्रस्ताव सरकार के विचारधीन है। जिस पर पर्याप्त धन रा ि ा उपलबध होने पर कार्यवाही की जायेगी।

Report of the Commission

716. Sh. Amar Singh Dhandey: Will the Chief Minister be pleased state—

(क) हां श्रीमान जी।

(ख) पांच आयोग की रिपोर्ट दिनांक 04.12.2001 तक प्राप्त होने की सम्भावना है।

अतारांकित प्र न एवम् उत्तर

Construction of Link Road

49. Sh. Jagjit Singh: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether ther eis any proposal under consideration of the Government to connect Charkhi Dadri with Rewari by direct link road; and

(b) If so, the steps taken so far in this regard?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला):

(क) नही, श्रीमान जी, चरखी दादरी पहले ही सीधा योजक सड़क द्वारा वाया चिड़िया, बागोत, कनीना और रिवाड़ी से जुडा हुआ हैं

(ख) उक्त ''क'' के दृश्टिगत किसी कार्यवाही की आव यकता नही है।

Shortage of Teachers

50. Sh. Jagjit Singh: Will the Minister of state for education be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that there is acute shortage of teachers in primary schools in the state; and

(b) If so, the steps taken or proposed to be taken to overcoem the said shortage of teachers?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ0 बहादुर सिंह):

(क) जी, नही।

(ख) प्र न ही पैदा नही होता।

Self Finance for New Subjects in Private Colleges

51. Sh. Jagjit Singh: Will the Minister of state for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to start self finance scheme for new subjects in provate colleges in the State; if so, the object thereof?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौ0 बहादुर सिंह):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) प्राइवैट महाविद्यालयों को स्वयं वित्त पोशण आधार पर 200 से अधिक पाठयक्रम चलाने की अनुमति प्रदानकी गई है। स्वयं वित्त पोशित पाठ्यक्रम आरम्भ करने का मूल उद्दे य ि ाक्षा को रोजगारोन्मुखी बनाना तथा राज्य ि ाक्षा नीति में निर्धारित अनुसार सूचना प्रौ द्योगिकी से सम्बन्धित कम्पयूटर

पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देना है इससे सरकार पर वित्तीय भार भी कम होता है क्योंकि ऐसे पाठ्यक्रम चलाने के इच्छुक संस्थान सरकार से कोई निधियों नही लेते है।

Providing of Grant to Dadri Education Society

52. Sh. Jagjit Singh: Will the Minister of state for education be pleased to state—

(a) Whether any request has been received from Dadri Education Society for providing Ex-gratia grant to the society; and

(b) If so, the action taken thereon?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौधरी बहादुर सिंह):

(क) जी, नही।

(ख) उक्त (क) के दृश्टिगत प्र न उत्पन्न नही होता।

Jhattipur Minor

62. Sh. Krishan Lal: Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideratio of the Government to construct New Jhattipur Minor in District Panipat: if so, the time by which it is likely to be constructed?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): जी हां, पानीपत जिले में झाटीपुर माईनर के निर्माण की योजना 427 लाख रूपये की अनुमानित लागत से भू:जल पुनरावृत्ति के लिए बतौर खरीफ

चैनल बनाई गई। वित्तीय उपलब्धता हेतु इस केन्द्रीय भू:जल बोर्ड को प्रस्तुत किया गया। यह योजना केन्द्रीय भू:जल बोर्ड द्वारा वित्त उपलब्धाति हेतु स्वीकृत नही की गई। इसलिए निकट भविश्य में इस योजना को नाबार्ड की आर.आई.डी.एफ. परियोजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता हेतु भेजा जाएगा।

अध्यक्ष हो हटाने के लिए संकल्प की सूचना

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a ccalling attention Notice form Sarvshri Bhagi Ram and Nishan Singh M.L.A.s. regarding the damage of cotton crops in the state of Haryana I admit it. Adjournment Motion Notice no. 2 given by Sh. Bhajan Lal, M.L.A., and four other M.L.A.s, has been converted into calling Attention Motion and has been bracketted with cfalking Attention Motion No. 4 being on the same subject. Sh. Bhagi Ram may read his notice.

चौधर भजनलाल: स्पीकर साहब, आपने इनको एक साथ तो जेाड़ दिया लेकिन अब आप हमारी बात भी सुन लें। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर साहब, यह बड़ा अहम मुद्दा है। हमने आपके खिलाफ अवि वास प्रस्ताव की सूचना दे रखी है यह बड़स सीरियस मैंटर है। आप पहले वि वास का मत हासिल करें ओर बाद में इस कुर्सी पर बैठे। मै आपके हाथ जोड़कर निवेदन करता हूं कि मर्यादा यही कहती है, सिद्धांत यही कहते है, इतिहास यही कहता है और सम्भ्यता यही कहती है कि अगर स्पीकर और सरकार के खिलाफ अवि वास काप्रस्ताव आ जाए तो उस सरकार

को या स्पीकर को पहले वि वास का मत हासिल करना चाहिए इसलिए आपको पहले वि वास का मत हासिल करना चाहिए और उसके बाद ही इस कुर्सी पर बैठने का आपका राईट बनात है। इसलिए कृपा करके आप इस कुर्सी पर डिप्टी स्पीकर साहब को या किजिस किसी और को आप ठीक समझते है, उनको आप इस बिठाइये। अगर आप वि वास का मत लिए बगैर काम करते है तो यह ठीक बात नही है।

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिह): स्पीकर सर, मै विपक्ष के नेता से एक बात जानना चाहता हूं कि अभी जो उनहोने यह कहा है कि स्पीकर के खिलाफ यदि अवि वास का प्रस्ताव आ जात ाहै तो उसे पहले वि वास हासिल करना पड़ता है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल: स्पीकर साहबा, आप हमारी बात भी सुनिये।

श्री अध्यक्ष: दलाल साहब, आपका कोई प्रस्ताव नही आया है इसलिए आपका बोलने का कोई हक नही है आप अपनी सीट पर बैठें। (ाोर एवं व्यवधान) दलाल साहब जी जो बेले रहे है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय,

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आपका यह कहना कि उनकोबोलने का कोई अधिकार नही है ठीक कनही है वे एक पार्टी के लीडर है वे अपनी बात को यहां पर कह सकते है।

श्री अध्यक्षः उनकी कौनसी पार्टी है कैसे उनकी पार्टी है उनकी कोई रिकोगनाइजड पार्टी नही हैं वे इंडीपैडैन्ट मैम्बर के बराबर है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्षम होदय, आप उनको बोलने दीजिए। आप उनकी बात माने या न माने वह अलग बात है लेकिन उनको अपनी बात कहने तो दें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री जगजीत सिंहः स्पीकर साहब, जब आपके खिलाफ अवि वास का प्रस्ताव है तो आप उस कुर्सी पर नही बैठ सकते है।

श्री अध्यक्षः सांगवान साहबा, आप बैठें।

चौधरी जय प्रका ाः स्पीकर साहबि, हमारी बात ता `सुने। आप उस कुसी पर कैसे बैठ सकते है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सभी बैठे। अब पहले पालियामैंट्री अफेयरर्ज मिनिस्टर अपनी बात कहेंगे। (ाोर एवं व्यवधान)

मुख्यमत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, यह पूरा सदन अब तक इस बात से अनभिा है कि कोर्ठ पस्ताव आया है या नही और अगर आया है तो यह कैसा प्रस्ताव है। कौन

उसको लेकर आए है सबसे पहले कुर्सी यह बताएगी कि सदन में ये–ये प्रस्ताव आए है और इस पर विचार होना है। जब हमें पता ही नही कि कोई प्रस्ताव आया भी आया है या नही तो कैसे हम कह सकते है। अध्यक्ष महोदय, जो कानून को जानते ही नही है वह भी खड़े होकर कह देते है कि आप इस कुर्सी पर बैठ नही सकते। हमें क्या पता कि कोई प्रस्ताव आया भी है या नही तो कैसे हम कह सकते है। जब तक चेयर नही बताएगी तक तक सदन को कैसे पता चलेगा (ाोर एवं व्यवधान) भजन लाल जी, आप तो विपक्ष के नेता है आप ही इनको समझाओं। हमें इस प्रस्ताव के बारे में कुछ पता नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजनलालः हमने आपको कापी भेजी हुई है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः हमारे पास कोई कापी नही आई। यह स्पीकर साहबा, बताएंगे, आप नही बाता सकते। यह केवल चेयर बताएगी कि सदन केसमक्ष यह प्रस्ताव आया है। (ाोर एवं व्यवधान) भजन लाल जी आप तो जिम्मेदार पद पर बैठे है। आप भी स्पीकर साहब को कहते है कि कुर्सी छोड़ जाओ।

चौ0 भजन लालः जब स्पीकर साहब, नही बताएगे तो हम क्या करेगे?

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप बैठ जाए। (ाोर एवं व्यवधान) मेरी बात सुने। मेरे पास दो प्रस्ताव आए है एक तो

प्रस्ताव हरियाणा सभा के स्पीकर के रिमूवल का नोटिस आया है यह 25 तारीख को आया है। जय प्रका ा जी, आप बैठ जाएं (ाोर एवं व्यवधान) यह गोपनीय पेपर्स है, बताए नही जाते है डिस्कलोज नही किए जात `है। यह प्रस्ताव 25 तारीख को 3 बजकर 55 मिनट पर आया है और इस पर कैप्टन अजय सिंह ओर चौधरी भजन लाल जी के साईन है रिमवल का प्रस्ताव स्पीकर सके अग्रेस्ट ाया है। और दउूसरा सरकार के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव आज ही मिला है वह ऐडमिट कर लिया गया है। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 संम्पत सिहः अभी पहले विपक्ष के नेता से प्र न उठाया कि हमने अवि वास प्रस्ताप का नोटिस दिया है और स्पीकर साहब ने उसकी पुश्टि की है। (ाोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, एक तो मै यह बात क्लीयर करना चाहता हूं कि जैसे अीाी आपसे स्पश्ट हुआ कि 25 तारीख को नोटिस आया है और 3 बजकर 55 मिनट पर आया है और यह कैप्टन अजय सिंह ने दिया है और इस पर भजन लाल जी ने भी साइन किए है। अभी विपक्ष के नेता भी कह रहे थे कि स्पीकर साहब को अपनी चेयर पर नही रहना चाहिए। अगय ये ऐडमिट हो जाता है तो यह कैवैंचन है कि he should not sit on the chair. स्पीकर सर अपनी चेयर पर नही रहेगे, हय परम्परा रही है लेकिन यह ऐडमी ान की स्टेज है। (ाोर एवं व्यवधान) अपनसे यह सवाल उठाया है और इस तरह का प्रस्ताव दिया है इनके खिलाफ नो कांफीडैस मो ान आप लाए

है तो हमारा भी फर्ज बनता है क हम भी जवाब दें उसके बाद आप अपनी बात कहें, अगर यह नोटिस ऐडमिट हो जात है तो स्पीकर साहब, चेयर छोड़ देगे और तब ही डिप्टी स्पीकर को आना चाहिए। परन्तु यदि ऐडमिट नही होता है तो स्पीकर साहब, को कुर्सी पर बैठेगे। स्पीकर सर, इसके ऊपर विपक्ष के साथियों को कुछ कहना है तो कहने का टाइम दीजिए। (ाोर एवं व्यवधान) जो भी मा ान हेाते है चाहे न कांफडैंस मो ाना, हो चाहे कालिंग अटैं ाश्न मो ान हो चाहे स्थगत प्रस्ताव हो। हर प्रस्ताव के लिएसंवधिान में भी और उपकी हरियाणा नेजिस्लेटिव असैम्ब्ली की रूलस ऑफ प्रौसीजर एंड कंडक्ट ऑफ बिजनेस की बुक है और पालियामैंट्री प्रैक्टिस की बुक है। उनके द्वारा यह सारे के सारे गवर्न होते है। जहां तक स्पीकर के खिलाफ नो कॉफीडैंस मो ान का सवाल हैं (विध्न) की बुक के हिसाब से यह बनता है या नही बनता है यह अभी देखने वाली बात हैं स्पीकर सर, मै सबसे पहले भारत के संविधान के सैक ान 179 को पढ़द्य कर सुनाता हूं। जिसमें लिखा है–

179. Vacatio and resignation of, and removal from, the ofifces of Speaker and Deputy Speaker-A members holding office as speaker or Deputy Speaker of the Assembly-

(a) Shall vacate his office if he ceased to be member of the Assembly;

(b) May at any time by writing under his hand addressed, if such members is the Speaker, to the Deputy

Speaker, and if such members is the Deputy Speaker, to the Speaker, resign his office; and

(c) May be removed from the office by a resolution of theAssembly passed by a majorirty of all the them members of the Assembly;

Provided that no resolution for the purpose of clause (c) shall be moved unless at least fourteen days, notice has been given of the intention to move the resolution:

स्पीकर सर, उसके बाद जो 'कौल और भाकघर' की बुक है। ''प्रैक्टिस एण्ड प्रोसीजर ऑफ पार्लियामैंट'' उसमें लिखा है—

"At least fourteen days notice has to be given of the intention to move such a resolution. In computing the period of fourteen days, both the terminal days are excluded.

जिस दिन दिया जाता है, जिस दिन टेक अप किया जाता है। इन दिनों को एक्सक्लूड किया जाता है स्पीकर सर, इसी प्रकार हरियाणा विधान सभा के लेटैस्ट रूलज अप्रैल, 1998 मे छपे रूल्ज ऑफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट ऑफ बिजनैस में स्पश्ट तौर पर लिखा हुआ है—

"Every notice required by the rules shall be given in \writing addressed to the Secretary and shall be deliverede at the Assembly office. If it si delivered between 10 A.M. and 3 P.M. on ad day when the office is oepn it shall be treated as delivered on that day. If it is delivered at any later time or on

any holiday, it shall be \treated as delivered on the day on which the office next opens. A notice or communication which is not legible written may, and if it is not signed by the member sending it, shall be rejected.

(विध्न) यह सुनने लाय है। स्पीकर सर, 25 तारीख को 3.35 बजे यह अवि वास प्रस्ताव दिया गया और जबकि रूल में क्लीयर कट 10 बजे से 3 बजे का समय निर्धारित कियागया है। ओर उसके बाद अगर दिया गया है तेा तो वह उस दिन नही माना जाता बल्कि उसके बाद जो अगला वर्किग डे होता है उसकसे माना जाता है। इसलिए यह प्रस्ताव 25 तारीख को 3 बजकर 55 मिनट पर दिया गया हैं इसलिए 25 तारीख को नही माना जायेगा उसके बाद 26, 27, और 28 तारीख की छुटटी थी इसलिए 29 तारीख को दिया माना जायेगा।

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः स्पीकर सर, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है, सरकार इसको टैक्लीकली एडमिट नही कर रही है।

श्री अध्यक्षः कोई प्वांयट आफ आर्डर नही है आप बैठ जाएये।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर सर, ये विपक्ष के सदस्य अपना होम वर्क तेा करके आते नही हैं औरभाशणबाजी और प्रागेगैंडा में वि वास रखते है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर सर, मेरा प्यांवट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः आपका कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है। आप बैठ जाइये।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर सर, 25 तारीख को 3.55 बजे यह अवि वास प्रस्ताव दिया गया है जबकि रूल में क्लीयर कट 10 बजे से 3 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। और उसके बाद अगर दिया गया है तो वह उस दिन नही माना जाता बल्कि उसके बाद जो अगला वर्किग डे होता है। उसको माना जाता है। इसलिए यह प्रस्ताव 25 तारीख को 3 बजकर 55 मिनट पर दिया गया हैं इसलिए 25 तारीख को नही माना जायेगा उसके बाद 26, 27 और 28 तारीख की छुट्टी थी इसलिए 29 तारीख को दिया माना जायेगा। इस प्रकार 29, 30, 31 तीन दिन तो अक्टूबर के हो गये और आठ दिन नवम्बर के हो गये तो कुदल 11 दिन बनते है इसलिए स्पीकर सर, यह प्रस्ताव कानूनी तौर पर एडमिट नही हो सकता है। यही मै कहना चाहता था अगर विपक्ष के सदस्य इस प्रस्ताव के प्रति इतने सीरियस होत`तो ये 25 तारीख के 3 बजकर 55 मिनट की बजाये उससे पहले 2 बजकर 55 मिनट पर भी दे सकते थे लेकिन इनको टाइम की परवाह नही है इन्हे कानून की परवाहनही है ये प्रोसीजन की परवाह नही करते, अपना होम वर्क नही करते, इनमें अपने आप मे ंयूनिटी नही है, ये केवल मात्र भाशणबाजी में वि वास करते है ओर विपक्ष की

जिम्मेवारी नही समझते। अपनी विपक्ष की भूमिका नही निभाते। अपनी कमियों को भाशणबाजी औरकानून बाजी में छिपाते हैं अध्ययन महोदय,लैजिसलैटिव बिजनैस ऐसे नही चला करता है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्यांयट आफ ऑफ आर्डर हैं

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, पहले पालियामैंटरी अफेयरर्ज मिनिस्टर को अपनी बात कहने दें उसके बाद आप बोल लेना आपकोसमय दिया जाएगा। (ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, यह इनकी साजि ा हैं

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै इनको बातना चाहता हूं कि 3.55 के टाइम पर नोटिस देनाक्या हमारी साजि ा है? यह तो इनकी खुद की साजि ा है। ये उंगली काटकर भाहीद होना चाहते हैं और लोगों को दिखाना चाहते है कि हम स्पीकर के खिलाफ अवि वास प्रस्ता लेकरआए हैं ये सरकार के खिलाफ भी पहले 2 बार अवि वास का प्रस्ताव लेकर आए थे। एक बार तो ये भाग कर चले गए थे और दूसरी बा इनकी संख्या पूरी नही हुई। ये केवल मात्र दिखावा करने के लिए पब्लिक के इन्ट्रस्ट के खिलाफ पड्यंत्र रचते हैं इनको असैम्ब्लजी के मैम्बर होने कोई हक नही हैं यह इनकी विपक्षप की भूमिका ठीक नही हैं इसलि अगर

इनका थोड़ा सा भी आत्म सम्मान है तो इनको रिजाइन करके चाले जाना चाहिए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात सुने। * * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब की कोई बात रिकार्ड न की जाए।

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात ाते सुने, आप हमें बोलने का मौका ही नही दे रहे हैं

श्री अध्यक्षः आप सब अपनी अपनी सीटों पर बैठें।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात को एक बार अच्छी तरह सुन लें। आपका इस तरह से करना ठीक नही है।

चौ0 जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, आप तो हमारी बात ही नही सुनना चाहते। यह कोई अच्छी बात नही हैं (ाोर एवं व्यवधान)

(इस समय कांग्रेस पार्टी के सछसय अपनी सीटों पर खड़े हेाकरबोलने लगे। कैप्टन अजय सिंह याद और श्री जय प्रका ा हाउस की वैल मे ंआ गए।)

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब और जय प्रका ा जी, आप सबसे पहले अपनी–अपनी सीटों पर जाएं और यहां पर आकर कोई डिसक ान न करें। (ाोर एवं व्यवधान)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, ये आपोजी ान की भूमिका निभाने में असफल है और इस तरह से इनको वैल में आकर भाोर मचाना भाोभा नही देता।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, आप अपने मैम्बर्ज को समझाएं और इनको यहे कि ये अपनी सीटों पर जाकर बैठे तथा हाउस की कार्यवाही ठीक ढंग से चलने दें।

(इस समय कैप्टन अजय सिंह यादव और श्री जय प्रका ा अपनी सीटों पर वापिस आकर बैठे।)

Capt. Ajay Singh Yadav: It is mentioned at page No. 83 of Practice and Procedure of Parliament by Kaula nd Shakdher that-

"While any resolution for the removal of the Speaker or the Deputy Speaker from his office is under consideration, the speaker or the Deputy Speaker, as the case may be cannot preside even thougth he is present in the House."

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप जवाब सुनिए।

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मुझे अपनी सबमि ान कम्पलीट करने दें।

Mr. Speaker: I am reading "Food Note' given at pag eno. 83 of the Practice and procedurte of parliament by kaul & Shakdher—

"It would not be unconstitutional if the Speaker or the Deputy Speaker, as the case may be does not vacate the Chair while a motion for leave to move the resolution for his removal in under consideration in the House."

Capt. Ajay Singh Yadav: It is not that 14 clear days should be there as per this book. It is only 14 days. अध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी पालियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर है, इन्होने कहा है कि 14 डेज। तो इस बुक में 'क्लीयर' नही लिखा हुआ। इसमें तो केवल 14 डेज लिखा हुआ है अगर 14 डेज दे रखा है। तो 25 तारीख को निकाल दे, 8 तारीख को भी निकाल दें तो भी आज का दिन चौदवा दिन है।

चौ० भजन लालः स्पीकर साहब, मै कुछ कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए, लीडर और डिप्टी लीडर दोनों पहले फैसला कर लें कि किसने बोलना है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे और मुख्यमंत्री महोदय से यह कहना है कि 25 तारीख को हमने नोटिस दे दिया।

श्री अध्यक्षः 3.55 पर अपने नोटिस दिया है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप 3.55 तो क्या 3.56 मानकर चलें। चाहे तो 4.00 बजे समझ ले। हमने आपके खिलाफ नोटिस दे दिया। आप 25 तारीख को मत गिनो, 26 तारीख को गिनकर चले तो क्या आज 14 दिन हो गए या नही हो गए? (ाोर)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, अगर आपको यकीन न हो तो बंसी लाल जी से पढ़वा लें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः भजन लाल जी, आपसे तो चूक हो गई है, उस मोहम्मद तुगलक ने आपके दस्तखत करा लिए, मै आपका कसूर नही मानता। (हंसी)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, जीरों आवर में कोई प्वांयट आफ आर्डर नही होता। (ाोर) कल आप सरकार के खिलाफ अवि वाास प्रस्ताव देकर खु ा हो रहे थे। (ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब जो कुछ भी कह रहे है वह रिकार्ड न किया जाए। (ाोर एवं व्यवधान) जय प्रका ा जी, प्लीट आप बैठें आपको इस बारे में कुछ मालूम नही है, आप नये मैम्बर है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, बाकायदगी से रूल बने हुए है और उसी के हिसाब से चलना पड़ेगा। यह हमारे और चौधरी भजन लाल जी के बस की बात नहीहै कि हम अपने हिसाब से चले और रूल्ज की पालना न करें। चौधरी भजन लाल जी पढ़े लिखे है। ये स्वयं ही रूल 74 पढ़ ले । इनको मालूम हो जायेगा कि 26, 27 और 28 तारीख को छुटटी थी औरवे दिन काउंट नही होगे। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लाल: स्पीकर सर, मै यह कहना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री महोदय ने हमारे एक मैम्बर को मोहम्मद तुगलक कहा है कि कि अनपालियामैंटरी भाब्द हैं किसी सम्मानित मैंबर को मोहम्मद तुगलक कहना अच्दी बात नही हैं मेरी आपसे प्रार्थना है कि इस भाब्द को हाउस की कार्यवाही से निकाल दिया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: चौधरी भजन लाल जी, मोहम्मद तुगलक तो एक राजा था और जिस मैम्बर को रंक से राजा बनाया गया है व तो खु ा हो रहा हैं फिर आप क्यों आपत्ती उठाा रहे है? (हंसी)

चौ0 भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, मुझे इस सरकार पर बड़ा ही रहम आताहै कि कुछ लोग इसमें समझदार भी है। फिर भी उनके समझ में नही आता। 24 तारीख को मुख्यमंत्री महोदय ने भााम को कैबिनेट मीटिग बुलाई और उसमें 8 तारीख को सैं ान बुलाने का फैसला लिया गया तथा 25 तारीख को हमने अखबार में

पढ़ा कि 8 तारीख से सैं ान आ रहा है और उसी दिन हमने स्पीकर के अगेस्ट अवि वास प्रस्ताव दे दिया।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप अवि वास प्रस्ताव सै ान की डेट तय होने से पहले भी दे सकते थे। ऐसा नही है कि सै ान की डेट फिक्स होने पर ही स्पीकर के अग्रेस्ट अवि वासा प्रस्तात दिया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सैं ान की डेट तय होने पर ही अवि वास का नोटिस देते है, 6 महीने पहले थोड़ी ही देगे। 24 तारीख को कैबिनट ने सै ान बुलाने का फैसला लिया और 25 तारीख को अखबार में अया कि 8 तारीख को सैं ान होगा और उसी दिन हमने स्पीकर के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव दे दिया था। सरकार इससे भाग क्यों रही है? इस पर चर्चा होनी चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, सरकार के भागने वाली क्या बात है? यहां सिद्धांत की बात चलेगी। जो हमारा कानून है, हमार लैजिसले ान है उसके तहत ही हमने चलना है। हम उससे बाहर नही जा सकते। कानून किसी की खैरात नही हैं हम कानून के हिसाब से ही हाउस चलायेगे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता रो रही है कि उनकोऐसी सरकार मिली।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप इनते पुराने पालियामैंटेरियन है और 12 साल तक आप मुख्यमंत्री रहे है फिर भी आपको यह नही मालूम कि नोटिस कब दिया जाता है? (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप 25 तारीख को दिन काउंट न करें फिरभी अवि वास प्रस्ता का नोटिस दिए 14 दिनहो गये है हमने तो वर्किग डे को नोटिस दिया था इसलिए जो बाद में छुट्टिया थी वे दिन तो काउंट होने चाहिए।

प्रो0 सम्पत सिहः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी रूल पढ़ ले इनको मालूम हो जायेगा कि अवि वास प्रस्ताव का नोटिस समय पर आया है या नही।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप हरियाणा विधान सभा के के रूल्ज औफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट ऑफ बिजनैस के रूल 74 को पढ़ कर देखें। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने सारे रूल पढ़ कर छोड़ रखे है और जो मेर सामने बैठे है इनको पढ़ा रखे है। मेरा सुझाव है कि हमने आपके खिलाफ यानि स्पीकर के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव दिया है उसके बादे में आप कहते हैं कि उस पर आज बहन नही हो सकती। मै भी आपसे एक बात कहनाचाहूंगा कि हम भी यह कहते है कि उस पर आज हम भी बहस नही करेगे। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इन्होने स्पीकर के खिलाफ जो अवि वास का प्रस्ताव दिया है वह एडमिट ही नही हुआ है फिर उस पर बहस कैसे कर सकते है? (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इन्होनें सरकार के खिलाफ जो अवि वास प्रस्ताव दिया है उसकसे रिजैक्ट किया जाए। (ाोर)

चौधरी जय प्रका ाः स्पीकर साहब, सरकार अपनी जिम्मेदारी से भाग रही हैं हमने सरकार के खिलाफ जो नो कांफिडैंस मो ान दिया है उस पर सरकार बहस नही करवाना चाहती है। (ाोर)

नगर तथा गांव आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): स्पीकर साहब, विरोधी पक्ष की तरफ से जो बातें कही जा रही है वे गैर जिम्मेदाराना हैं ये कानून की किताब नही पढ़ते है क्योंकि इनको सत्ता पक्ष ममें रहने के बाद पढ़ी पढ़ाई बात कहने की आदत पड़ी हुई है। इनसे एक भूल हो गइ। ये कह रहे है कि 24 तारीख की भााम को कैबिनेट मीटिग हुई और इन्होन उसके बारें में 25 तारीख को अखबार में पढा और उसके बाद ये आपके कार्याल्लय में 25 तारीख को 3.55बजे स्पीकर के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव दे कर गए थे। ये उस अवि वास ाके देने के लिए 2ण्50 बजे आ यकते ाि या 2ण्55 बजे आ सकते थे लेकिन ये 4ण्00 बजने का इन्तजार करते रहे। अगर इन्होनें रूल्ज की किताब

पढ़ी होती तो आज यह मौका नही आतौं इनसे यह भूल हो गई कि इन्होने रूल्ज की किताब नही पढी। स्पीकर साहब, हाउस में चौधरी बंसी लाल जी बैठे है इनको भी पता है और मै भी कहता हूं कि भारत के संविधान के आर्टीकल 179(सी0) के मुताबिक माननीय अध्यक्ष महोदय, के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव को एडमिट करने का कोई औचित्य नही बनता है। (ाोर)

श्री भगवान सहाय रावतः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के रूल 74 को पढ़ कर सुना देता हूं जिसमें लिखा हैः—

''नियमों द्वारा अपेक्षित प्रत्येक नोअिस लिखित रूप में सचिव को सम्बोधित करके सभा के कार्यालय में सौपा जाएगा। यदि वह ऐसे दिन जब कार्यालय खुला हो, 10.00 बजे पूर्वाह्न तथा 3.00 बज अपराह्न के बीच दिया जाए तो उसके बारे में यह समझता जाएगा कि वह उसी दिन दे दिया गया है। यदि वह बाद के किसी समय में या किसी छुटटीके दिन दिया जाए तो वा उस दिन दिया गया समझा जाएगा जिस अगले दिन कार्यालय खुलता है। कोई नोटिस या पत्र व्यवहार जो सुवाच्य रूप से ने लिखा गया हो, अस्वीकृत किया जा सकता है। और यदि वह भेजने वाले वाले सदस्य द्वारा हस्ताक्षरित न हो तो उसे अस्वीकृत कर दिया जाएगा।''

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, हाउस कानून कायदे कसे चलता है। ये कहते है कि 14 डेज कहां लिखा है मै इनको रूल पढ़ कर सुना देता हूं। In proviso to Article 179(c) of the Constitution, it is mentioned-

"Provided that no resolution for the purpose of clause (c) shall be moved unless atlesat fourteen days, notice has been given of the intention to move the resolution".

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, इसमें क्लीयर वर्ड नही लिखा हुआ है। (विध्न) स्पीकर साहब, आप हमारी बात तो सुनिये। हमारे पास जो किताब है इसमें लिखा हैः—

"While any resolution for the removal of the Speaker or the Deputy Speaker from his office is under consideration, the Speaker or the Deputy Speaker, as the case may be, cannot preside even thought he is present in the House."

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, मै आपको आपकी कही हुई किताब में से ही पढ़ कर सुनाता हूं। इस किताब में लिखा है—

At least fourteen day's notice has to be given of the intention to move such a resolution. In computing the period of fourteen days, both the terminal days are excluded."

इस से आप पायेगे कि इसमें 25 तारीख वाला दिन इन्क्यलूड नही होगा। (ाोर एवं विध्न)

प्रो0 सम्पत सिहः अध्यक्ष महोदय, मै आपको रूल 74 पढ़ करसुनाता हूं। इस रूल 74 में लिखा है—

"Every notice required by the rules shall be given in writing addressed to the Secretary and shall be delivered at the Assembly office. If it is delivered between 10.00 a.m. and 3.00 p.m. on a day when the office is open it shall be treated as delivered on that day, If it is delivered at any later time or on nay holiday it shall be treated as delivered on the day on which the office next opens. A notice or communication which is not legible written may, and if it is not signed by the member sending it. shall be rejected."

अब इस रूल को पढ़ने के बाद इनकी बात के बारे मं कोई सं ाय नही रहा जाताह। आपको पता होना चाहिए कि नैक्सट वर्किंग डे 29 से भाुरू होता है। (ाोर एवं विध्न) अध्यक्ष महोदय, ये भाई आपनी भूमिका निभाने में पूरी तरह से फेल रहे है। पहले ये अपनी भूमिका निभानी सीखे। ये हर मामले में नोन सीरियस हैं Speaker Sir, it should be rejected on legal ground or technical ground अध्यक्ष महोदय, ये कहते ह कि विधान सभा का सैशन बंलया जाये। यह पहली दफा है। कि विपक्ष के कहने पर सै ान बुलाया जाता है। और मुख्य मंत्री जी कहते है कि विपक्ष हमें समय ओर तिथि बता दे, हम उनकी सुवधिनुसार सै ान बुला लेगे, लेकिन ये लोग ने तो सै ान बुलाये जाने की कोई तिथि ही बता पाए और न ही समय बता पाये। अब यहां पर भाोर मचा रहे हैं अध्यक्ष महोदय, सरकार ने यह सै ान इनके कहने मात्र से ही बुलाया है। लकिन अब ये यहां पर भाोर मचा कर हाउस का समय वेस्ट कर रहे है। ये यहां पर किसी कानून की बात, स्टेट के हित की बात या किसी प्रोसीजन की बात नही कर

रहे। इनको सिर्फ भाोर मचाना ही आता है ंऔर हमे ा भाोर ही मचाते रहे है। अध्यक्ष महोदय, जब भी कोई सरकार सै ान बुलाती है तेा वह अपनी सुविधानुसार बुलाती है। ने कि विपक्ष के कहे अनुसार सै ान बुलाती है लेकिन हमारी सरकार ने इनके कहने पर ही सै ान बुलाया लेकिन ये अब यहां पर कोई सुझाव देने की बजाए भाोर मचाते रहते है। इन्होने जो स्पीकर को हटाने के बारे में नोटिस दिया है। वह समय पर रहते हुए नही दियां यदिये इसके प्रति गंभीर होत तो समय पर नोटिस देते थे लेंकिन इन्होने ऐसा नही किया। इसमें इनकी गलती रही है। ये अपनी कार्यवाही करने में फेल हो गए हैं इसलिए अब भाोर मचा कर अपनी गलती को छिपा रहे है। अब इनका यह मो ान टैक्नीकल ओर लींगल ग्राउंडज पर रिजैक्ट हो रहा हैं इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है। कि इन्होने जो स्पीकर को हटाने के बारे में नोटिस दिया है उसकसे आप रिजैक्ट करें दें। (ाोर एवं विध्न)

Mr. Speaker: I have gone through the notice or resolution for the removal of the Speaker. In this regard I have also gone through the provision of Article 179(c) of the Constitution of India and the provision of rule 74 of the Rules of Procedure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly Besides this, I have also gone throught the Chapter regarding the removal of Speaker of 'Practice and Procedure of Parliament' written by 'Kaula and Shakdher.'

Although the allegations leveled in the notice of resolution are absolutely wrong but it is more pertinent to point out that the same are also contradictory in themselves.

In the said notice the Hon'ble Members have stated that the Speaker has failed in his duty to protect the rights of the Members of Haryana Vidhan Sabha belonging to the Opposition Parties by rejecting all the calling attention motions, short term notice/motions and adjournment motions moved in the House on urgent public interest such as the break down of law and order machinery in the State. The statement of the Hon'ble Members in this particular Para, itself shows that the motions etc. have been moved in the House. It is well known to all the Hon'ble Members that any notice/motion can be moved in the House only after the consent/approval of the Speaker and no notice/motion can be moved without his permission. Therefore, the statement of the Hon'ble Members itself shows the allegation as wrong and baseless. I am not going into the technicality of the notice and whether the allegations are wrong or not. But I am bound to decide the issue on the basis of provisions of constitution/Rules/Procedure in this regard and on this basis, I am of the Vies that the notice of Resolution is not in conformity with the requirements of Article 179(c) of the Constitution of India and Rules 11 and 74 of the rules of Procedure and Conduct of Business in Haryana Legislative Assembly and the same is out of order. Therefore, the notice is disallowed.

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर सर, आप सराकर के साथ मिलकर साजि ा कर रहे है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। यह बड़े दुख की बात हैं कि दुनिया के इतिहास में

ऐसी कोई मिसाल नही मिलेगी कि स्पीकर ने अपना फैसला खुद ही सुनाया हो या जज कि खिलाफ केस हो और जज खुद की फैसला सुनाए। (ाोर एवं व्यवधान)

डा0 रघुबीर सिंहः स्पीकर सर, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है।

श्री अध्यक्षः कादयान साहब, आप बैठे। अब प्वायंट आफ आर्डर का टाईम नही हैं।

अभिकथित वि ोशाधिकार भंग की सूचना

श्री मांगे राम गुप्ताः स्पीकर सर, हमने वि ोशाधिकर हनन का नोटिस दिया है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कृपया बैठै। मै आपी आपको बताता हूं आपका अलैज्ड ब्रीच ऑफ प्रिवलेज मो ान का नोाटिस गवर्नमैंट के पास कमैंटस के लिए भेज दिया है इसलिए अब आप अपनी–अपनी सीटों पर बैठें। (ाोर एवं व्वयधान)

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिह) स्पीकर साहब, ये किसी को अथोरिटी ही नही मार रहे है। इसलिए वैल में आ गये है। ये तो अपनी लीडर को भी लीडर नही मानते हैं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप सभी अपनी सीटों पर बैठें।

चौधर जय प्रका ा: स्पीकर साहब, आप सरकार को बचा रहे है।

श्री अध्यक्षः सरकार तो अपनी वजह से बचेगी। आप अपनी सीटों पर बैठें। (ाोर एवं व्यवधान)

मंत्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हम सरकार के खिलाफ अवि वास का प्रस्ताव लेकिर आए हैं आप पहले उसका फैसला करिए। पहले सरकार को वि वास का मत हासिल करना चाहिए और उसके बाद दूसरें काम होने चाहिए।

मुख्य मंत्री (चौधरी ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे विनम्र निवेदन है। यह सरकार के खिलाफ भ कहते है कि नो कोफीडैंस मो ान आया है। आप इनका इस बारें में पिछला इतिहास तो देख लो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जो सरकार के खिलाफ अवि वास का प्रस्ताव है भजन लाल जी, उसके बारे में भी आपको बताएंगे कि उसकस क्या फेट रहा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमने एक अवि वास का प्रस्ताव सरकार के खिलाफ दिया है। अगर आप उसकी कॉपी चाहें तो हम आपको दे देते है। (ाोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्मत सिंह): स्पीकर सर, जब अपोजी ान सरकार के खिलाफ अवि वास का प्रस्ताव ले आया है और इनका कहना है कि इनका सरकार में वि वास नही है तो आप पहले सारी कार्यवाही रोकर अवि वास का प्रस्ताव ऐडमिट करैं। हम उस पर बहस के लिए तैयार है।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of motion of no-confidence from Sh. Bhajan Lal and five other M.L.As. against the Council of Minister in Haryana, which reads under:-

We move a motion expressing want of confidence in the State Ministry headed by Sh. Om Parkash Chautala, Chief Minister.

I hold this notice of motion of no-confidence in order. It will be taken up just now, today the 9th November, 2001. Now, I request those members who are in favor of leave be granted to move the motion to please rise in their seats.

(At this state, counting was taken)

श्री अध्यक्ष: काउंटिग में आपके 24 मैम्बर्ज है। अब आप बैठ जाइए। Leave is granted. This notice of no-confidence motio will be taken up immediately. I fix two hours for discussion on the motion.

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, आपने विपक्ष की तरफ से अवि वास प्रस्ताव को मंजूर किया ओर उसे लिए दो घंटे का जो समय निर्धारित किया (विध्न) फैसला तो चेर का माना

जायेगा, चौधरी भजन लाल जी, आपका नही माना जाएगा, आप नही मानत`है और बहस की टाल ही करते है तो अलग बात हैं स्पीकर साहब, आपसे एक अनुराध है कि आपकी उदारता को इन्होने सदा नाजायज फायदा उठाया है। इसलिए हाउस के जितने सदस्य है उसे मुताबिक जितना समय प्रति व्यक्ति आत है। वह निर्धारित कर दिया जाए और विपक्ष के साथी जो खड़े हुए है उनमें से इनका एक बोलेगा या दो बोलेगे, यह सत बतय कर लिया जाए क्योंकि कई ऐसे भी मैम्ब्र है जिनकी कोई पार्टी नही है। लेना नही देना नही इसलिए बाकायदगी से समय निर्धारित कर दिया जाए। (ाोर एवं विध्न)

Mr. Speaker: Now, Ch. Bhajan Lal will move the motion of no-confidence. (Interruption) चौधरी भजन लाल जी, आपकी पार्टी के मैम्बरों की रे ाों से 30 मिनट का समय बनता है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै तो हा`सकता है कि पांच मिनट ही बोलू लकिन इसमें 20 मैम्बर बोलने वाले है इनको आधे–आधे घण्टे का भी समय बोलने के लिए मिले तो भी तीन दिन का समय तो चाहिए ही।

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी, पहले आप इसे मूव करं फिर इस पर दो घण्टें बहस होगी। (ाोर एवं विध्न)

चौधरी भजन लालः मूव बाद में करेगे। पहले आप टाइम के बारे में फैसला करे। यह ज्यादती की बात है। इसमें आप हमें तीन दिन का समय दीजिए।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप मो ान मूव कीजिए।

श्री भूपिन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, पालियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर साहब जब बोल रहे थे तब उन्होने कहा था कि यह सै ान कांग्रेस पार्टी के आग्रह पर बुलाया गया है। सरकार भागने की जल्दी न करें बल्कि विपक्ष को बोलने का पूरा समय दे और ऐसा न करें कि 4 दिन का सैं ान बुलाये और दो दिन में खत्म कर दें। इसलिए हमें बोलने का पूरा समय मिलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप मो ान मूव कीजिए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे विनम्र निवेदन है कि आपने जो समय निर्धारित किया है उस समय में आप विपक्ष के सदस्यों को बोलने का समय दें। मैं विपक्ष को आ वासन देना चाहूंगा ि कइस समय के दौरान हमारी पार्टी के सदस्यों की तरफ से कोई इंट्र ान नही होगी। इसलिए आप इनका समय तय करें और इनको बोलने के लिए कहे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, एक घण्टा तो मुख्यमंत्री जी को जवाब देने के लिए चाहिए।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी चेयर के फैसले पर आपत्ति नही कर सकते।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, चेयर की रूलिक को कोई सदस्य टाल नही सकता। आपने इनको समय दिया है। उस समय में ये बोल ले उस समय के दौरान हमारी तरफ से कोई इंट्र ान नही होगी ये बोलते जायें

श्री अध्यक्ष: कप्तान साहब,आप मो ान मूव करें।

Capt. Ajay Singh Yedav: Sir, I beg to move—

That this House expresses its want of confidence in the Haryana Ministry headed by Sh. Om Parkash Chautala, Chief Minister.

Mr. Speaker: Motion moved—

That this House expresses its want of confidence in the Haryana Ministry headed by Sh. Om Parkash Chautala, Chief Minister.

कांग्रेस पार्टी को बोलने के लिए 30 मिनट का समय दिया जाता है उसके 20 सदस्य है प्रत्येक सदस्य के हिस्से डेढ़ मिनट का समय आता है। इस समय मं चाहे वे प्रत्येक सदस्य बोल लें या एक सदस्य बोल ले यह उनकी मर्जी हे। कांग्रेस पार्टी अपने बोलने वाले सदस्यों की लिस्ट मुझे दें दे।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इससे ज्यादा ज्यादती की बात औश्रक्या हो सकती है कि 30 मिनट जो सदस्य बोलना चाहे वह बोल लें। हमें बोलने के लिए कम से कम दो दिन का समय चाहिए। 25 सदस्य हामरे है। और 25 सदस्य सरकार की तरफ से बोलेंगे उसके बाद एक घण्टा मुख्यमंत्री जी को जवाबद देने में लगेगा। अगर ठीक से काम नही करना चाहते और हमारी बात नही सुनना चाहते तो आप बता दे ंहम चले जाते है।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप अपनी पार्टी के बोलने वाले सदस्येां के नाम दें।

चौधरी भजन लाल (आदमपुर): अध्यक्ष महोदय, नाम भी दे देंगे। पहले मै बोलना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, जब से श्री ओम प्रका ा चौटाला की सरकार इस प्रदे ा में बनी है हर तरफ से प्रदे ा में बड़ी भारत बेचैनी है। हर तरफ से लोग परे ान है और त्राहि त्राहि और हाय–हाय मं.ी हुई है उस सरकार को लोग लायक कहेंगे जो चुनावों में वायदा करें ओर उन वायदों को पूरा करें। लोगों की जान और माल की रखवाली करे ओर लोगों को इंसाफ दे। लोगों को न्याय दे। जब कही ज्यादती हो और सरकार कुछ न करें तो अच्छी बात नही है जब से यह सरकार सत्ता में आई है इस प्रदे ा का हर वर्ग बहुत परे ाान है और इतने भयभती है, केवल जनता की ही बात नही है, सरकारी कर्मचारी, अधिकारी औरयहां तक कि इनके मंत्री और एम0एल0एल0 इतने

दु:खी है कि मैं ब्यान नही कर सकता, मै कसी का नाम ले दूंगा तो उसकी भाामत आ जाएगी और उसे बहुत मु कल हो जाएगी।

श्री भागी राम: यह तो राम राज्य हैं

चौधरी भजन लाल: बड़ा भारती राम राज है अगर ऐसा राम राज्य रहेगा तो संसार का कल्याण हो जाएगा। तब तो लोग तला ा करेंगे कि ओम प्रका ा चाटाला कौन से में * * * * * मिलेगे, कौन सी जगह मिलेंगे ओर कहां मिलेंगे, उनकी तला ा करके लाआं औ उनकी गद्दी पर बिठाओं। अगर इसको लोग राम राज्य कहेगे तो इससे * * * * * * सरकार न तो पहले आई है और न ही कभी आएगी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: चौधरी भजन लाल जी, ने जो अन पालियामैंटरी भाब्द कहे है उनको कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय ये ही बात दें कि मै और क्या कहूं * * * * नही तो अति * * * * हो सकती है, इसके अलावा बहुत ही अजीब सरकार है और बहुत ही * * * * सरकार है, * * * * सरकार है। (ाोर) जो भाब्द आप इस सरकार के लिए जोड़ना चाहें जोड़ लें।

श्री अध्यक्ष: भजन लाल जी, कोई भी उन–पालियामैंटरी भाब्द का प्रयोग ने करें नही तो आपकी स्पीच को सिकवैस नही रहेगी। (ाोर) अनपालियामैंटरी भाब्द सदन की कार्यवाही से निकाल दिए जाएं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै सबसे पहले कानून व्यवस्था को बारे में जिक्र करना चाहूंगा। आप अच्दी तरह जातने है कि हर व्यक्ति आज असुरक्षित महसूस करताहै। चौटाला साहब प्रचार करते रहते है, जगह–जगह जाते है। ओर कहते है कि प्रदे ा में अमन और भान्ति है। लोग बोलेगे तो उनकी खैर नही। लेकिन आप खुद सुबह जब अखबार पढ़ते है तो आपको रोजाना नई–घटनाएं, नए–नए वाक्यात, ज्यादतियों जुल्म, अन्याया, लूटमार, चोरी डकैती और अपहरण की कितनी ही खबरें पढ़ने को मिलती है। अध्यक्ष महोदय, मै कुछ बातें यहां मिसाल के तौर पर बताना चाहता हूं अपराधियों द्वारा प्रदे ा में हर तरह के रिकार्ड तोड़ दिए गए है। चाहे तो पिछला रिकार्ड उठाकर देख लिया जाए। मै कुछ आंकड़े सदन मे बताना चाहता हूं। सरकार अपनी जिम्मेवारी से बच नही सकती। प्रदे ामें सरकारी अधिकारियों को सरक्षण देने की बजाय उनके सथ ज्यादतियां हो रही है। उदाहरण क तौर पर मै बातना चाहता हूं कि गुडंगांव में हत्या की वारदातें हुई, 50 लाख रूपये की फिरौती के लिए देवेन्द्र चोपड़ा व उसे लड़के का अपहरण कर के हत्या की गई, गांव बसई जिला महेन्द्रगढ़ में सेठ कल्याण चन्द्र जैन के घर में डाका डालने गए लुटेरों द्वारा उसकी हत्या तथा उसकी पत्नी भाान्ति देवी को घायल करके सम्पति को लूटना, करनाल में 75 वर्शीय प्रीतम कौर की निर्मम हत्या करके उसके घर का सामान लूटनायहां तक कि उसके मृतक भारी से आभूशण निकालना, घरौड़ा में राके ा भार्मा की निर्मम हत्यार, रोहतक में अवका ा प्राप्त कर्नल एच0डी0 कहालों

की जघन्य हत्या, रेवाड़ी में नि ाा यादस की हत्या कर उसके मामले को छुपाया जाना, रोहतक के व्यवसायी श्री अमित कों लूटने के प चात उसकी निर्म हत्या तथा उसके साथी को घायल करना, पानीपत में सनौली रोड पर वीड़ियों लाइब्रेरी चलाने वाले युवक नवीन की निर्मम हत्या, पानीपत के निकट गांव झट्टीपुर के निकट अग्रसैन स्पिनर्ज लि0 फैक्ट्री के मालिक 70 वर्शीय बनारसी दास गुप्ता व उसकी 65 वर्शीय ि ामला देवी की निर्मम हत्या, समालखा मण्डी में सठठ रामकरण का मण्डी में दिन दिहाड़े कत्ल, करनाल में डा0 गिरी ा का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी। रादौर के पास दीना नाथ की उसके फार्म हाउस में बदमा ाों ने निर्मम हत्या कर दी। इसी तरह इन्द्रप्रस्थ वि ववविद्यालय दिल्ली के उप कुलपति बिजेन्द्र जैन की सौनीपत में तीनयुवकों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुण्डश्री के गांव फतेहपुर में हथियार बंद लोगां ने सेवानिवृत हैंड कांस्टेबल गोपीचंद की गंडायिों से निर्मम हत्या करना और उसकी पत्नी को घायल कर लूट लिया। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त इस वर्श मार्च महीने मेंसंपन्न विधासन सभा सै ान के बाद घटी कु द जघन्य हत्या हुई। इससे कानून ओश्र व्यवस्था की पोल पूरी तरह खुलती है। ये घटनाएं इस प्रकार है– 11 अप्रैल को पानीपत जिले में राकसहेड़ा गांव के राम किान और उसके पुत्र सती ा की हत्या कर दी गई। 18 अपैल को रोहतक में न्यू मद्रास होटल के मालिक विजय कुमार पुत्र संजीव सेठी की गोली मार कर नृ ांसा हत्या हुई। 4 मई को पंचकूला जिले में गांव ठंडारडू में 12 वर्शीय बच्ची की बलात्कार के बाद

हत्या हुई। 5 मई को बहादुर गढ़ में केन्द्रीय गृह मंत्रालय में स्टैनोग्राफर के पद पर कार्यरत कर्मचारी राजकुमार खट्टर की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसके घर में घुस कर हत्या कर दी गई। 14 मई को करनाल में कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष के बड़े भाई जुगल कि ाोर भार्मा की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी गई थी। 21 मई को भिवानी सामान्य हस्पताल में इलाज के लिए दाखिल गांव लाडावास के दलबरी की दो दर्जन के करीब व्यकितयों द्वारा हत्या कर दी गई। 23 मई को पानीपत में बाबरपुर अनाज मंडी में रहने वाली प्रीतमदास आहूजा, आढ़ती को उसके घर में ही गोलियों से भूनकर मार डाला। 7 हून को भिवानी में स्थानीय अनाज मण्डी में यंदूहेड़ा निवासी पवन पुत्र विलसराय की कुछ युवकों द्वारा दिन दहाड़े हत्या कर सवा लाख रूपये लूट लिये। 8 जून को सोनीपत में न्यायालय में पे ाी के बाद लौट रहे गावं भदाना के निवासी भाम ोर को गोहाना रोड़ पर गोलियों से भून डाला गया। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए।)

उपाध्यक्ष महोदय, इससे पहले 17 फरवरी को करनाल में न्यू प्रेम कालोनी निवासी माईचंद दलित के पुत्र राजीस की हत्या को गई। 19 जून को गांव बराही के सरपंच श्री आजाद सिंह को अज्ञात हमलवारों ने गोलिया से भ्जून दिया था। 20 जून को गांव मोहड़ा जिला अंबाला के पास स्थित वासन पोल्ट्री फार्म पर काम करने वाली नेपाली मजदूर राम की चौरों द्वारा लोहे की राड़ से हत्या की गई और उसकी पत्पनी को गम्भीर रूप से घायल कर

दिया था। 3 जुलाई को सानेनीपत के गुड मझी क्षेत्र के चौकीदार, माहरा गावं के निवासी नारायण की अज्ञात व्यक्तियों ने चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। 1 जुलाई को मुरथल, जिला सोनीपत से 6 वर्शीय आका ा सुपुत्र मास्टर नरे ा का अपहरण कर अपहरणकत्ताओं ने निर्मम हत्या कर उसका भाव खेतों में फेंक दिया था। 6 जुलाई को स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिया योगदार करने वाले 100 वर्शीय श्री मेहताब सिंह चौहान की मॉडल कुराड़–छाजुपर गांव के बीच स्थित धार्मिक स्थल चर्च घर में तीन नकाबपो ा स ास्त्र लुटेरों ने वहां सो रहे तीन सेवादारों से लूटपाट करने केब बाद जिला देवरिया निवासी इकबाल नामक सेवादार की गोली मारकार हत्या कर दी थी। इतनी ही नही 16 जुलाई को सफीदों कस्बें के साहूकार मोहल्ले में रहने वाली रेखा व उसकी पुत्री की हत्यारों ने तेज धार हथियार से नृ ांस हत्या कर दी थी। 27 जुलाई को जिला सोनीपत के गांव ठरू में 17 वर्शीय युवक अमित की घर में सोते समय नृ ांसा करदी गई। इसी तरह से 29 जुलाई को सांपला कस्बे के बाजार में जनता फार्मेसी के समीप दिन दहाड़े तीन युवकों ने इस्माइला गांव के पूर्व सरपंच ओम प्रका ा की गोली कार कर हत्या कर दीं इसी तरह से 1 अगस्त को दादरी–भिवानी मार्ग पर गांव चरखी व पैतावास के बीच पैट्रोल पम्प पर सो रहे गांव चरखी के सज्जन पुत्र बलबीर सिह की अज्ञात हमलवारों ने तोज धारदार हथियार से हत्या कर दी व पवन पुत्र वेदप्रका ा को गम्भ्भीर रूप से घयल कर लूटमार की। उपाध्यक्ष महोदय, 2 अगस्त को रिवाड़ी जिले के कुण्ड कस्बे

में दिन दिहाडे तीन हथियार बंद लुटेरों ने कुण्ड के राजकीय वरिश्ठ माध्यममिक विद्यालय के प्रधानचार्चा महावीरसिंह व प्राध्यापक रामकि ान की गोली मार कर हत्या कर दी ओर उनके पास से स्टाफ के वेतन की रा ि ा 3 लाख 14 हजार रूपये लूट लिए और फरार हो गए इस हमले में एक अन्य प्राध्यापक घायल हो गया। इसी तरह से उपाध्यक्ष महोदय 8 अगस्त को पानीपत में सुभाश पुत्र कंदन लाल के मकान में बैजलपुर जिला गोड़ा (उत्त्तर प्रदे ा) निवासी विमल व कोमल नाम के किरायेदारों के पास काम की तला ा के लिए आए एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हम्या की जानकारी मिली हैं उसी दिन 8 अगस्त को ही अम्बाला भाहर में खटीक मण्डी में दीपक नाम के युवक की मोटर साईकिल व स्कूटर पर सवार हथियारबंद पांच युवकों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। दिनांक 20 अस्त को बहादुरगढ़ में उप पुलिस अधीक्षक के कार्यालय के सामने हत्या के मामले में विचारधधनी कैदी को मोटर साईकिल वर सवान तनी हमलवारों नेगोलीन से भून डाला। इस वारदात में दो पुलिस कर्मी भी गम्भीर रूप से घायल हो गए। उपाध्यक्ष महोदय, 31 अगस्त को कैथल में ओम प्रका ा नामक कमी ान एजेंट की नई मण्डी में दो बदमा ाों द्वारा नजदीक से गोली चला कर हत्या कर दी गई। 4 सितम्बर को पंचकुला के सैक्टर 25 के नजदीक बने होटल ग्रीन पार्क के मालिक पंकज राणा की घग्घर नदी पर बने नए पुल के नजदीक अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। अध्यक्ष महोदय, ये 40 गावं है जिनमें निर्मम हत्याएं हुई हैं इन गांवों में जो निर्मम

हत्याएं हुई है उनका पूरा बयौरा मेरे पास है। ये निर्मम हत्याए पिछले सै ान और इससै ान के बीच ें हुई है। यदि मैं इन सभी केबारे में बताऊं तो उसमें बहुत समय लग जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, अब मै चोरी, डकैती व लूटपाट की घटनाओं के बादे में बताना चाहूंगा। पंचकुला के सैक्टर 21 में पत्रकार श्री त्रिभुवन नाथ के मकान पर लूटपाट हुईं। पंचकुला के ही सैक्टर 17 में श्री राजे ा साहनी के घर से लाखों रूपये के गहने चुराकर घर में आग लगा दी गई। इसी भाहर के सैक्टर 6 निवासी अवका ा प्राप्त पुलिस महानिरीक्षक श्री राम प्रका ा के घर चोरी की घटना घटी। डबवाली के निकटवर्ती गांव चकरूलट्ट सिंहवाला मे ंपैट्रोल पम्प में दो कर्मचारियें से 3 लाख रूपये लूटे गए। कुरूक्षेत्र में दिन दिहाडे अनाज मंडी में बन्दूक दिखाकर आढती अजमेर सिंह से 2 लाख रूपये लूटे गए। रोहतक के पास बन्दूक की नोक पर हरियाणा रोड़वेज की बस से यात्रियों से कई हजार रूपयों की लूटपाट की गई। फरीदाबाद के सैक्टर 14 से बन्दूक की नोक पर श्री सी0 सी0 क यप के मकान में डकैती डाली गई। रेवाड़ी के निकट ग्राम खलोलपुरी के निकट दिन दहाडे बंदूक की नोक पर 7 लाख रूपये लेट लिए गए। दिल्ली से जींद आर रही ट्रेन में किनामा के पास यात्रियों से लूटा गया। गन्नौर के पास सांदलकलां स्टे ान पर चार लुटेरों द्वारा दर्जन से अधिक यात्रियों को लूटा गया। गोहाना मे दिन दिहाड़े दो अज्ञात स्कूटर सवारों द्वारा हरी निवार फैक्ट्री के मुनीम बलराज राठी से एक लाख रूपये छीन कर लुटेरे फरार हो गए।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आपको बोलते हुए 18 मिनट हो गए है आप कनक्यलूड करें।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मै एक घंटा तक बोलने से पहले नही बैठॅगा। जब मुझे बोलते हुए एक घंटा हो जाए तब आप बता देना।

श्री उपाध्यक्षः मैने आपको बता दिया है कि आपको बोलते हुए 18 मिनट हो गए हैं

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, जब मुझे बेालते हुए 60 मिनट हो जाएं तब आप बता देना। पांच मिनट तो अपने बीच में टोक कर खराब कर दिए।

श्री उपाध्यक्षः जो टाईम मैने बची में लिया है वह मै आपको दे दूंगा।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, 4 अप्रैल को फतेहाबाद में अनाज मंडी के बारह अज्ञात हथियार बंद लुटेरों द्वारा पंजाब नै ालन बैक के कै ियर भाायम सुंदर मोंगा से 8 लाख रूपये की नकदी छीनी गई। 9 जून को गुडगांव में दिन दहाडे चार अज्ञात लुटेरों द्वारा विपुल मोटर्स कम्पनी के दो कर्मचारियों राजे ा व रविन्द्र से 3.55 लाख रूपये लूट लिए गए। इसी प्राकर से 12 जून को बरवाला में स ास्त्र डकैतों ने एक आभूशण की दुकार पर डाका डालकर लाखों रूपये की नकदी व बे ाकीमती आभूशण मय तिजोरी लेकर चलते बने। इसी तरह से 4 जून को

पंचकुला के सैक्टर 12–ए के निवासी विनोद पुरी के कान पर डाका डालकर 4 लाख रूपये कीमत का बै ाकीमती समान, आभूशण्ध व नकदी लूट ले गएै। 23 जून को अम्बाला पुलिस के एक दिल ने अम्बाला छावनी निवासी मल्होत्रा के निवास पर उसकी गैरहाजरी में तला ाी के बहाने उसकी पत्नी व माता जी को अकेला पकार 8 हजार रूपये व दो सोने की चूड़िया चोरी की। 28 जून को कुरूक्षेत्र में रूद्रा सिनेमा के सामने सेम प्रका ा आढ़ती की सै।टरों काम से अज्ञात युवकों ने ढाई लाख रूप्ये लूट लिए व फरार हो गए। इसी प्रकार से 28 जून को यमुनानगर की आत्म्नगर कालोनी के निवासी सूबेदार सिमरन सिंह के घर हथियारबंद डकैतों ने जमकर लूटपाट की और 17 ताले सोना, 20 हजार रूपये नकद, सी0डी0 प्लेयर व आठ विदे ाी घटिया बंदूक की नोक पर लूट कर ले गए। 2 जुलाई को अम्बाला जिले के खुड्डाखुर्द गांव के पास यमुना नगर से किराए पर लेकर आए तीन अज्ञात युवकों ने कारचालक नीरज कुमार से उसकी इंडिका कार पिस्तौल दिखाकर छीन ली और फरार हो गए। इसी प्रकार से 3 जुलाई को करनाल के सैक्टर 13 के निवासी स्टेट बैक में कार्यरत बैंक प्रबंधक केवल कृश्ण मैनराय के निवास स्थान 2181 में दाखिल होकर उसकी पत्नी को न ाीला पदार्थ खिलाकर अज्ञात बदमा ोां ने घर में रखी नकदी व करीब एक लाख रूपये के सोने के जेवरात उड़ा लिए। उपाध्यक्ष महोदय, इस प्रकार के सेसों की मेरे पास काफी लम्बी चौड़ी डिटेल डेटवाईज हैं यदि इन सभी घटनाओं के बारे मेंसरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा तो

इसमें सदन का काफी समय लग जाएगा। ये कुछ घटनाएं मै मिसाल के तौर पर आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा तो इसमें सदन का काफी समय लग जाएगा। ये कुछ घटनाए में मिसाल के तौर पर आपके माध्यम से सरकार के नोटिस में लया हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै बलात्कार से संबधित कुछ घटनाएं सरकार के नोटिस में लाना चाहूंगा। डिप्टी स्पीकर साहब, 15 जून को गुहला चीका उप मण्डल के गांव अंगौध के एक गुरूद्वारे में माथा टेकने ज री दसवी कक्षा की छात्रा को गांव के ही एक युवक ने जबरदस्ती पकड़ कर अपने भूसे के कोठै में ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया और फरार हो गया। पीड़ित युवती ने लोक लालज के भस से एक पंखे से लटक कर आत्म्हत्या का प्रयास किया जिसक बादे में पता लगने पर परिजनों ने बचा लिया। युवती को नाजुक हालत में पटियाला के राजेन्द्रा अस्पताल में भर्ती कराया गया। 27 या 29 जून को नारायणगढ़ उपमण्डल के गांव बड़ी रसौर की 19 वर्शीय लड़की जब नारायणगढ़ के किसी अस्पताल, जहां वह नौकरी करती है, से ड्यूटी खत्म करके गावं जाने के लिए स्थानीय बस अड्डे पर खड़ी थी, तो गां के ही अजीत सिंह व डा0 मेजर सिंह ने उसं गांव छोड़ने के लिए अपनी कार में ठिाय औरवहां एक होटल में कमरा लेकर चाकू दिखाकर उसके साथ बलात्मकार किया। अगले दिन विकास मल्होत्रा ऋशिराज ने भी होटल में उसके सथ बलात्मका किया। उपाध्यक्ष महोदय, यह नही जुलाई महीने के आरम्भ में फरीदाबाद जिले के हसनपुर गांव के मान सिंह की 15 वर्शीय लड़की का इसी गांव के

महेन्द्र ने अपहरण कर उसके साथ बलात्कार कया व बाद में उसकी हत्या की। उपाध्यक्ष महोदय, बलात्कार से संबंधित मेरे पास सैंकड़ों मिसाले है। यदि मै उन सबके नाम लूंगा तो हाउस का बहुत सारा समय जग जायेगा।

उपाध्यक्ष महोदय, अब तै फिरौती से संबंधित घटनाओं के बारे में सरकार को बताना चाहूंगा। जिससमय से इनेलों सरकार सत्ता मे ंआई, प्रदे ज्ञ में जंगल राज स्थापित हो गया। लूटपाट, हत्या, चोरी डकैती, बलात्कार तथा फिरौती की घटनाओं मे ंनिरन्तर वृद्धि हो रही है जो जनसाधारण के लिए चिन्ता का विशय है। आज समाज का कोई भी इज्जतदार व्यक्ति अपने आपको सुरक्षित नही समझत है। न जाने कब उस पर गाज आन पड़े। फिरौती की ऐसी अनेक घटनाएं हुई जो इस सरकार की कानून ओर व्यवस्था की ोल खोलती हैं उपध्यक्ष महोदय, 7 जुलाई को करनाल मे ंएक रेड़ी लगाने वो के 13 वर्शीय पुत्र सोनू का अपराधियों के एक समूह ने अपहरण करके फिरौती के रूप में 3 लाख रूपये की मांग की।

28 जुलाई को नारनौल की गांधी नगर कालेनी से श्री अमर सिंह और उसकी 11 वर्शीय पुत्री का अपहरण कर लिया गया और पुलिस को समय पर सूचना देने के बाद भी पुलिस मूकद र्ाक बनी रही। सैभाग्य से 8 दिन प चात श्री अमर सिंह अपहरणकर्त्ताओं से चंगुल से भागने में सफल हो गया लकिन आसकी लड़की संतोश को भाग्य के सहारे छोड़कर उसके पास

आंसू बहाने के सिवा कोई चारा नही रहा। 8 सितम्बर को पलवल में डा0 गोयल ओर उसकी पत्नी डा0 श्रीमती मंजू गोयल की अपहरणकर्त्ताओं ने अपहरण करके अस्पताल के कमरों में बंदी करके उनके पुत्र को अपहरण कर लिया अैर बाद में फिरौती के रूप में पचास लाख रूपये की मांग की। इस तरह से ऐसे मेरे पास सैकड़ो मिसाल है। जिन्हें मै आपको दे सकता हूं। इसके अलावा पुलिस हिरासत में में हुई मौतों का सवाल हैं 23 जुलाई को रिवाड़ी जिले के गांव गोकलगढ़ में के ाुराम पुत्र अमरनाथ का उनके गांव के श्री हरिराम के साथ आपसी झगड़ा हो गया था जिसके बाद ि ाकायत के आधार पर अमरनाथ को पुलिस ने हिरासत में ले लिया लेकिन सदर थाने के हवलदार रघुबीर सिंह ने श्री अमर नाथ पर इतना कहर ढाया की चोट न सहने के कारण उसकी मृत्यु हो गयी। इसी तरह से चार सितम्बर को उचाना पुलिस थाना के अंतर्गत आने वाले बहोली गांव में श्री महेन्द्र सिंह को किसी अन्य व्यक्ति के साथ पंचायत की जमीन पर आपसी झगड़ा होने के कारण पकड़ा गया लेकिन अगले दिन उसकी गांव के पास खेतों में ला ा मिली। इतना ही नही पुलिस की ज्यादतियों के ि ाकार मासूम बच्चे भी हो रहे हैं ऐसा ही एक मामला जो पुलिस की सी0 आई0 डी0 भााखा द्वारा किया गया जिसे सुनकर रोगटे खेड हो जाते है। नौवी कक्षा के 14 वर्शीय छात्र निखिल गहलावत को यह नही मालूम थाकि उसकस क्या कसूर हैं 28 अगस्त को निखिल को पुलिस उसके सहपाठी श्री राके ा कुमार के बारे में पूछताछ के लए थाने ले गयी लेकिन

पूछताघ्ज्ञ के दौरान उसके साथ एसे अमानीय करतव किये गये जिसे अंग्रेजों के अत्चाचार भी मात कर जाते हैं उस मासूम साथ ऐसे अमानवीय करतव किये गये जिसे अग्रेजों के अत्याचार भी मात कर जाते हैं उस मासूम की नन्ही–नन्ही टांगों पर दो बाररेालर घुमाया गया ाऔर उसके बाद उसको बैठक भी करायी गयी जिससे उसको असहनीय पीड़ा हुई। बाद में वह ब्यान देने के काबिल भी नह रहा और उसकी मोत हो गयी। यही नही लड़कियों के सथ और औरतों के साथ छेड़छाड़ के अनेक मामले है अगर मै सारे मामलें कहूंगा तो बहुत समय लग जाएंगा। इसील तरह से पंचकूला की बिकड़ती कानून व्यवस्था के बारे में भी मै कहना चाहूंगा। चूंकि मै पंचकूला में रहा रहा हूं इसलिए आपको बता रहा हू। पंचकुला का एम0 एल0 ए0 मेरा बेटा चन्द महोन रोजना एस0 पी0 ओर डी0 सी0 से कानून व्यवस्था के बारे में कहता है क हरियाणा प्रदे ा की राजधाीन के बिल्कुल नजदीक पंचकूला होने के कारण भी यहां की कानून व्यवस्था की स्थिति दिनो दिन खरबा होती जा रही है। वहां पर लूटमार, चोरी की घटनाएं निरन्तर बढती ही जा रही है ंसेंध लगाकरचोरी करने की घटनाएं आम बात हो गयी है लेकिन सरकार अभी तक इनको काबू नही कर पायी है ं ाहर मे आए दिन कही न कही चोरी हो रही है। अ ाांति का माहौल बना हुआ हैं इसी तरह से मकानों के तोले टूटते है। मकानो ंपर कब्जों की घअनाएं रोजना हो रही है ंये सब इसलिए हो रहा है क्योंकि सरकार पूरी तरह से फेल हो गयी है। इसके अलावा ओर भी बहुत सी बातें कानून व्यवस्था के बारे में है लेकिन मै इनको यही पर

विराम देता हूं क्योंकि अगर मै सबके बारे मं बताऊंगा तो एक घंटा ला जाएगा।

श्री उपाध्यक्षः भजन लाल जी, आपको बोलते हुए आधा घंटा होने वाला है।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, अभी तो मेरा बोलने का मूड नही बना है। जब मूड बनेगा तो आपको पता लगेगा।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी साहब, मुझे क्या पता लगेगा।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, कल चर्चा हो रही थी सरकार के कारनामों के बारें में। हाउस टैक्स टैक्स को लेकर दो तारीख को हरियाणा में इतना जबरदस्त बंद ाहा कि सरकार घबरा गयी, बौखला गयी और तंग आकर उसकने हमारे लोगों के खिलाफ झूठे मकद्में बना दिए ये उनके साथ ज्यादतियों करते है।

परिवहन मंत्री (श्री अ ाोक कुमार): उपाध्यक्ष महोदय, भजन लाल जी बात दें कि दो तारीख को इनकी दुकान बंद थी या नही, आदमपुर बंद में भााामिल था या नही?

चौधरी भजन लालः मेरी दुकान म्यूनिसिपल कमेटी में नही है। आपको यह पता होना चाहिए आदमपमुर म्यूनिसपिल एरिया में नही हैं हिसार मं मेरी कोई दुकाननही है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप चेयर को ऐड्रस करें।

चौधरी भजन लालः हमने एक प्रिवलज मो ान भ दिया था उसका अभी तक फैसला नही किया है यह हमारे सा कितना बड़ा अन्याय है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः स्पीकर साहब से मो ान देने वालों की कोई बात हो चुकी है।

श्री मांगे रामः उपाध्यक्ष महोदय, हम उस फैसले से सहमत नही हैं

श्री उपाध्यक्षः सहमत तो आप किसी चीज से नही है परन्तु मै यह कह रहा हूं कि जो चौधरी भजन लाल जी की प्रविलेज मो ान वाली बात थी वह हो चुकी है। भजन लाल जी, आप बोलै।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा कहने के मतलब यह है कि इतने टैक्स लोगो ंपर लाद दिए है कि लोगों को जीना मु कल हो गया है उनके मकान बिक जाएंगे लेकिन वे टैक्स नही दे पाएंगे, उनको जेलों में जाना पड़ेगा। इसके अलावा मै बताना चाहता हूं कि प्रजातंत्र में हमारे तीन एम0 एल0 एण् ज्नता के चुने हुए नुमाइंदे किसी एस0 पी0 के पास जाएं ओर वह एस0 पी0 उनकी बेइज्जती कर दे ओर कह दे कि यहां क्या आए हो, यह रास्ता पड़ा है आप चले जाओं। क्या कया कह दिया वे

खुद बताएंगे, उससे बुरी बात ओर क्या हो सकती है? क्या मो ाल को उसके खिलाफ लाये नही, वैसे लाएंगे। उनके खिलफ भी कार्यवाही होनी चाहिए। जो हाउस टैक्स लगाया गया है उसका बिल भी हमारी गैर हाजिरी मे ंपास कर दिया है। मेरा निवेदन है कि उस बिल को वापस लें और दोबारा से उस परविचार करों। मेरा यह सुझाव है।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी साहब, आप वाइंड अप करें। आपको अकेले को बोलते हुए घंटा हो चुका है।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मैने बहुत ही जरूरी बातें कहनी है और हमने दो दिन बोलेगें (विध्न) भागने वाले हम नही है। उपाध्यक्ष महोदय, जनता पर हर तरह से करों का बोझ हैं घोटलों से बनी हुई यह सरकार है, झूठ बोलकर बनी हुई सरकार है लोगों से ये ज्यादती करों ओर उपाध्यक्ष महोदय, आप हमें बोलने भी नही दें तो हम कहां बोलेगे? लोगों की समस्याएं कहा पर रखेगे? क्या प्रदे ज्ञ में हालत है? सिर्फ हाउस टैक्स लगाए। लोग हस्पताल में पर्ची कटवाएं तो टैक्स लगा दिया पहले एक रूपया था उसका पांच गुना कर दिया। हर तरह से लोग बहुत ही दुखी है यही नही लोगों को बिजली नही मिलती, पानी नही मिलता लोग बहुत दुखी है ओर सरकार को सौ–सौ मन की गोली देते है। जब ये जनता में जायेगो तक इनको पता लगेगा। इनको घमंड है, ये इस्तीफा देकर लडाई लड़ कर देख ले ओर मै भी इस्तीफा दे दूंगा फिर देखते हे कि कौन दोबारा से

कुछ पूछ न लो और सरकार की पोजी ान खराब न हो जाये। इसलिए माजरा साहब पर कोई कौमैट्स मत कीजिए क्यों इन पर आप पहले ही काफी कौमैंट्स कर चुके है। अब आप कृपया बैठे।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, ऐसा मत कीजिएये आप तो मेरे पडौस में बैठते है। पड़ौसी होने के नाते तो ऐसा कम से कम करें।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप वाईड अप कीजिए। आपको बोलते हुए एक घंटा हो गया हैं आप भीघ्र वाईड अप कीजिए आपको मै नाराज नही करूंगा।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से बिजली की दरों में कितनी बढ़ौतरी कर दी है। चुनाव के दौरान लोगा ंसे वायदा करके आये थे कि बिजली और पानी मुक्त दूंगा। पहले लोगों को बहका दिया कि बिजली के बिल मत भरों और अब क्या कहे है कि पहले बिजली बोर्ड से एन0 ओ0 सी0 लेकर आओ। अगर टैक्सी की रजिस्ट्रे ान करवानी है तो भी कहे है कि पहले बिजली बोर्ड से एन0 ओ0 सी0 लेकर आओं। चाहे स्कूल में बच्चा दाखिल करवाना है तो कहते है कि पहले बिजली बोर्ड से एन0 ओ0सी0 लेकर आओ। पहले तो लोगों को बहका दिया कि बिजली के बिल मत ीारों ओर आज उनके खिलाफ वांरट जारी कर हे है यह कितने भार्म की बात है। इन्होने लोगों से वायेद किये थे अैर अब उनके खिलाफ वारंट जारी कर रहे है इससे बड़ा अन्याय

और क्या हो सकता है। उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक एस0 वाई0 एल0 नही की बात हे। एस0 वाई0 एल0 नहर का सवाल है एक अहम सवाल है और यह स्टेट का एक अहम मुद्दा है जो हरियाणा प्रदे ा से जुड़ा हैं एस0 वाई0 एल0 नहर हरियाणा प्रदे ा की जीवन रेखा है। उपाध्यक्ष महोदय, लेकिन अब यह सरकार एस0 वाई0 एल0 नहर का नाम नही ले रही है। ज स यह सरकार सत्ता में नही थी तो रोजना नारा लगाते थे और आलोचना किया गरते थे कि हम एस0 वाई0 एल0 नहर का पानी लाकर देगे। कैसे लाकर देगे क्योंकि श्री प्रका ा सिंह बादल पंजाब के मुख्यमंत्री इनके बड़े भाई है।

प्रो0 सम्पत सिहः उपाध्यक्ष महोदय, श्री बेअन्त सिंह जी के समय इन्होने क्या किया था।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, श्री दरबारा सिंह जी के समय इस नहर की आधारि ाला हमने ही रखवाई थी। (विध्न) मेने इस नहर के लिए लड़ाई लडी हैं जनता जानती है। कि इस नहर के लिए कांग्रेस पार्टी ने लड़ाई लड़ी हैं श्रीमती इन्दिरा गांधी जी की मेहरबानी से यह हरियाणा बना ओर हरियाणा का विकास करने में उनकी पूरी सहायता रही ओर कपूरी गांव, जिला पटियाला में उन्होने खुद एस0 वाई0 एल0 नहर के काम का उद्घाटन किया ओर हरियाणा के हितों की रक्षा की और हरियणा प्रदे ा को पानी दिय। 95 प्रति ात काम उस नहर का पूरा हमने करवाया। उसके बाद चौटाला साहब ने उस नहर को बनाने का

नाम नही लिया क्योंकि पंजाब में चुनाव होने वाले हैं इसलिए इनके भाई का कही नुकसान न हो जाए। यही नही चुनावों मे उनकी मदद के लिए यहां से बड़े–बड़े आतंकवादी, डकैत, चोर बदमा ा, कत्ल करने वाले लोग जेजाल से रिहा कर दिये ताकि वे पजाब में चुनावों केस मय बूथ कैप्चरिग कर सकें ओर पंजाब में श्री प्रका ा सिंह बादल का राज पुनः आ जाये। ओर ऐसे लोगों को छोड़ इसलिए रहे है ताकि जब कभी हरियाणा में चुनाव हो तो * * * * साहब इनकी मदद कर सकें लेकन हम ऐसा नही होने देगं हम इनका इलाज करेगे, कांग्रेस इनका इलाज करेगी ताकि कही ज्यादती, जुल्म, लूटमार और अन्याय नह हो सके। एस0 वाई0 एल0 नहर का पानी इनको हरियाणा में लाना चाहिए लजेकिन सरकार इसका नाम ही नही लेती।

श्री उपाध्यक्षः भजन लाल जी, आपको बेालते हुए 45 मिनट हो गए है, आप जल्दी वाईंड अप करें। माननीय स्पीकर साहब ने आपकी पार्टी को बेालने के लिए 30 मिनट का समय दिया था लेकिन आप अकेले 45मिनट बोल चुके है।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, अभ तो कुछ भी बातें नही हुई। अभी तो मेरी पूरा गलाभी गरम नही हुआ। अभी तो मुझे बहुत कुछ कहना है। आप प्रदे ा की जनता के साथ इतनी ज्यादयितों, जुल्म और अन्याया हो रहे है। जगह–जगह जमीनों पर कब्जे, जगह–जगह लूटमार हो रही है बड़ी भारी कर९ ज्ञन हो रही हैं इसलिए इस सरकार के खिलाफ हम

अवि वास का प्रस्ताव लाए है। इन सारी बातों की चर्चा हमने करनी है।

श्री उपाध्यक्षः बादल साहब का नाम रिकार्ड न किया जाएं

चौ0 भजन लालः मै बादल न कहकर पंजाब का मौजूदा मुख्यमंत्री कह देता हूं भाहीदों के परिवारों की मदद नही हो रही है। सरकारी कर्मचारियों को, अधिकारियों को नौकरियों से निकाला जा रहा है। बोर्ड ओरकारपोरे ांज से कर्मचारियेां को निकाला जा रहा है ंपुलिस के सिपाही जो इन्होने लगाए थे, हाई कोर्ट के फैसला भी उनके खिलाफ किया था, फिर भी मैने उनको यह सोचकर नौक्री मे ंरखा कि वे ओवर एज होने जा रह ेथे। ये गरीब लोग कहां जाएंगे उनके बच्चे कहां जाएंगे, मैने उनके साथ ज्यादती या अन्याय नही होने दिया। मै तो यह कहना चाहता हूं इस बार सुप्रीम कोर्ट ने ने जो 1600 सिपाहियों के खिलाफ कोई ऐलीगे ान तेा नही लगाया। (ाोर) उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे यह कहना है कि आज पूरे प्रदे ज्ञ मे ंएक भी उद्योग नया नही आया। बड़ा भारी मंत्रिमंडल लेकर यह सरकार बाहर गई थी। औफिसर्ज और ओफि ियल का क्या दो ा है वे तो वही करेगें तो ये कहंगे इसलिए औफिसर्ज अज़ैर औफि ियल भी उनके सथ गए। एक भी उद्योग प्रदे ज्ञ मे ंनया लगा। उल्टा इनके गलत कारनामों और इनकी गलत नीतियों की वजह से यहां से उद्योगों का पलायन हो रहा है। यह सरकार उद्योगपतियों को कोई राहत

देने की बजाय उनको परे ाान कर रही हैं अब उद्योगपतियों से पूछा जाता है कि कितन की इंडस्ट्री लगा रहे हो अर वे कहे है 500 करोड़ की तो कहा जाता है कि 100 करोउ़ रूपये तो पहले दे दो बाकी बाद में देते रहना। आज यहां हर काम के लिए पैसा लिया जाता हैं मै सैकड़ों मिसालें दे सकता हूं। मै ऐसी मिसाल दे सकता हूं जिसकी लोग चर्चा करते है, उपाध्यक्ष महोदय, आपके गुडगावं के लोग भी कहते है।

श्री उपाध्यक्षः भजन लाल जी आपक मेरी बात न करें।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपकी बात नही करता।

श्री उपाध्यक्षः आप मरेी बात कह भी रहे अैर कह रहे थ्क मै आकपी बात नही कर रहा। भजन लाल जी, मै आकपी बड़ी इज्जत करता हूं। आप सरकार के खिलाफ बोले मेरे बारे में नही । आप बोलते हुए समय का ध्यान रखं तथा अपनी स्पीच 2 मिनट में खत्म करें।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार को एक मिनट भी गद्दी पर हरने का अधिकार नही हैं इनको खुद यह गद्दी छोड़ कर चले जाना चाहिए, इसी मै इनकी बेहतरी है। आप कहते है कि मै अपनी बात वाईड आप करूं तो ठीक है लेकिन 2 दिन तक सै ान चलेगा तभी सभी प्वायंटस पर अपनी बात कह सकूंगा, अभी तो बहुत कुछ कहना बाकी हैं

श्री मांगे राम गुप्ता (जींद): आदरणीय उपाध्यक्ष महोदय, आज हमारी तरफ से सरकार के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव लाया गया हैं मै उसके पक्ष में बोलने के खड़ा हुआ हूं। आपने मुझ इस पर बोलने के लिए समय दिया इसलिए मै आपका बड़ा आभारी हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जब चर्च भाुरू हुई तो संपत सिंह जी ने हाउस में कहा इनका राज राम राज्य है। इसलि वै आपके माध्यम से संपत सिंह जी को कहना चाहूंगा कि कहने से राम राज्य नही होता। एक धोबी के हिने पर ही राम ने सीता को परित्याग कर दिया था। यह इतिहास की बात है आप सभी जानते है। कि धोबन राजा राम के पस गई और कहा कि उसको धोबी ने त्याग दिया है इस पर राम ने धोबी को सभा में बुंलाया और उससे पूछा कि मुमने धोबन को क्या त्यागा हे? जब धोबी ने कहा कि महाराज आप तो राजा है इसलि मै आपके सामने ज्यादा नही बोल सकता, इस पर रान ने कहा कि मेरे राज मे ंसभी के अपनी बात कहने का हक है इसलिए तुम्हें जो कुछ कहना है वह कह सकते हो। तुम्हेंकिसी का डर नही है और उसके बाद जो हुआ वह आप सब जानते ही है कि किस तरह से धोबी के हिने पर राम ने सीता माता का परित्याग कर दिया था। (ाोर एव व्यवधान)

श्री राजेन्द्र सिह बिसला: उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आड्र हैं मेरे माननीय साथी मांगे राम गुप्ता जी इस सदन के बहुत सीनियर सदस्य हैं और ये मंत्री के पद भी सु ाोभ्झित रहे है। मै इससे निवेदर करना चाहूंगा कि मर्यादा पुरूक्षेतक राम

ओर माता सीता क बारें में सभी लोग बहुत सम्मान रखते है। इसलिए उनका नाम इस तरह यहां न लिया जाए। (ाोर एव व्यवधान) लोग माता सीामा को तो रामचन्द्र जी से भी ज्यादा सम्मान देत है। उपाध्यक्ष महोदय, इसलि मेरी आपसे भी प्रार्थना है कि गुप्ता जी को इतनी छूट न दी जाए कि वे मर्यादा पुरूशोतम राम ओर सीता के बारेमें में यहां इस तरह की बात करें।

श्री मांग्र राम गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मुझे बड़ा अफसोस है कि मेरे माननीय साथी बिसला जी ऐसी बाती कर हे है मै तो सिर्फ इतिहास की बात कर रहा था। (ाोर एव व्यवधान)

श्री अनीता यादवः उपाध्यक्ष महोदय,.....

श्री उपाध्यक्षः अनीता जी, प्लीट आप बैठे।

श्री मांगे राम गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, मैने राम राज की बात इसलिए की है क्योंकि चौधरी संपत सिंह जी कर रहे थ्ज्ञे कि इनका राजा राम राज है। इनको बताना चाहा रहा था कि राम राज क्या था? मैने कुछ गलत नही कहा यह इतिहास की बात ह। (ाोर एव व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, जब भी कोई सरकार किसी तरह की ज्यादती जनता पर करती है तो जनता सरकार के खिलाफ अपना रोश जताती है। पहले लोग अपनी परे ाानी सरकार तब भी नही मानती तो लोग हड़ताल करते है। लेकिन चौटाला साहब जब विपक्ष में थे उस समय इन्होने सरकार के खिलाफ विरोध किया था उस समय इन्होने सड़कें जाम कर दी

थी, सड़कों के किनारे लगे दरख्त भी काट डाल थे। आज अगर कोई सरकार के विरूद्ध प्रद र्ान करें तो उसे जेलों में डाल दिया जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, बिजली के मैकेनिकल मीटरों की जगह नइ इलैकट्रोनिक मीटर लगाए गए जिसके विरोध में अगर एजीटे ान किया जात है ंतो लोगों को जेलों में डाल दिया जाता है। जब इलैक्ट्रोनिक मीटर लगाने के विरेध मं जींद के अन्दर महिलाओं ने एजीटे ान किया तो उन पर 307 का मुकदमा दर्ज करके उनको जेल मैं डाल दियागया। डिप्टी स्पीकर सहाब, आपने 5 नवम्बर 2001 का अमर उजाला अखबार पढा होगा। उसमें इलैक्ट्रोनिक मीटरों के बारे में हैडिंग है। 'बिजली निमग को लगा इलैक्ट्रोनिक मीटरों का झटका'। हैडिंग के अन्दर इलैक्ट्रोनिक मीटरों क बारे में पूरी न्यूज दी हुई है। इस न्यूज में बिजली निमग ने खुद माना है कि इलैक्ट्रोनिक मीटर की परचेज में बड़ी भारी हेरा फेरी हुई है औरये मीटर गलत है। जिस चीज को खुद महकमा गलत मानता है और लोग उसका विरोध है तो उन पर मकदमा दर्ज करके उनके साथ बड़ा भारी अन्याया किया जाता है। अन्याया लोगों के खिलाफ ही नही हो रहा है बल्कि महिलाआं के खिलाफ 307 का मुकदमा दर्ज केरके उनको जेल में डाल दें, इससे बुंरी बात ओर कोर्ठ नही हो सकती। इसका मुझे बहुत अफसोस है। डिप्टी स्पीकर साहब, प्रदे ा में ला एंड आर्डर की स्थिति के बारे में विपक्ष के नेता ने बहुत सी बातेंसदन के सामने रखी है मै उन बातों का रैपीटिशन नही करूंगा क्योंक जो बातें विपक्ष के नेता ने बहुत सी बाते ंसदन के सामने रख हैं मै उन

बातों का रैपीटि ान नही करूंगा क्योंकि जो बाते ंविपक्ष के नेता ने कही है वे सारी बातें हाउस की कार्यवाही में दज्र हो गई है। डिप्टी स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी जींद की ग्रिवैंसिज कमेटी का चेयर करते है और ये महीने में एक बार वहां पर ग्रिवैसिज कमेटी की मीटिग करते है मै इनको इस बात की दाद देता हूं कि ये वहां कि सिी भी ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग को सि नही करते। उस मीटिंग में ये लोगों से मिले है। और उनकी बात सुनते है। डिप्टी स्पीकर साहब, जिस जिले की हर महीने होने वाली ग्रिवैंसिज कमेटी को चेयर करने के लिए मुख्य मंत्री जाए ओरउस जिले में ऐसी वारदातें हो जो अभी म आपके सामने बताऊगा तो फिर लोग राम राज्य का सपना कैसे देख सकते है? मेरे हल्के में एक दरियावाला गांव है उस गां के एक 16 साल के लडत्रके का कत्ल ही नही किया गया बल्कि उसको इनतु बरे तरीके से मारा गया कि अगर कोई आदमी उसकी ला ा को देख लोता ाते वह अपने आपको रोने से नही नोक सकता थां। आज इस बात को महीने से ऊपर हो गया है। इस बारे में अभी तक कोई गिरफ्तारी नही हुई है। डिप्टी स्पीकर साहब, सिरसा डिस्ट्रिक्ट मुख्य मंत्री जी का होम डिस्ट्रिक्ट है। हमने सोचा कि वाह ंतो राम राज होगा लेकिन वहां के हरियाण प्रदे ा के व्यापार मंडल के के प्रतिनिधि श्री राम प्रका ा सेठी के चार साल के लड़के को अपराधी लोग दिन में ही बाजार से उठाकर ले गए लेकिन मैं दाद देता हूं उन लोगों को जो दल अपराधियों के पीछे लग एग ओर उसके पीछे लगने से वे लोग उस लड़के को दो किलोमीटर दूर जा कर छोड़ कर भाग

गए। इस बात को आज महीने से ऊपर हो गया है। आज तक सरकार यह पता नही कर पाई कि वे अपराधी कौन है? बच्चे स्कूलों में जाते है वे सेफ नही है। दुकान में व्यापारी सेफ नही है। पैट्रोल पम्प पर मालिक या कर्मचारी सेफ नही है। बाजार में आदमी जाता है वह सेफ नही है। फिर यह सरकार कैसे कह सती है। कि प्रदे ा में ला एंड आर्डर की स्थिति ठीक हैं

डिप्टी स्पीकर साहब, सदन में हाउस टैक्स के बारे में चर्चा हुई। अब इनको पता लग जाएगा कि हाउस टैक्स किस तरीके से लगाया जात है। एक मकान बनाने पर इतनी पैनल्टी रख दी ओर इतनी बड़ी सजा रख दी कि कोई आदमी मकान बना ही नही कसता क्येां आपने मकान बनाने के टैक्सिज ही बहुत अधिक रख दिए है ंलोगों ने इसका विरोध किया। हमने भी इस नीति के खिलाफ सारे हरियाणा में बन्द का आह्वान किया। (ाोर एव व्यवधान) मै यह नही कहत कि इस टैक्स के विरोध में हमारी पार्टी द्वारा आयोजित बन्द पूरी तरह सफल हुआ या नही हुआ। यह बन्द सफल हुआ या नही इस बारे में में तो प्रदे ा की जनता ही जानती है। किसी ने इस बन्द के विरोध में अपनी दुकानें बंद की या नही की बात नही। उपाध्यक्ष महोदय, आप भी राजनीति में हमे ा से रहे है ओर अब भी आ इसी राजनीति की मार्फत विधान सभा में उपाध्यक्ष के पद पर विराजमान है। मै आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हूं कि क्या कोई आदमी या प्रतिनिध अपनी मांगों के लेकर या जनता की मांगों को लेकर सरकार के

किसी अधिकारी के पास या किसी मंत्री के पास जाये तो क्या गुनाह है? ऐसी कोई ि ाकायत लेकर जाना कोई गुनाह तो नही है। हत सब लोग वहां पर ि ाकायत लेकर आए थे। हम पर केस बना दिय, कोई बात नही। केस दर्ज है और कोर्ट में उस केस की एफ0 आई0 आर0 भी जा चुकी है। धारा 323, 347, 148 तथा 506 के तहत केस दर्ज हैं इन धाराओं के तहत कोर्ट से बेल हो जातीहै। बाद में धारा 395 के तहत डकैती का केस बना दिया। उपाध्यक्ष महोदय, मुष्े कए बात कहनी पड़ेगी कि ये केस किस की तरफ बना दिय इस बारे में मै हरियाणा की की जो एक कहावत है उस बरे में आपको व सदन को बताना चाहूंगा। एक डूम के घर मे ंचोर बड़ गए ओर उन चोरों को उस डूम के घर में ाकेई सामान नही मिलता तो फिर वे आपसे में बतलाने लग गए कि आज की राज तो खराब गई, क्योकि यहां पर इस घर में कुछ मिला नही। इस पर डूम बोला चोरो मुझ दिन में ही इस घर में कुछ नही मिलता है तुम्हे रात में इस घर में क्या पावेगा? उपाध्यक्ष महोदय, इस ि ाकायत के बारे में मै आपकी मार्फत मुख्यमंत्री को कहना चाहता हूं। कि वह 10 तारीख जींद में ग्रिवैन्सिज की मीटिग में जाएंगे। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप वहां पर खुद मौके पर उस दुकान पर ाजएं कि उसमें क्या डकैती हुई है, वह कितनी बडत्री दुकान है ओर उसमें कितना सामान होगा, उसको आप स्वय मौके पर जागर जरूर देखे तब आपको असलियत पता लग जायंगी। उस वक्त आपके पता लग जाएगा कि कोन आदमी डकैती में है ओर किस के नाम पर उसमें केस दर्ज किया गया है इस

संबंध में जब हम 20 आदमी एस0पी0 साहब से समय लेकर अपनी बात कहने गए तो एसी0 पी0 साहब ने हमारी बात नही सुनी। उपाध्यक्ष महोदय, इस वक्त इस हाउस की चेयर पर आप विराजमान है ओर आप हमारे कस्टोडियन है। हमनेवहां पर जो बात कही, उसमें सरकार के खिलाफ कोई बात नही थी। हमने उस अधिकारी के बारे में जो प्रिवलेज मो न दिया उसकी आप प्रिवलेज कमेटी की मार्फत इन्क्वायरी करवाते है उस इन्क्वायरी क बाद यदि हम गलत होते तो प्रिवलेज कमेटी हमं दोशी पाती ओर फिर हाउस हमें सजा दे सकता था। लेकिन हमारी बात को न मातने हुए हमारे अनुरोध को भी अपने गवर्नमैंअ के कमैंटस मांगने के लि सरकार को भेज दिया, जो ठीक नही है। उस अधिकारी के संबंध में हाउस के मौजूदा तीन एम0 एल0 कह रहे हे और उन्होने इस बारे में लिखकर भी दिया है लेकिन फिर भी सरकार ने असको नही माना। मुझे नही पता कि उसको न मानने के पीछे सरकार पर क्या दबाव था? मै पूछना चाहता हूं कि क्या हम क्रिमिनल आदमी हें जब हम उस अधिकारी से बात करने गए तोवह कहता है कि मैने ऐै बहुत से एम0 एल0 एज0 देखे है, मै इनकी बात सुनना नही चाहता। मै पूछना चाहता हूं कि क्या आप क्रिमिनल आदमी है? ऐसा तो हम आपके इस राज में ही देख रहे है। उपाध्यक्ष महोदय, सरकार हमारी कोइ बात सुने नही ओर न ही कोई अधिकारी हमारी बात सुने तो फिर एम0 एल0 एज0 कहां जाए? उपाध्यक्ष महोदय, एम0 एल0एज0 के आप कस्टोडियन है, वे जब कोई प्रिवलेज मो ान लिख कर आपको देत `है तो उसको

एडमिट न करने के बाहन सरकार को कमैटस लेने के लिएभेज दिया। ऐसा तो हमने केवल पहली बार ही सुना हैं हम तो यही सोचते थे कि प्रिवलेज कमेटी में आप उसको रैफर करेगे ओर उसकी इन्क्वायरी करवते। इसमें फिलहाल किसी को कोई सजा देने की बात नही थी। अभी तो मामला प्रिवलेज कमेटी को ही जात है ओर उसके बाद वह प्रिवलेज कमेटी उस मो ान की इन्क्वायरी करती। उस इन्क्वायरी के बाद अगर हम कसूरवाल होतते तो हमें सजा मिलती। लेकिन हमारी बात को इस तरह से टालना एक तरह से सभी एम0 एल0 एज0 के साथ बहुत बड़ी ज्यादती है। उपाध्यक्ष महोदय, कोई एम0 एल0 एल0 पहले बनता है और उसके बाही कोई मुख्यमंत्री, स्पीकर या डिप्टी स्पीकर बनता है। हम आपकी मार्फत सरकार से निवेदन करना चाहते है। कि एम0 एल0 एज0 को आप चाहे ग्रान्टस दें या ना दें, एम0 एल0 एज0 को चाहे आप कोई सुविधा दे ंया न दें लेकिन मेरा कहना है कि एम0 एल0 एज0 को पूरा सम्मान हरियाणा सरकार की तरफ से होना चाहिए अधिकारियों को इस बात का कोई हक नही होना चाहिए कि वह चाहे जिस विधायक की बेइज्जती कर दें। यह कोई छोटी बात नही है, यह बहुत गंभीर बात है।

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी, आपको बोलते हुए 15 मिनट हो गए है इसएिल आप अपनी बातों को थोड़ा भाोर्ट करें।

श्री मांगे राम गुप्ताः डिप्टी स्पीकर साहब, अब तो जो बात कहना चाहूंगा वह सरकार के आंकड़ों के मुताबिक ही कहना

चाहता हूं। इस वक्त फाईनासं मिनिस्टर साहब चले गए हैं लेकिन मुख्यमंत्री जी सदन में मौजूद है। मै इने नोटिस में लाना चाहता हूं कि इनके मुताबिक 37 परसेंट इनक्रीज हुआ हैं 37 परसेन्ट अैक्स की इन्क्रीज कैसे हो गईं, यह इसलिए हो गई कि सरकार ने जनता के साथ टैकस लगा कर ज्यादतियों की इसलिए तसे इनती अधिक 37 परसेंअ इन्क्रीज हुई। उपाध्यक्ष होदय, आ जस रकसर पर लोन की क्रूा हालत है, इस बारे में मेने जो सवाल पूछा था वह सवाल जानबूझकर टाईम लंघा कर निकाल दिया। इन्होने आज एक जवाब में बताया है कि हरियाणा के जो बोर्ड और कारपोरे ान्ज है उन पर 7 हजार करोड़ रूपये का कर्ज है। सइ कर्ज के समंबंध में जहां तक मेरी जानकारी है हरियाणा सरकार पर 20 हजार करोड़ रूपये का लोन है। डिप्टी स्पीकरसाहब, हम 1996 में जब सरकार छोड़कर गए तो उस वक्त सरकार पर केवल 7–8 हजार करोड़ रूपये का लोन छोड़ कर गए थे। मेरे कहने का मतलब यह है कि 30 साल में तो हरियाणा सरकार पर केवल 7–8 करोडत्र रूपये का लोन ओर फिर 1996 के बाद यानि कवेल 5 सालों बाद 20 हजार करोड़ रूपये का लोन हो तो यह कोई छोटी बात नही हैं सरकार पर इतना अधिक लोन होने के बाद फिर विकास का ढिढांरा पीट कर खुद को सेठ बतानाचाहें तो यह कौन सी बड़ी बात हुई। कोई आदमी कर्जा लेकर हेवली बना कर मुंह दिखाना चाहे तो यह कौन सी ठीक बात हुई। इसी प्रकार सरकार कर्जा लेकर काम करें यह कौन सी जायज बात हुई। उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर सम्पत सिह जी या दूसरे मंत्री महोदय कहर हरे

थे कि कमेटीज का काम चालने के लिए या सरकार काम चालने के लिए टैक्स लगाने पड़ेगै। अगर अैक्स लगाकर ही काम करेगे तो यह कौनसी बहादुरी हुई। इसकाम को तो कोई अनजान आदमी भी कर देगा। अगर आप किसी अनजान आदमी की जेब से पैसा लेकर कह दो कि मै उसें लंच दूगा ओर उसकी जेब से सौ रूपये निकाल ले तों क्रूा होगत्र इसी तरह से डिप्टी स्पीकर सर, यह कर्जा इनके सिर पर नही है बल्कि यह कर्जा हरियाणा के लोगों पर है। इन्होने 27 हजार करोड़ रूपये का कर्जा हरियाणा के लोागें पर चढ़ा दिया हैं अब इसको कौन देगा? लेकिन ये ढ़िढोरा सड़कों का पीटते है। डिप्टी स्पीकर साहब, 3 नवम्ब्र के दैनिक भास्कर अखबार के ऐडीटोरियमल कॉलम का हैडिंग है जिसमें लिख है। ''असुरक्षित होती सड़क यात्रा'' इसमें सड़कों पर होत ऐक्सीडैंटस के द्वारा दर्दनाम मौतों क`बारे में बताया गय ाहैं आज बहुत ही दर्द नाक मौते हरियाणा की सड़कों पर हो रही है लेकिन सरकार फिर भ सड़कों का ढिंढोरा पीट रही है। अगर सड़क बढ़िया बनायी जाती या सरकार का ट्रैफिक कंट्रोल अच्छा होता तो यह ऐक्सीडैंटस नही होते। डिप्टी स्पीकर सर, यह मै नही कर रहा हूं बल्किय यह अखबर कह रहा है।

श्री उपाध्यक्षः मांगेराम जी, अब आप वाइंड अप करें।

श्री मांगे राम गुप्ताः सर, मै आपके हुक्म को मानूंगा। हमें बोलने का इतना भाौक नही है। सर, इसी तरह से अमर उजाला में जींद की एक खबर पढ़ी कि जींद में हथियारों से लैस

सैकड़ों कालेज छात्रों के उत्पात से द ाहत। इसी कारण से वहां का छोटू राम कालेज बंद करना पड़ा औश्र उस कालेज के परिसन में पुलिस तैनात कर दी गयी हैं डिप्टी स्पीरक सर, इस तरह की घअनाएं हरियाणा के लिए बहुत बड़ी चेतावनी है। अगर हरियाणा का नौजावान आज हाल में आ गा गया है कि स्कूलों ओर कालेजों में खतरनाक हथियार लेकर किसी को पीट सकता है या मार सकता है तो फिर तो हरियाणा को संभालना मु ाकल हो जाएगा। यहां पर स्वप्न लेने से किसी को फायदा नही होगा क्योकि हरियाणा में तो हालात बदत्तर होत जा रह `है। आज हरियाणा के नौजवान सड़क पर इसलिए आ गए है क्योंकि अब ने तो उनको नौकरियां मिलती है और न ही उनकी भाादियां होती है। अब आप ही बताएं कि वह कहां जाऐगे। क्या वे सरकार क घर में आकर बड़ेगे।

श्री राम कुमार नगूराः उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै गुप्ता जी से जानना चाहूंगा कि इनके भाासन काल में कितने लड़कों को नौकरी मिली? मै इनको बताना चाहूंगा कि इस सरकार क `समय में इनके समय के मुकाबले ज्यादा लड़के लगे है ये हमें यह भी बात दें कि इन्होने कितनी बार कन्यादान किया हैं

श्री मांगे राम गुप्ताः उपाध्यक्ष महोदय, कालें को कौन ब्याहे लेकिन इन्होने तो मुझे बहुत सुंन्दर बहू दे रखी है।

श्री उपाध्यक्षः गुप्ता जी, अब आप बैठे। आपको बोलते हुए बीस मिनट हो गए है अब बंसी लाल जी बोलेगे।

चौधरी बंसी लाल (भिवानी) उपाध्यक्ष महोदय, मै कुछ बातें कहना चाहता हूं ओर कुछ सुझाव भी देना चाहता हूं। सबसे पहले तो मै। यह बात कहूंगा कि दक्षिणी हरियाणा, जिसमें कई जिले भाामिल है करीब आधे जिले भामिल है उनमें मेन क्रोप है बाजरा। केन्दीय सरकार ने बाजरे की 485/– रूपये सपोर्ट प्राइस तयक की। मैने भाांता कुमार जी से बात की जो फूड स्पलाई मिनिस्टर है। भारत सरकार में, इनहोने कहा कि हमने स्टेट गवर्नमैंट को कहा है कि वह 485 रूपये में खरीद लें ओर उसकसे बचे ले जो घाटा रहेगा हम देगे। मैने उनसे रिपीअ करके पूछा कि घाटा तो आप देगे ना, उन्होन कहा, हम देगे। उसके बाद सिरसे से मुख्यमंत्री जी का एक ब्यान आया कि हब सबका बाजारा खरीदेगे मगर अभी तक मेरस ख्याल जहै कोई बाजारा नही खरीदा नही गया क्योंकि वहां का जो किसान है कई साल में तो एक फसल होती ळै और इस साल इत्तेफाक से वह फसल अच्छी हुई थी तो बाजरा सरकार को प्राक्योर करना चाहिए औश्र जो पहले गेहूं, पैडी प्रोक्योर कर रखी है स्टोरेज का प्रबन्ध स्टेट में पूरा नही है आज उन फसलों की हालात खरबा है बारि ा मसे खराब हो गई है सड़ती है कई जगह। तो मै सरकार को यह भी सुझाव देना चाहूंगा कि स्टोरेज का प्रोपर प्रबन्ध करवाये चाहे को आप्रटिव सोसाईटीज से चहो प्राइवेट लोगो ंसे गोदाम बनवाएं ओर

उस माल को रखने का, गेहूं को, पैडी को और चावल को रखने का प्रबन्ध करें और दूसरी चीज यह है कि आज फसल की साढ़ी की फसल बोने का वक्त है बिजली मु कल से तीन चार घंटे आती है औरउसमे भी दो तीन बाद ट्रिप मार जाती है। बिजली कही से लाएं स्पै ाली खरीद ले कही से मै मानता हूं कि आसानी से इनको मिलेगी भी नही क्योंकि उधर पंजाब में इलैक ान आ गया उधर उत्तर प्रदे ा में इलैक ान आ गया है। बिहार से खरीदे ओर जम्मू क मीर, हिमाचल भी अब ज्यादा नही दे सकेगे। क्योंकि सर्दी आ गई तो जिस किसी स्टेट से मध्य प्रदे ा से, राजस्थान से, एन0 टी0 पी0 सी0 से, एन0 एच0 पी0 सी0 से जिस किसी से भी ये बिजली ला सकते है लाएं ओर किसान की फसल का त करवाएं ओर यमुना में ठीक है कि पानी थोड़ा आता है इधर कुछ भाखड़ा का पानी डाल के दक्षिणी हरयिाणा में भी, पानीपत है, सोनीपत है, रोहतक है, जींद का जिला आधा है, हिसार जिला आधा है। भिवानी जिला पूरा है। झज्जर जिला है, रोहतक है, महेन्द्रगढत्र रेवाडत्री जिले है, फरीदाबाद गुडगांवा जिले है। उनमें भी फसल का त करवानी चाहिएं इसके लिए भाखड़ा का कुछ पानी डब्ल्यू0 जे0 सी0 में डाल कर इसका प्रबन्ध इनको करना चाहिए ओर देसीर बात यह है कि एस0 वाई0 एल0 का जा सवाल है, सुप्रीम कोर्ट में हियरिंग हो गई है अैर जजमैंट रिर्जव है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा थ्ज्ञा कि चार हफ्ते के बाद हम जजमैंट दे देगें। तो मै मुख्य मंत्री जी से जाननाचाहूं कि क्या हमारे वकील ने सुप्रीम कोर्ट को यह बात दिया है कि हम आपस में कोई फैसला

नही कर पाए या कर पाए तो क्या किया? ओर इसके इलावा तो एक पहले पानी कम मिलता है किसान को ओर राइस सूट की कीमत दुगनी कर दी, इस बारे में भी सोचना चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, वक्त आ रहा है अभी दो तीन महीने में आ रह ाहै। पैडी को तो ये प्रोक्योर कर लेंगे वह भ्झी पूरी नही रही है ओर पैडी मार्किट में आनी जब भाुरू हुई उसके भी 15–20 दिन बाद प्रोक्योर करनी भाुरू की लेकिन पैडी इसलि प्रोक्सोर कर लेंगे कि केन्द्र सरकार को पंजाब और उत्तर प्रदे ा में इलैक ान लड़ने है इसलिए इस बार तो पैडी प्रोक्योर कर लेगे लेकिन जब गेहूं की फसल आएगी तो क्या होगा? मै यह भी चाहूंगा कि मुख्यम ंत्री जी इसके ऊपर भी थोड़ी रो ानी डाल दें ओर उपाध्यक्ष होदय, जहां तक बिजली का सवाल है, आज हरियाण सरकार कहती है कि हमारे दो साल के अरसे में हमने 499 मैगावाट बिजली पैदा कर दी ओर जब कि पिछली सरकार ने सवा तीन साल में 188 मैगावाट बिजली पैदा की। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके जरिए सदन को बताना चाहूंगा, मुख्य मंत्री जी को भी बताना चाहूंगा कि 432 मैगावाट का फरीदाबाद का प्लांट गुराल साहब से मैने लिया। एक प्लांट पूरा चालू हो गया था दूसरे की ट्रायल प्रोडक ान भाुरू हो गई थी वह हम को 40–50 मैगावाट बिजली `दत ाथ्झा। तीसरा उसके बाद आ गया तो उस 432 मैगावाट में इस सरकार की कोई कन्ट्रीब्यू ान नही। 210 मैगावाट का छठा प्लांट फरीदाबाद में मेर ीसरकार ने भाुरू किया, 75 प्रति ात बन कर तैया हो गया था बाकी इनके वक्त में बन गया उसमें भी इन्की कोई कन्ट्रीब्यू ान

नही हैं उस वक्त म ीनरी बी0 एच0 एल0 से ली, जब चौधरी देवी लाल और ओम प्रका ा चौटाला जी की सरकार थी तवे म ीनरी को जंग लग गया थ्ज्ञा मैने चालू की, मैने बनाना भज्ञुय कि बल्कि जितने की म ीनरी थी उसी के करीब हमने ब्याज दिया बी0 एव0 ई0 एल0 को इतने सालों तक तो यह पड़ी रही और इसके साथ मै उपाध्यक्ष महोदय, बताना चाहूंगा कि पानीपत की रिफाईनरी से हमने, मेरी सरकार ने एग्रीमैंट किया थ 301 मैगावाट का ओर ये कल से सवाल के जवाब में मुख्य मंत्री जी ने बताया है आई0 पी0 पी0 सी0 एल0 भाायद वही कम्पनी है जिससे 360 मैगावाट बिजली लेगे तो यह अच्छी बात है मगर उसका काम भाुरू हुआ या नही हुआ और एक कल के सवाल में इन्होने कहा कि यमुना नगर थर्मल प्रोजैक्ट वन एण्ड टू एक हजार मैगावाट, is likely to be taken during up the tenth five year plan, Tenth five year plan का मतलब है It will be taken up between 2002 and 2007, 2002 to 2007 के बीच में कही पर टेकअप किया जाएगा। बनेग कब यह भगवान जाने इसके बाद एक कल के जवाब में मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि हिरमा से, उड़ीसा से हमने 500 मैगावाट बिजली का एग्रीमैंट किया यह तो मेरे वक्त में ही तय हो गया थ ावह 3000 मैगावाट का प्लंट कोल हैड पर लगा रहे है। यह 500 मौगावाट की कमिटमैंट मैने ही की थी और उनसे भी कमिटमैंट ली थी और इसके आगे उपाध्यक्ष महोदय, एक 704 मैगावाट का इन्होने बताया NTPC project Rihand State-II; North Karanpur Barha, Kehlgaon & Kole Gaon Project is expected to

be taken up during 10th & 11th Five Year plan. मतलब 2002 से 2012 के बीच में टेंक अप की जायेगी। अगर यह 2012 में टेकअप हुई तो कब तक आयेगी बिजली, क्या होगा इसका? और अभी तक कोई काम वहां भाुय नही है। कोई भी हाईडल प्रोजैक्ट 7–8 साल से पहले पूरा नही होता। उपाध्यक्ष महोदय, एक जवाब में इन्होने कह है पर 100 MW Power from NHPC Projects i.e. Dulhasti Hydel Power Project, Teri State-I और Dhauli Ganga Hydrolic Project पर अभी तक कुछ काम नही हुआ है वह कब बनेगा और गब वेा बिजली मिलेगी यह नही कहा जा सकता। क्योंकि इन्होने कहा नाथपा झाकड़ी प्रोजैक्ट is expected to be completed during 10th and 11th Five year Plan 2012 में खम होगा। वैसे नाथपा झाकडत्री मै समझता हूं कि अब तक आ जाना चाहिए था लेकिन वहां देरी हो रही है क्योंकि बाढ आ गई नुकसान हो गया था तो भाायद कुछ और लेट हो गया हो।। एक ये कहते है कि हिसार थर्मल प्रोजैक्ट 500 मैगावाट का will be taken up during early 11th Plan यानि 2007 के बाद टेक अप किया जायेगा तो उपाध्यक्ष महोदय, यह कब होगा क्या हेागा यह पता ही नही? और मुख्य मंत्री जी से जाननाचाहता हूं कि 11 मई, 1996 को जब मै आया उस वक्त बिजली बोर्ड की क्या देनदारी थी उसमें आ गई B.B.M.B., N.T.P.C., N.H.P.C., Coal India, रेल का किराया और हिमाचल वगैरह कई स्टेट्स है उस वक्त क्या देनदारी थी और 23 जुलाई, 1999 को क्या देनदारी थी जिस दिन मै छोड़ कर गया औश्र आज के दिन क्या है? बिजली बोर्ड ने पौने बरह सौ करोड़

रूपये के बॉंड 13 परसैंट और 12 परसैट ब्याज पर पंच साल क लिये जार कर दिएं तो उपाध्यक्ष महोदय, पांच साल के बाद यह पैसा देना आयेगा पौने बारह सौ करोड़। क्या प्रबन्ध किया देने का मुख्य मंत्री जी यह जानते है कि ये तो उस वक्त होगे नही कोई होगा, भुगतेगा और 700 करोड रूपये के बौंड ओर जारी करने की इनकी तैयारी है। यानि करीब 1800–2000 करोड़ रूपये का अनुसान इन्होने अब तक कर दिया और एक ये कहे है कि क पानीपत का 250–250 मैगावाट की दो यूनिटें लगाने के लिए सरकार ने 30 परसैंट इक्विटी का तय कर दिया है। उपाध्यक्ष महोदय, सवा दो अढ़ाई हजार करोड़ रूपयेा लगेगा अैर 30 परसैंट इक्विटी बनेगी करीब 700 करोड। क्या 700 करोड़ रूपये का कही प्रावधान इन्होन किया है? क्या कही इसबात की कोई चर्चा है, तो यह कहां से करेगे। तो इसके अलावा मुख्यम ंत्री जी जब विरोधी दल में थे तो कहते थे कि बंसी लाल की सरकार ने 1500 करोड़ रूपये टैक लगा दिये मेरी सरकार आते ही मै माफ करूंगा तो मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि मेरी सरकार ने 1500 करोड़ रूपये के कौन–कौन टैक्स लगा दिये और मुख्य मंत्री जी ने कौन–कौन से वापिस कर दिये। हां यह बात जरूर हैं कि कुछ टैक्स ऐसे है जैसे इण्डियन मेड फॉरेन लिकर उसके ऊपर 20–25 परसैंट टैक्स लगा दिया कुछ हफ्तों बाद हटा दिया इन्होने अपना लगाया हुआ टैक्स। काठ के ऊपर दो परसैंट मार्किट फीस लगाई वह भी हटाई। इन्होन लगाई इन्होने हटाई और फिर क्रैडिट लेते है कि हमने यह यह हटा दिय। फटिलाईजर के ऊपर हरियाणा

प्रदे ा में उपाध्यक्ष महोदय, कोई सेल्ज टैकस नही था। इसी सरकार ने टैक्स लगाया इसी सरकार ने हटाया। इसी सरकार ने डीजल के ऊपर सेल्ज टैकस बढाया और इसी ने घटाया और फिर क्लेम करते है बड़े बड़े इ ितहार लगा रखे है कि हमने फटिलाईजर पर से ओर डीजल पर से टैक्सों मं राहत दी। खुद ही टैक्स लगाया खुद ही रहात दे दी उसके बारह से कुछ दिया नही ओर उपाध्यक्ष महोदय, अब यमुना नगर का 500 मैगावाट का जो प्लांट लगना है उसके फाईनल टैण्डर आ गए थे थोड़ी दिन के बाद।

श्री उपाध्यक्षः चौधरी बंसी लाल जी, प्लीट वाईड अप। आपको 13 मिनट हो गये है.....

चौधरी बंसी लालः आप कहो तो मै बैठ जाता हूं। मै कोई गलत बात तो कह नही रहा।

श्री उपाध्यक्षः आप समय का भी ध्यान रखे। समय का भी ध्यान रखे।

चौधरी बंसी लालः मै समय का पूरा ध्यान रख रहा हूं। और उपाध्यक्ष महोदय, अगर वो टैण्डर ये फाईनेर्लाज करते य अब तक दूसरे टैण्डर मांग कर भी फाईनेलाईज करत तो फाईनेलाईज हो गया होता। उपाध्यक्ष महोदय, कॉटन की फसल बर्बाद हो गई, पूरी स्टेट में बर्बाद हो गई, किसी की थोड़ी बहुत जमीन बच गई हो तो मै कह नही सकता। उसका किसान को मुआवजा मिलना

चाहिए और मुख्य मंत्री जी ने व्यापारियों पर जो टैक्स लगाया क्या इन्होने इस टैक्स को कम किया? ओर इन्होने प्रौफै ानल टैक्स भी लगा दिय एण्ट्री टैक्स भी लगा दिय, दुकानदारों के ऊपर फार्म–38 भी लगा दिया इसकी मैने उस वक्त कभी मुखालात की थी ओर जैसे मैने बताया लकड़ी पर जो लगाया वह इन्होन हटा भी लिया। हलवाई के ऊपर नौ हजार रूपये का भी भट्टी लगा दिया हलवाई हर चीज उपाध्यक्ष महोदय, सेल टैक्स दे कर खरीद कर लाता है, वह खुद क्रूा करता है, मजदूरी भाामिल करता है, उसके ऊपर भी टैक्स लग गय। हाउस टैक्स की बात सदन में कल भी चल रही थी, मैदान में भी चल रही है। उपाध्यक्ष्प महोदय, ऐसी ऐसी किसाले है ंकि एक दुकान का किराया साल में आत है। 700 रूपये ओर हाउस टैक्स बनता है 2400 रूपये, दुकानदार क्रूा करेगा वेा दुकार ही छोड़ देगा मालिक उसका और क्या करेगा? बड़े बड़े सेठ साहुकार हवेलिया भाहरेां में बना–बना कर देसावर में कमाने चले गये वहां रहने लग गए। किराया तो आता है। 50 रूपये साल का बड़ी हवलेी का जिसमें 20–30 कमरे है और उसके ऊपर टैक्स का ठिकाना कोई नही। जमीन उस वक्त खरीदी थी बीघें के हिसाब में, मरलों के हिसाब में, गजों के हिसाब में नही थी। आज सरकार कहती है कि उसकी कीमत लगाओं कि आज का मार्किट रेट क्या है ते उसको किराया भी वही दिलवा दो, जो आज का मार्किट रेट है उसी हिसाब में, गजों के हिसाब मे नही थी। आज सरकार कहती है कि उसकी कीमत लगाओं कि आज का मार्किट रेट क्या है तो उसको किराया भी वही दिलवा दो, जो

आज का मार्किट रोट है उसी हिसाब से उस मकान का ओरउपाध्यक्ष महोदय, लॉ एण्ड ऑर्डर की बात आई यह बात टईीक है कि प्रदे ा में लॉ एण्ड आर्डर की हालत खराब है मगर इसका कारण भी मै बताना चाहूंगा थोड़ा मै भी जानत हूं। दिल्ली ओर उत्तर प्रदे ा की जो प्रोक्समिटी है उसकी वजह से भी हमारे यहां क्राईम बढ़ता है जैसे फरीदाबाद है, गुडगांव है, झज्जर जिला है औरइधर सोनीपत जिला है, पानीपत जिला है, करनाल जिला है इसमें उत्तर प्रदे ा का या दिल्ली का क्रिमिनल आएगा क्राईम कर के भाग जाएगा और एक बीमारी ओश्र हो गई आजकल कि घर–घर में बच्चे–बच्चे के पास कट्टे हो गए कहां से आए पात नही? (विध्न एवं भाोर) मैने किसी को नही दिलाया मैने कट्टा किसी को दिलाया न मैने आत तक कोई देखा। उपाध्यक्ष महोदय, जैसे पानीपत जिले में ट्रेन लूटी गई, पानीपत जिले में दो बसे ने ानल हाईवे पर लूटी गई तो पहले सरकार ने फैसला किया था कि ये पुलिस की गाड़ियां चालएंगे उनकी बीट बना कर चलाएंगे तो उसके ऊपर इनको यह कहरना चाहिए कि उसकी बीट लम्बी है। थोड़ी छोटी कर दें कुछ गाड़िया ज्यादा लगा दें ओर एक काम में सरकार को यह भी सुझाव देना चाहता हूं कि जैसे पानीपत से रोहतक की सड़क बड़ी खतरनाक है। अखबार में यह भी लिखा था, उस सड़क के ऊपर थोड़ी सी ज्यादा पैट्रोलिंग कर दें और हिसाबर से दिल्ली के बची में भी पैट्रोलियंग बढ़ाएं, वहां भी क्राईम बहुत होता है।

श्री उपाध्यक्षः वाईड अप करे चौधरी साहब।

चौधरी बंसी लालः मै तो आप कहोगे जभी बैठ जाऊंगा मै तो बात काम ही कर रहा हूं।

श्री उपाध्यक्षः आप एक मिनट में पूरा करें।

चौधरी बंसी लालः मै जाहं क्रिटिसईज कर रहा हू। वहां सुझाव भी साथ दे रहा हूं। सुझाव पसन्द न हो तो बैठ जाऊं।

श्री उपाध्यक्षः नही–नही, आप एक मिनट में अपनी बात समाप्त करे। आपको सारी सुनेंगे।

चौधरी बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, अगर आप यह कहत `है कि एक मिनट में वाईड आप करेां तो एक मिनट तो होगया सांस लेते ही एक मिनट हो गया। मै इन भाब्दों के साथ समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री कर्ण सिह दलालः उपाध्यक्ष.....

श्री उपाध्यक्षः दलाल साहब, प्लीज आप बैठे। अब धर्मबीर जी बोलेगे।

श्री धर्मबीर सिंह (तो ाम): उपाध्यक्ष महोदय, मेरी पार्टी जो अवि वास प्रस्ताव सरकार के खिलाफ लाई मै। उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। चौटाला साहब की सरकारने प्रदे ा की हर नहर पर, बसों पर हरी स्याही से यह लिखवा दिया

है कि ऐसी सरकार दोबारा नही आयेगी जिसके भाासन काल में हर नहर की टैल पर पानी पहुंच रहा है, लोगों को पूरी बिजली मिल रही है, जबकि वास्तव मे ंऐसा नही हैं खासकर डब्ल्यू0 जे0 सी0 कैनाल में टेल तक पानी नही पहुंचता। बहुत सी ऐसी कनैनालज है जिनके बनने से लेकर आज तक टेल पर पानी नहीपहुंचा है। हालिकंकि उस केनालज पर कैनाल वाटर बेस्ट सप्लाई स्कीम बनी हुइ है। उदाहरिण के तौर पर सिवानी फीडर, देवसर फीडर, लीनान फीडर, सण्डवा फीडर, किडौला फीडर, कैरू माइनर, भिवानी फीडर ओर मोतीपुरा आदि फीडरों मे ंपानी की बहुत समस्या है। किसी भी नहर की टेल पर पानी नही पहुंचा है। इसी प्रकार से न्यू सिवानी फीडर, जो जींद जिले के रामथल गांव से निकलती है, वह पिछले 30 साल से 141 क्यूसिक्स की बनी हुई है। नहरी पानी के लिए सरकार 6–6 महीने के रोटे ान प्रोग्राम बनाती है। इस बार नवम्बर महीने से सरकार ने चार रोटे ान सिस्टम भाुरू किये है। उसी नोटिफिके ान मेरे पास हैं इन नोटिफिके ान में उस न्यू सिवानी फीडर को ही छोड़ दिया गया है। जिसकी वजह से उस फीडर से जिन 150 गांवों को पानी नही मिल रहा है। उन गांवों के लोग बीमार हो गए है ओर प ाु मर रहे है। बालसंमद माईनर और पेटवाड़ माईनर और पेटवाड माईनर की टेल का पानी न्यू सिवानी फीडर में आता था लेकिन बाल समंद माईनर ओर पेटवाड़ माईनर की टेलों पर पानी न पहुंचने से उनका पानी भी न्यू सिवानी फीडर में नही आ रह हैं सबसे बड़ी बात तो यह है कि प्रदे ा में रामराज्य कहने वाली सरकार न्यू

सिवानी फीड को ही बंद कर चुकी है जो पिछले 30 साल से चल रही थी। मैने न्यू सिवानी फीडर के बारे में एक काल अटैं ान मो ान का नोटिस दिया था लेकिन यह रद कर दिया गया। मेने उस काल अटैं ान मो ान के नोटिस के साथ, उस फीडर को बंद करने के सरकार के जो आदे ा है। उसकी कापी भी लगाई थी। पिछले कई सालों से गोविन्द सागर का वाटर लैवल काफी ऊपर आ गया है। उसके बावजूद भी गांवों मं पीने के पानी की और इरीगे न के लिए पानी की कमी है। अगले साल फरवरी के महीने में पंजाब प्रदे ा में चुनाव होने जा रह है। कही ऐसा तो नही है कि वहां पर अकाली दल की सरकार बनवाने के लिए हमारे हिस्से का पानी पंजाब के किसानों को दिया जा रह हो। बिजली के बारे में माजरा साहब ने बहुत से नए सब–स्टे ान बनाने क लिए नाम गिनवाए लेकिन मै उसनसे कहना चाहता हूं कि दक्षिणी हरियाणा के किसी भी गांव में 5 या 6 घंटे से ज्यादा रैगुलर बिजली नही जा रही है। वहां पर कई ट्रांसफार्मर्ज ऐसे लगा रखे है। जो एक घंटे में 60 बार ट्रिपिंग करते है ि ाक्षा मंत्री जी का अपना खुद का गांव इफैक्टिड है।

ि ाक्षा राज्य मंत्री (चौधरी बहादुर सिंह): मेरे गांव में ऐसी कोई प्रॉब्लम नही है वहां पर रैगुलर बिजली आ रही है।

श्री धर्मबीर सिंहः अम्बाला डिविजन और करनाल डिविजन के इलाकों में गेहूं बाद में बोया जाता है लेकिन दक्षिणी हरियाणा के इलाकों में चेने और सरसों की बिजाई 20 नवम्बर

तक हो जाती है और दक्षिणी हरियाणा के इलाकों में गेहूं की फसल भी अगेती बोई जाती है। इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना है कि दक्षिणी हरियाणा को एक महीने तक लगातार पूरी बिजली दी जाए ताकि उस इलाके में ज्यादा पैदावार हो सके। इसके साथ साथ मेरा सुझाव है। कि बी0 बी0 एम0 बी0 से जिस रोट पर बिजली मिलती है। वह उसी रेंट पर हरियाणा प्रदे ा के किसानों को दी जाए और जिस रेट पर हाईडल प्रोजैक्ट से बिजली मिलती है वह भी उसी रेट पर हरियाणा प्रदे ा के किसानों को दी जाए। इसके अलावा मैं एक सुझाव भी देना चाहूंगा। सदन के अन्दर 15–16 ऐसे विधायक है जिनका इलाका रेगिस्तानी हे। चाहे उनविधायकों को ताल्लुक इनेलो से हो, चाहे हरियाण विकास पार्टी से हो और चाहे वह आजाद उम्मीदवार हो, जैसे सरकार ने ि ावाललिक डिवैल्पमैंट बोड जाना चाहिए ताकि उस क्षेत्र के विधायकों के इलाकों का अच्छी तरह से विकास हो सके ओर उनके इलाके के लोगों को सहूलियतें मिल सकें। जहां तक कपास कासवाल हे, इस साल प्रदे ा के किसानों की कपास की फसल तबाह हो गई है। जब चौधरी भजन लाल जी हरियाण प्रदे ज्ञ के मुख्यमंत्री थे उस समय हरियाणा प्रदे ा में बाढ़ आइ थी उस कारण उस समय प्रदे ा के किसानों ने गेहूं नही बोया था और जिन किसानों ने उस समय गेहूं लेट बोया था उस गेहूं की पैदावार नही हुई थी। चौधरी भजन लाल जी ने उस समय चार हजार रूपये प्रति एकड़ के हिसाब से किसानों को बाढ़ के कारण हुए नुकसान का मुआवजा दिय था। इसलिए मै सरकार से

प्रार्थना करना चाहूंगा कि इसबार जिन किसानों की कपास की फसल बर्बाद हो गई है उन किसानों को हरियाणा एग्रीकल्चरल माकिटिंग बोर्ड से पैसा लेकर मुआवजा दिया जाए। कल बहस के दौरान सरकार ने बताया था कि पहली बार एच0 आर0 डी0 एफ0 का करोड़ों रूपया हरियाणा प्रदे ा के हर हल्के में विकास के लिऐ दिया गया है। इस बारे में मै सरकार से कहना चाहूंगा कि विकास के कार्यो के लिए दिया गया वह पैसा जो किवास समितियों बनई हुर्ठ है , चाहे वे किवास समितियों कैसी भी है, उनके माध्यम से खर्च करवाएं, पंचायती राज के एक्सीयन के माध्यम से वह पैसा खर्च न करवाएं क्योंकि महकमें के अधिकारी रि वत लेकर अपनी मन मी से ईटे वगैरह लगवाते है। इसके अलावा मै एक छोटा सा सुझाव हैल्थ डिपार्टमैंट के बारे में देना चाहूंगा। स्वास्थ्य मंत्री रंगा साहब हाउस में बैठे है। मै इनको बताना चाहूंगा कि आपके महकमें द्वारा नकली दवाईया खरीदी जाती है इसलिए अगर कोई आमदी बीमार हो जात है तो उसका सही इलाज नही हो पात हैं मै कहना चाहूंगा कि दवाईयों की खरीदो–फरोखत सैट्रेलाइज होनी चाहए। इसके साथ–साथ मै यह भी कहना चाहूंगा कि डिस्ट्रिक्ट हैडक्वाट्रर्ज पर दवाईयों का बजट बढ़ाया जाएं इन भाब्दों के साथ मै। आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं। जय हिन्द।

श्री कृश्णपाल गुज्जर (मेवला महाराजपुर): उपाध्यक्षम होदय, कांग्रेस पार्टी ने सरकार के खिलाफ जो अवि वास प्रस्ताव

रखा है मै उसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। उपाध्यक्ष महोदय, अपनी इस सरकार को बने हुए लगभग 2 साल से ज्यादा का समय हो गया है। सरकार ने इस अवधि के दौरान अच्छे काम भी किए है। लेकिन जो कमियों सरकार की तरफ से रह गइ है उनके बारे में बताना मेरा फर्ज भी है, कर्म भी है। और धर्म भी है। उपाध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं मुख्य मंत्री जो का ध्यान अपनी कही हुई बातें जो इन्होने चुनाव से पहले की थी, उनकी तरफ दिलाना चाहूंगा। इन्होने चुनाव से पहले प्रदे ा की जनता से कहा था कि मै हरियाण के लोगों को ऐसा राज दूंगा जिस राज में हरियाणा मं रहने वाली बहने राम के 12बजे भी गहने पहन कर सड़कों पर निकल सकेगी। हम भी उम्मीद करते थे कि वह सपना साकार होगा, वह सपना पूरे हरियाणा की जनता का था, वह पूरा होगा लेकिन अफसोस की बात है कि ऐसा नही हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, सथ ही साथ ये यह भी कहा करते थे कि जो लुटेरे है, हत्यारे, बेईमान है या राहजनी की घटनाएं करने वाले है वे सभी जेलों की सलाखों के पीछे थे उनको रिहा किया जा रहा है। आज प्रदे ा में राहजनी की घटनाएं बढत्र रही है। ऐसे लोगों को दिलों में कानून–व्यवस्था का कोई भय नपही है क्योंक वे सोच रहे है कि जो लोग हत्या करने वाले थे या डकैती के मामले में जेलों में थे उनको यह सरकार रिहा किया जा रहा है तो फिर उनको मन में भी कानून के भय को कोई डर नही रहेगा इसलिए ये घटनाएं बढ़ रही है। उपाध्यक्ष महोदय, कानून–व्यवस्था

की स्थिति के बारे में पछिले डेढ़ वर्श की स्थिति के बारे में इण्डिया टूडे में एक खबर लगी है।

श्री उपाध्यक्षः कृश्णपाल जी, आप समय का ध्यान रखते हुए अपनी बात कहिए।

श्री कृश्णपाल गुज्जरः उपाध्यक्ष होदय, मै किनत`समय में अपनी बात समाप्त करूं।

श्री उपाध्यक्षः जितना समय दूसरें मैम्बरों को मिला है उसी हिसब से अपप भी अपनी बात कहने की कोि ा ा करें।

श्री कृश्णपाल गुज्जरः उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार ने मिट्ठू सिंह नाम के एक व्यक्ति को रिहा कर दिय जिसको सिरसा की एक अदालत ने हत्या के केस में उम्र कैद की सजा दी थी और जिसकी अपील हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने खारिज करदी थी। सरकार ने 11.08.2000 को उस व्यकि के रिहाई के आदे ा जारी कर दिये। इसी तरह से सर्बजीत सिंह जिसे 24 मई, 1994 को उम्र कैट की सजा हुई थी.....

श्री अभय सिंह चौटालाः ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर।

श्री उपाध्यक्षः कृश्णपाल जी, आप एक मिनट बैठिये। अभय जी प्वायंटा ऑफ आर्डर पर कुछ कहना चाहते है। अभय सिंह जी, आपन अपना प्वायंट ऑफ आर्डर पूछिऐ।

श्री अभय सिंह चौटाला: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि मेरे सम्मानित साथी ने अभी इस बात की चर्चा की कि सरकार ने मिट्ठी सिंह जिसको सिरसा की अदालत ने 20 साल की उम्र कैद की सजा दी थी उसको छोड़ दिया। उपाध्यक्ष महोदय, मै इनकी जानकारी ओर सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि यह मिट्ठू सिंह मेरी कान्स्टीच्यूएंसी के थिराज गांव का रहने वाला है। दो परिवारों के आपस में 8 कत्ल हो चुके हे। मैने और सरदार जसविन्दर सिंह जी ने इन दोनों पाटियों को आपस में बैठाकर फैसला करवाया और उनका आपस में राजीनामा करवाया है। दोनो पर्टियों करवाये गए राजीनामा से सहमत हो गई। इनके सहमत होने के बाद ही मेरे हल्के की 90 की 90 पंचायतों ने इस राजीनामें के बाद सरकार को लिख कर निवेदन किया कि इनका आपस में फैसला हो गया है इसलिए इन परिवारों की भलाई को ध्यान में रखते हुए मिट्ठू सिंह की कैद से रिहाई के लिए गवर्नर महोदय, से निवेदन किया जाए ताकि ये दोनो परिवार आपस में भाांतिपूर्वक रह सकें। पंचायतों द्वारा लिखने के बाद ही मिट्ठू सिह की रिहाई के लिए गवर्नर महोदय, को सरकार की तरफ से दरख्वास्त की गई कि इसको छोड़ दिया जाए। मेरे कहने का मतलब यही है कि मेरे हल्के की सभी पंचायतों के रैज्योल्यू ान सरकार के पास आने के बाद ही सरकार ने गवर्नर महोदय, को मिट्ठू सिंह की रिहाई के लिए निवेदन किया। इसके बाद ही गवर्नर महोदय ने उसकी रिहाई

के आदे ा जारी किए है। गवर्नर महोदय के आदे ा जारी होने बाद ही उसको रिहा किया जा सका।

श्री कर्ण सिंह दलालः ऑन ए प्वायं ऑफ आर्डर सर।

श्री उपाध्यक्षः कर्ण सिंह जी, आप बैठिये। प्वायंट आफ आर्डर पर प्वायंट आफ आर्डर नही हुआ करता। कृश्णपाल जी, आप कन्टीन्यू करें। (विध्न) अभय सिंह जी तो प्वायंट आफ आर्डर पर बोल रहे थे। दलाल साहब, अब आप बैठिए।

श्री कर्ण सिह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुनिए।

श्री उपाध्यक्षः दलाल साहब, आप बैठे, आपको फिर बोलने कामौका किलेगा।

श्री कर्ण सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिए।

श्री उपाध्यक्षः मै तो आपको स्टुडैंट लाइफ से अब तक सुनता ही आ रहा हूं।

श्री कृश्णपाल गुज्जरः उपाध्यक्ष महोदय, भाई अभय सिंह जी ने कहा कि उनका आपस में राजीनामा करवाया गया बहुत बढ़िया बात है लकिन में इनसे पूछना चाहूंगा कि इसी तरह के राजीनामा क्या पूरे प्रदे ा में करवानक का काम करेगे? अगर ये ये करेगे तो फिर तो प्रदे ा में झगड़े ही समाप्त हो जाएंगे।

श्री कर्ण सिंह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार पूरे प्रदे ामें इसी तरह से राजीनामें करवाएगी और उनको जेलों से छुडवाएगी?

श्री कृश्णपाल गुज्जरः उपाध्यक्ष महोदय, अगर मै सबी डिटेल दूंगा तो काफी समय लग जाएगा इसी तरह से सरमीत सिंह, सती ा कुामर जगतार सिंह, हिम्मत सिंह, सतबरी सिह आदि ऐसे कइ लोग है जिन पर हत्याओं के केसिज है। इन सब केसिज में पिछडे डेढ साल में लोगों में लोगों को रिहा किय गय है। मेरे पास डेटवाइज सारा रिकार्ड मौजूद है।

श्री उपाध्यक्षः कृश्णपाल जी, आपको बोलते हुए सात मिनट हो गए है अब आप चाह तो किसी देसेर मुद्दे को ले ले। मै आपको सुझाव देना चाहता हूं। क्योकि आपको कल भी बहुत समय बोलने के लिए दिया गया था अब हमें दूसरे सदस्यों को भी बोलने का समय देना हैं।

श्री कृश्णपाल गुज्जरः उपाध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि कानून व्यवस्था की जो स्थिति आज हो रही ह उसके कारण आज हरियाणा में कोई दिन ऐसा नही जाता, कोई रात ऐसी नही जाती जब कोई हत्या, कोई डैकती, कोई अपहरण या कोई बलात्कार न होता हो। उपाध्यक्ष महोदय, परसों मै अखबार पढ रहा था उसमें लिखा कि एक मिहला के साथचार

महीने तक लगातार बलात्कार होता रहा लेकिन किसी को पता नही चला। इसी तरह से फरीदाबाद में कोई दिन ऐसा नही जाता जिस दिन हत्या, डकैती, अपहरण या बलात्मकार की घटनाएं न होती हो। पसरेवा कालेनी में एक परिवार के दो मासूम बच्चे रहते थे अब तै जिला प्र ाासन को क्या कहूं। लेकिन उन दो मासूम बच्चों की ला ा ही मिली। आज तक भी उनके हत्यारों का पता नही चला है। दो महीने इस बात को हो गये। इसी तरह से फरीाबदाब की महरूम कालेनी में 22 अक्टूबर को हत्या हुई, रोहतक में पैट्रोल पम्प को लूटा गया, पानीपत में गोहाना रोड़ पर भी पैट्रोल पम्प को लूटा गया, पानीपत में गोहाना रोड़ पर भी पैट्रोल पम्प को लूटा गया। इसी तरह से रोहतक जेल से अपराधी चिट्ठी लिखकर फिरोती की मांग रते हे। इसी तरह से रिवाड़ी जिले के बांव डवाना में दो युवकों की हत्या की गयी। इसी प्रकार से फरीदाबाद के सैक्टर 9 के डा0 हरी ांकर की हत्या हुई। इस केस में दो निर्दोश लोगों को पकड़कर जेल में डाल दिया गया लेकिन एक महीने के बाद जब असील हत्यारा पकड़ा जात है तब उन दो निर्दोश लोगों को छोड़ा जाता है अब आप ही बताएं कि उनको कहा से इन्साफ मिलेगा? असली हत्यारा तो पकड़ा नही जाता और बेकसूर लोगों को परे ान किया जात ाहैं

श्री उपाध्यक्षः गुर्जर साहब, अब आप वाईंड अप करें।

श्री कृश्णपाल गुज्जरः उपाध्यक्षम होदय, प्रदे ा में कितने अपराध हुए ओर उनमें भाामिल कितनी अपराधी ट्रेस हुए

और कितने अनट्रैस हुये, इसबारे में मेरा जो सवाल था वह आज लगा नही है। कानून व्यवस्था की ओर भी बहुत सी चीजें है मै उन पर बोलना चाहता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, आप काबिल है, लायक है इसलि आप जानते ही है कि जब भी अवि वास प्रस्ताव सरकार के खिलाफ आता है तो उसमें मैम्बर को बोलने की छूट होती है। इस समय अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा चल रही है इसलिए अगर इस समय कोई मैम्बर बोलना चाहता है तो उसके लिए कोई समय सीमा नही होनी चाहिएं

श्री उपाध्यक्षः समय सीमा तो रखनी ही पड़ेगी

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, फिर भी आप मैम्बर को तो बोलने का समय दे।

श्री कृश्णपाल गुज्जरः उपाध्यक्ष महोदय, राम पाल माजरा जी विकास के कार्य हो रहे है। मेरी कांस्टीच्यूंसी में आगरा कैनाल पर पल्ला पुल वर्शो से टूआ पड़ा है जो सरकार द्वारा किए गए विकास की कहानी आपने आप कह रहा है। पल्ला पुल वर्शा से टूटा पड़ा है जो सरकार द्वारा किए गए विकास की कहानी अपने आप कह रहा है। पल्ला पुल से हजारों लोगों को रोजाना आना जाना है। (विध्न)

न्गर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश गोयल): उपाध्यक्ष महोदय, प्वायंट ऑफ आर्डर है। सम्मानित सदस्य ने कुछ नामों का

हवाला दिया कि इस सरकार ने यह गुनहगार छोड़े। इनके वक्त में इन्होने हांसी के दो व्यक्तियों को छोडने की खुद सिफरा ि। की थी। इसके अलावा इनकी बसों में इनके ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर होत हुए भाराब पकड़ी गई। यह ठीक है कि भारतीय जनता पाअी सबसे ज्यादा रामराज्य कायम करने की पक्षधर है। लेकिन कृश्ण पाल गुर्जर की बसों में उस वक्त जो कार्यवाही हुई, वह जग जाहिर है, कहने की बात नही है।

श्री कृश्णपाल गुजरः बस किसी की भी हो, कोई सवारी भाराब लेकर बैठ जाए तो कोई क्या कर सकता है? जहां तक किसी को छोड़ने की बात है, हम तो सरकार में भी भागीदार थे इसलिए छोडऋ दिया होग,ा मेरी कोई सिफारि ा नही थी। जहां तक बस में दारू पकडन्े की बातहै यदि बस में कोई सवारी दो बोतल लेकरबैठ जाएं तो हमार क्या दोश है, लेकिन मै फिरभी कहनाचाहूंगा कि उस सरकार में ट्रांसपेरसी थी। अगर कोई मंत्री भी पकड़ा जाता था तो उसके खिलाफ केस रजिस्टर होता था लेकिन आज तक ट्रक दारू पकड़ी जाती है तो इनेलो नेता के कहने पर उसको एक ट्रक की बजाय एक कट्टा पकड़ा हुआ दिखाया जाता है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः गुर्जर साहब, आप वाइंड अप करें।

श्री कृश्णपाल गुज्जरः उपाध्यक्ष महोदय, पुलिए विभाग के बारे में जो बयान आया था मै उसके बारे में ध्यान दिलाना

चाहता हूं। पुलिस विभाग की तरफ से यह स्टेटमैंट दी गई थी कि धारा 161 के तह किसी हत्या के सजायाफ्ता कैदी के छोटे बच्चे है, किसी के बूऐ सख्त बीमार मां बाप है इसलिए इनको छोड़ा गया है मै सरकार से पूछना चाहूंगा कि राज्य की जेलों में कितने कैदी ऐसे है जिनके बच्चे छोटे है जिनके बूढ़े मां बाप सख्त बीमार है, क्यो उनको भ्झी सरकार का छोड़ने का इरादा है?

श्री उपाध्यक्षः आप एक मिनट के अंदर वाइंड अप करें।

श्री कर्ण सिह दलालः उपाध्यक्ष महोदय, मै एक सुझाव देना चाहूंगा कि हरियाणा सरकार इसके लिए एक सैल क्यों नही खोल देती हैं अग ऐसा हो जाए तो फिर किसी को हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट में जाने की जरूरत नही रहेगी। इस बारे में हरियाणा सरकार फैसला करें। (विध्न)

श्री कृश्णपाल गुज्जरः उपाध्यक्ष महोदय, हरियाणा के इंजीनियरिंग कॉलेज में पिछड़े छात्रों को रिजर्वे ान देने की बात थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि प्राइवेट इंजीनियकरिंग कालेजों में रिजर्वे ान नही होगा। गवनर्ममैंट समें अमैडमैंट लासकती थी, उसमें नोटिफिके ान कर सकती थी। जब हाई कोर्ट ने कह दिया था कि सरकार निर्णय करें ओर एक कहीने कासमय भ दिया गफिर भी सरार ने इसबारे में कोई निर्ाय नही किया। बोद में होई कोर्ट में कंटैम्पट ऑफ कोर्ट हुइ। इस से पता चलता है कि सरकार पिछड़ऋे छात्रौं को हितों के बारे में कितनी गंभीर है?

आज प्रदे ा के पिछड़े छात्रों में काफी आक्रो ा है, रोश है। मै टैक्सिज के बारे में नही कहना चाहता हूं।

श्री उपाध्यक्षः टैक्सों के बारे में आप कल कह चुक है। कैप्टन अजय सिंह इस मो ान के मूवर है। इसलिए कैप्टन अजय सिंह बोलेगे। आपको 15 मिनटा समय दिया जा चुका है। आप बैठ जाएं। (विध्न)

श्री कृश्णपाल गुज्जरः आज हरयिाणा में क्या दिक्कत है, क्या स्थिति है उसके बारे में मै हाउस के नोटिस में लाना चाहता हूं फरीदाबाद में ऐस्कॉर्टस में 78 दिनों से हडताल चल रही है। ओर उससे फारीदाबाद बर्बाद हो रहा है, हरियाण सरकार को 30 करोड़ रूप्ये के राजस्व का नुकसान हो गया है। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः आप बैठ जाए।

श्री कृश्णपाल गुज्जरः अंत में मै एक बात कहकर स्थान लेना चाहता हूंथ्क यह जो अवि वास प्रस्ताव रखा गया है मै इसका विरोध करता हूं।

श्री उपाध्यक्षः कैप्टन साहब, क्यों अपनेय हा नो कोन्फीडैंस मो ान मूव करते समय भी कुछ समय लिया था इसलिए अब आप जल्दी वाईड अप करें। मेने आपको दोबारा बोलने का समय दे दिया है।

कैप्टन अजय सिह यादव (रेवाड़ी): उपाध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी ने आज सरकार के खिलाफ जो नो कोन्फीडेंस मो ान दिया है मै उसके पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। खासतौर से मै प्रदे ा में जो कानून व्यवस्था की हालत है उसके बारे में बोलना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, आज यह सकरार प्रदे ा मे अमन चैन की बात करती हैं प्रदे ा में यह हालत हो गई है कि आज सरकार ने 13 ऐसे कैदियों को रिहा कर दिया है जे जघन्य हत्याकाण्ड में सम्मलित थे। अनेक चोरी, डकैती के मामले उनके खिलाफ दर्ज थे। उपाध्यक्ष महोदय, जिस प्रदे ामे ऐसे आदमियों को जेलों से रिहा गया जाये जिनको उम्र कैद की सजा हुई हो और सैक ान 161 का दुरूपयोग किया जाये तो उस प्रदे ा की कानून व्यवस्था कैसी होगी। इसका अनुमान सहज लगाया जा सकता है। जिस प्रकार मिठ्ठॅ सिंह के 11 अगस्त को रिलीज कर दिया गया। (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः आप रिपीट न करें इनका नाम पहले लिया जा चुका है।

कैप्टन अजय सिह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकर री रेलू राम जी, जो एक्स एम0 एल0 ए0 थे और उनके परिवार को किसी प्रकार कत्ले आम किया गया ओर जो कातिल थे उनको बचा लिया गया तथा उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज नही किया गया।

श्री पूर्ण सिंह डाबराः उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि रेलूराम हत्याकाड़ में 10 आदमियों को गिरफ्तर किया था जिनमे ंसे तीन को तो जमानत पर रिहा कर दिया गया है और सात आदमी अब भी जेल में बंद है। इस कत्लेआम केस का मुकदमा हाईकेर्ट में सी0 बी0 आई को देने के वास्ते चल रहा है। इसलिए इस मैटर को यहा पर डिसकस न किया जाए क्येां यह मामला सब–ज्यूडिस हैं

कैप्टन अजय सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, अगर ऐसा परिवारके सिा ऐसी घट सकती है तो आप सोच सकते है कि बाकी जनता की क्या हालत होगीत्र जिस प्रदे ा के अन्दर डी0 सी0 के घर पर सी0 बी0 आई0 छापा मारे और जो डी0 सी0 फेक लाइसैंस और उनकी रिन्यूअल के मामले में सिलप्त पाया जाये फिरभी वह डी0 सी0 आज भी जिले का डी0 सी0 बरकारार हो तो यह क्या जाहिर करता है? मै सरकार से कहना चाहता हू। कि उसे ऐसे मामलों में ध्यान देना चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः कैप्टन साहब, वे समय डी0 सी0 गुडगांव और फरीदाबाद किसी की सरकार में थे। मेरी जानकारी के हिसाब से ये मामले ज्यादातर गुडगांव और फरीदाबाद से रिलेटिड है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः उपाध्क्ष महोदय, मामला चाहे गुडगांव का हो चाहे औश्र कही का हो, चाहे किसी भी सरकार का हो परनतु ऐसे डी0 सी0 को तुरन्त हटा देना चाहिए जिसके

खिलाफ सी0 बी0 अई0 इन्टरोगे ान कर रही हो, ऐसी बात से सरकार की ओर प्रदे ा की फजीहत होती है। यह बात टीक नही है। इसी प्रकार हमरे इलाके रेवाड़ी के कुण्ड कस्बों में एक ि ाक्षक को दिन दिहाडे मार दिया गया और ससे पैसे छीन लिये गये आज तक एक भी आदमी को पुलिस ने गिरफ्तार नही किया है और न ही कोई पैसा वसूल किया है। मैने और रंगा साहब ने काफी कोि ा ा की लेकिन अफसोस की बात है कि आज तक किसी असम आदमी को नही पकड़ा गया हैं

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डॉ0 मुन्नी लाल रंगा): उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि उस दिन मै खुद पुलिस के सथ कुण्ड मे ंरात के डेढ़ बजे तक रहा। जो असली काति थे वे उसी गांव के रोहता ा यादव नाम के आदमी के घर में छुप गये। माननीय सदस्य को सरकार पर ऐसा आरोप नही लगाना चाहिए। मै उनकी जानकारी क लिए बताना चाहता हूं कि सभी अपराधियों को पकड़ लिया गया है।

कैप्टन अजय सिंह यादव: उपाध्यक्ष महोदय, मामला चाहे गुडगांव का हो चाहे और कही का हो, चाहे किसी भी सरकार को हो परन्तु ऐसे डी0 सी0 को तुरन्त हटा देना चाहिए जिसके खिलाफ सी0 बी0 आई0 इन्टरोगे ान कर रही हो, ऐसी बात से सरकार की ओर प्रदे ा की फजीहत होती है। यह बात ठीक नही है। इसी प्रकार हमारे इलाके रेवाड़ी के कुण्ड कस्बे में एक ि ाक्षक को दिन–दिहाड़े मार दिया गया और उससे पैसे छीन

लिये गये आज तक एक भी आदमी को पुलिस ने गिरफ्तार नही किया है और न ही कोई पैसा वसूल किया है मैने और रंगा साहब ने काफी कोि ा ा की लेकिन अफसोस की बात है कि आज कि किसी असल आदमी को नही पकड़ा गया हैं

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डॉ0 मुन्नी लाल रंगा): उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्ये से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि उस दिन में खुद पुलिस के साथ कुण्ड में रात के डेढ़ बाजे तक रहा। जो असली काति थे वे उसी गावं के रोहता ा यादव नाम के आदमी के घर मे घुस गये। माननीय सदस्य को सरकार पर ऐसा आरोप नही लगाना चाहिए। मै उनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि सभी अपराधियों को पकड़ लिया गया है।

कैप्टन अजय सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, मै रंगा साहब को बताना चाहूंगा कि आज के दिन तक एक भी पैसा वसूल नही हुआ है ओर एक भी असली आदमी नही पकड़ा गया हैं यह सरकार भाई कृश्णपाल गुज्जर की बस से एक बोतल भाराब पकड़ने की बात करती है जबक करनाल के डी0 सी0 के घर से 85 बोतल विदे ाी भाराब की पकड़ी गई है लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नही हुई हैं

श्री उपाध्यक्षः कप्तान साहब, बंसीलाल जी बैइे नही वरना उनसे पूछते।

कैप्टन अजय सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, इस सरकार के अन्दर एक हरिजन भाई को पुलिस हिरासत में मार दिया गया ओर पुलिस की वज से ही वह मारा गया ंहमने डी0 सी0 से मांग की कि उसकी बेवा और दो छोटे–छोटे बच्चे है। उनको रैडक्रास मे ंरहने की जगह दे दो। उपाध्यक्ष महोदय, नौकरी की बात तो दूर उसको एक नया पैसा नही दिया गया। इस केस की बाकायदा कार्यवाही होनी चाहिए लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई।

श्री भागी रामः उपाध्यक्ष महोदय, कैप्टन साहब हरिजनों के हितै ी बन रहे थे, मै आपको बताना चाहूंगा क कल रात श्री रिसाल सिंह के यहां हमारा खाना था लकिन सिी भी कांग्रेस के सदस्य ने वहां इसलिए खाना नही खाया क्योंकि वह रिजन के घर का खाना था। (ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी के अध्यक्ष, श्रीमती अनीता सादव ओर हुड्डा साहब उस थाने में गए जाहं उस हरिजन भाई की मौत हुई थी। (ाोर)

श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डाः उपाध्यक्ष महादेय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है, भागी राम जी जो कह रहे है अगर रिसाल सिंह जी खुद कहते तो ठीक बात होती। कांग्रेस दलितों के हितैशी पार्टी है, यह सरकार तो दलितों की दु ामन है, ये तो दलितों को बर्बाद करने में लगे हुए हैं

श्री भागी रामः उपाध्यक्ष महोदय, मै कांग्रेसी सदस्यों को रिसाल सिंह के यहां जाने या न जाने के बारे में नही कह रहा, मै तो कह रहा हूं कि इन्होने वहां पानी तक नही पिया। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः भागी राम जी, आप बैठिए।

श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डाः उपाध्यक्ष महोदय, ये रिसाल सिंह वाल एक्सपंज करवाई जाए। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः आप बैठे। (ाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः उपाध्यक्ष महोदय, ओम प्रका ा चौटाला जी जब इधन विपक्ष में बैठा करते थे तो कहा करते थे कि बंसी लाल जी ने भाराब की आड़ में हरियणा की जनता पर टैक्स लगा दिए लेकिन जब से ये सरकार आई है हमारे फाइनैंस मिनिस्टर भी बैठे है। मै उनसे पूछना चाहता हू कि हलवाई टैक्स के रूप में प्रोफै ानल टैक्स के रूप में, पब्लिक हैल्थ के नाम पर चार्चिज के रूप में, सीवरेज के नाम पर जो चार्जिज लगे ये सब टोटल कितने टैक्सिज लगाए गए है इनका पूरा ब्यौरा दें? (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, हाउस टैक्स का मुद्दा एक अहम मद्दा हैं। 2 तारीख को ऐतिहासिक बन्द था। (ाोर) रंगा साहब जातनेहै कि 10 अक्तूबर को रेवाड़ी के अन्दर एक भी चाय की दुकान तक नही खुली क्योंकि 10 अक्तूबर को रेवाडी बन्द हुआ था । उसी को देखते हुए हमारी पार्टी 2 तारीख को हरियाणा बन्द का आहवान किया

ओर यह बन्द बड़ा ही सफल हुआ। (ाोर) रंगा साहब भाहर की दुकाने खुलवानके लिए गए। आज के इतिहास मे ंपहले कभी ऐसा नही हुआ कि भाहर के मंत्री खुद भाहर में दुकाने खुलवाने के लिए जाएं। इनकी फजीयत हुई और लोगों ने इनके खिलाफ नारे लगाए।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

(i) स्वास्थ्य राज्य मत्री द्वारा–

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डॉ0 एम0 एल0 रंगा): अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेन ान है 10 अक्तूबर को रेवाड़ी का 100 प्रति ात बाजार खुला था और इस बात का सबूत यह है क मेरी गाड़ी बाजार में 100 की स्पीड पर गई। (ाोर)

(इस समय विपक्ष के कई माननीय सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो गए और हंसने लगे।)

मन्त्रिमण्डल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष: प्लीज आप सभी भाांति रखे और अपनी–अपनी सीटों पर बैठ जाऐ।

श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डा: अध्यक्ष महोदय, रंगा साहब कह रहे हैि क उनकी गाड़ी रेवाड़ी भाहर से 100 की स्पीकड से निकली थे। 100 की स्पीड से भाहर में गाड़ी तभी चल सकती है

जब बाजार बंदहों इससे जाहिर होता है। कि 2 अकतूबर को बंद सफल रहा था। (ाोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, 2 तारीख को बंद ऐतिहासिक बंद था। जींद में भी हमारे तीन विधायक थे वहां भी बंद सफल रहा, गुडगांव में भी बंद सफल रहां जनता में सरकार के खिलाफ बड़ा आक्रो ा है ंकि सरकार ने जनता पर हाउस टैक्स बहुत ज्यादा लगा दिया हैं यदि 5 प्रति ात कौस्ट ऑफ कंस्ट्रक ान के हिसाब से टैक्स लिया जायेगा तो जो दुकान बाजार के बीच मं है। उसके ऊपर 20 हजार से 25 हजार रूपये टैक्स बनेगा। गोयल साहब, आपको अगली बार लोग वोट नही देगें

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप चेयर को संबोधित करके बोले।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

(ii) नगर विकास राज्य मंत्री द्वारा–

नगर विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश गोयल): अध्यक्ष महोदय, मेरा पर्सनल सएक्सप्लने ान है। कैप्टन साहब ने मेरा नाम लिया हैं (ाोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, हाउस टैक्स के बारे में जो विपक्ष के भाईयों ने कहा हे कि उसके बारे में मै कहना चाहूंगा कि ये कैल्कुले ान करके देख लो, जो पुरानाटैक्स किराये पर बनता था, नई नीति के तहत उससे ज्यादा नही बनेगा।

मै इसको चैलेंज करता हूं विपक्ष के भाई ो पंचकुला के किसी मकान पर नई नीति क तहत कफल्कुले ान करके देख सकत है। (ाोर एवं व्यवधान)

मन्त्रिमण्डल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, जो हाउस टैक्स नई नीति के तहत मार्किट रेट के हिसाब से लगाया गया हैं उससे हाउस टैक्स 10 गुणा से लेकर 20 गुना तक बढ़ गया गय है। अध्यक्ष महोदय, कौस्ट ऑफ कंस्ट्रक ान के 5 प्रति ात के हिसाब से जो टैक्स लगाया गया है। It is just like a registry. इस बारे में कहना यह है कि चाहे सरकार ऑक्ट्राय लगाये लेकिन हरियाणा की जनता पर जो बहुत ज्यादा हाउस टैक्स लगाया गया है। इसे हटाया जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं जिस तरीके से नई हाउस टैक्स नीति के तहत टैक्स लगाया गया हैं उसके बारे में गोयल साहब के अलावा कोई दूसरा मंत्री नही बता सकता कि किस तहर से कल्कले ान करके टैक्स लगाया जा रहा हैं (ाोर एवं व्यवधान) यरि किसी दूसरे मंत्री को इस बारे में मालूम है तो हाउस को बताये। इनकीो सीधी तरह जितने गज का प्लाट है, उसी हिसाब से 2 रूपये, 5 रूपेय गज के हिसाब से जो भी ठीक होता टैक्स लगाना चाहिए था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः गुप्ता जी, प्लीट आप बैठे, गुप्ता जी आग्र जो कुछ भी बोले वह रिकार्ड न किया जाऐ। (ाोर एवं व्यवधान) कैप्टन साहब आप भी बैठें।

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, * * * * *

कैप्टन अजय सिंह यादवः अध्यक्ष महोदय, मुझे मेरी बात तो पूरी करने दो। उसके बाद में बैठ जाऊंगा।

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under rule 15.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move—

That the proceeding on the items of business fixed for today be exepmted at this day's sitting from the provisions of the Rule "Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the proceeding on the items of business fixed for today be exepmted at this day's sitting from the provisions of the Rule "Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker: Question is—

That the proceeding on the items of business fixed for today be exepmted at this day's sitting from the provisions of the Rule "Sittings of the Assembly', indefinitely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now, the Parliamntary Affairs Minister will move the motion under rule 16.

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर साहब, मै यह मो ान मूव करने से पहले एक बात कहना चाहूंगा। अभी मो ान अंडर रूल 15 स्वीकृत करने के बारेम ें मो ान मवू हुआ तो विपक्ष के नेता ने 'नो' कह दिया। स्पीकर सहाब, पता नही डनहोने किस बात के कारण 'नो' कह दिया। मो ान अंडर रूल 15 तक तक हहाउस का बिजनैस खत्म नही होता तब तक हाउय चलाने के लिए होती है इसलिए इस मो ान के जरिए सदस्यों को बोलनै के लिए ज्यादा समय मिलता है। यदि इनको वह मो ान मंजूर नही हाता है तो आज हाउस डेढ बजे तक चलना था। हम तो हाउस को मो ान अंडर रूल 15 के जरिए हाउस का समय डेढ़ बजे से आगे बढ़ाने के लिए कह रहे है कि फिर भी ये 'नो' कहें तो यह बड़े अफसोस की बात है।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, हम तो यह भी कह रहे है कि आप हाउस को दो दिन और चलाएं उसकका भी तो आप मानें।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) Sir, I bet to move—

That the Assemble at its rising this day shall stand adjourned *sine die*.

Mr.Speaker: Motion moved-

That the Assemble at its rising this day shall stand adjourned *sine die*.

Mr. Speaker: Question is-

That the Assemble at its rising this day shall stand adjourned *sine die*.

The motion was carried.

मन्त्रिमंडल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी जय प्रका ा (बरवाला): स्पीकर साहब, विपक्ष के नेता ने सरकार के खिलाफ जो अवि वास प्रस्ताव रखा मैं उसके पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हूं। जब से हरियाणा प्रदे ा में इनेलो की सरकार बनी है तब से हरियाणा प्रदे ा की कानून व्यवस्था चौपाट हो चुकी हैं आज चाहे व्यापारी हो, चाहे कर्मचारी हो, चाहे छात्र हो, चाहे किसान हो ओर चाहे मजदूर हों हर व्यकित भयभीत हैं अगर कोई व्यपारी सुबह अपने घर से दुकार पर जाता है ता उसको यह पता नही है कि वह भााम को अपने घर पर वापिस भी आ जाएगा क्योंकि वे सफ नही हैं मुझ से पहले बोलतने हुए एक माननीय सदस्य ने एक बात उठाई थी कि हरियाणा सरकार ने

कुछ ऐसे अपराधियों को जेलों से रिहा किया है जो न वैज्ञानिक अपराधी है और न ही रासायनिक अपराधी है। उनके खिलाफ केवल एक अपराध के मामले में केसं दर्ज नही है। बल्कि उने खिलाफ 10–10 अपराधें के केस दर्ज है। उनको रिहा किया गया है ऐंसे–ऐसे व्यक्तियों को छोड़ा गया है, जिनके खिलाफ जेल से छूटने के बाद 1996 में फिर 307 के केस दर्ज हुए हैं यदि सरकार यकहे तो मै उनके नाम दे सकता हूं। उनमें से कुछ लोग इनकी पार्टी के पदाधिकारी भी रह चुके है। कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी में जसबीर सिंह का कत्ल हुआ उस केस में सतप्रका ा ओर हिम्मत सिंह को सुप्रीम कोर्ट से सजा हुई लेकिन इस सरकार ने उनकी सजा माफ कर दी। अदालत में हथियार ले जाना अपराध है। (ाोर) उस समय मै आकपे ही साथ था। (ाोर एवं विध्न) झज्जर में लगभग 45 मिनट तक बोलिया चली थी। वकील भी बेचारे अपरे चैम्बरों की टेबल के नीचे जा कर छिप गऐ थे। (ाोर एवं विध्न)

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, ये यहां पर बहुत ही उल्टी सीधी बातें कर रहे हें (ाोर एवं विध्न) स्पीकर साहब, छाज तो बोले ही बोले छलनी भी बोले। यहां पर ये लॉ एण्ड आर्डर की बात कर रहे हैं मुझे इस भाई के बारे में एक छोटी सी बात याद आ गई है, वह मै इनके बारें में बताना चाहता हूं। स्पीकर साहब, किसी गांव की एक गली में से एक नई नवेली दुल्हन हरोती हुई

जा रही थी रास्तें में उस गली के अन्दर एक मकान के बाहर 95 साल का एक बूढ़ा खरिटया पर पड़ा बुरी तरह खांस रहा था। जब वह नई नवेली दुल्हन उसी गली से गुजरते हुए उस बूढे आदमी के पास से गुजरने लगी तो वह बूढा आदमी महने लगा कि तू क्यूं रो रही है? इस पर वह कहने लगी कि मेरा आदमी मर गया हैं इस पर बूढ़ा कहने लगा कि थारे घर मे ंतो प्रथा कि कि जब काई मर जाता है तो दूसरे आदमी का लत्ता ओढ़ लिया जाता हैं इसलिए तू अपने जेठ का लत्ता ओढ़ ले। इस पर भ वह नई नवेली दुल्हन कहने लगी कि मैने उसकस भी लत्ता ओढ़ा था लेकिन वह भी दो–अढाई महीने पहले गुजर गया, तो इस पर फिर बूढा कहने लगा कि अगर वह भी मर गया है तो तू अपने देवर का लत्ता ओढ़ ले। इस पर वह कहने लगी कि उसका भी लत्ता ओढ़ा था लेकिन वह भी एक महीने पहले मर गया। इस पर बूढा कहने लगा कि ते ऐसी भाग्य ाली है कि जिसका भी लत्ता ओढ़ती है वही मर जाता हैं तू मेरा लत्ता ओढ ले ताकि मै भी इस खांसी से छूटकारा पा रक मर सकूं। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह ै कि जब से इनेलो में थे तो इनेलो का ना ा किया, जब से एच0 वी0 पी0 मे ंथे उसका ना ा हुआ और अब ये कांग्रेस पार्टी का का भी भात प्रति ात सत्यना ा होगा। (हंसी व भाोर)

चौधरी जय प्रका ाः स्पीकर साहब, झज्जर में सरे–आम गोलिया चली। (ाोर एवं विध्न) मुझे नही मालूम कि उन दोशियों के खिलाफ पर्चा दर्ज हुअ या नही? (ाोर एवं विध्न)

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, ऑन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, क्या एक मंत्री द्वारा हाए के किसी सम्मानित सदस्य का इस तरह से मजाक उड़ाया जा सकता हैं जिस तरह से ये उड़ा रहे है? ये एक मैम्ब्र पर कटाक्ष करें ओर ऊपर से हंसे, क्या यह कोई अच्छी बात है? क्या ऐसा करना ठीक है? कृपया आप इस बारे में अपनी रूलिंग दें। (ाोर एवं विध्न)

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नही है, आप बैठे।

चौधरी जय प्रका ाः स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि झज्जर में सेर–आम गोलिया चलने का कोई पर्चा दर्ज हुया य नही हुा इस बारे में तो मुझे मालूम नही लेकिनजो एक मुलजिम पकड़ा गया था व अपन मोबायल फोन देकर उनको कहता है कि लो एस0 पी0 से बात करो। मै खुद इस घटना के बाद ण्ज्जर कोर्ट में गया तोव वहां पर मुझे वकीमों ने बताया कि पुलिस बन्दूकधारियेां को लेकर आती है और फिर वह वकीलों के चैम्ब्रों की तला ाी लेती है मै पूछना चाहता हूं कि वहां पर 45 मिनट दनादन गोलिया चलाने वाले मुलजिमों को गिरफ्तार किया या नही किया? फिर ये भाई यहां पर कानून व्यवस्था की चर्चा करते है। जब कोई इनकी बातों को उजागर करने की कोि ा ा करता है तो ये लोग उसका मजाक उड़ज्ञते है। ओर उस पर हंसते है तथ फिर उस बात का टाल दते है। अदालत में गोलिया चले, राजनीतिक लोगो पर गोलिया चले फिरये कहे कि हमारे यहां राम–राज है। मै

पूछना चाहता हूं कि यह कैसा राम राज आ गया? अध्यक्ष महोदय, अभी हमारी एक साथी ने किसी औरत ने लत्ता ओढ़ने वाली बात मेरे सम्बन्ध में कही। (ाोर एवं विध्न) मैने तो इनका 1996 में भी लत्ता ओढ़ा दिया था जे कि कार्यवाही में दर्ज हैं उस वक्त में 2 लाख वोटों से जीता था और इनेलो के आदमी को धूल चटाई थी। अब की बातर फिर इनेलों के आदमी को धूल चटाई जबकि सारी की सारी सरकार मेरे खिलाफ लगी हुई थी और इसके बाजवजूद भी मै जीत कर आया । यदि इन्होन फिर अजमाइ ा करनी है तो इसके बलए जे0 पी0 तैयार है। जे0 पी0 फिर से जीत कर दिखा देगा। (ाोर एवं विध्न)

एक आवाजः अब की बार तेरी जमानत जब्त होगी।

चौधरी जय प्रका ाः मेरी जमानत जब्त नही होगी, अब की बात तूने बेरा पाट ज्यागा कि क्या होगा। अध्यक्ष महोदय, इसी सरकार ने जींद में जयंती मन्दिर की लूट डकैती के प्रति जांच के आदे ा दिए कि इन्कवायरी होगी। हमने भी कहा अच्छा किया।

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी, आप दे मिनट में अपनी बात खत्म करें।

चौधरी जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, मै कह रह ाथ कि जयंती मंदिर की डकैती की जांच के आदे ा दिए थे हमने कहा था ये जांच के आदे ा दे कर सरकार ने अच्छा काम किया। लेकिन सरकार ने लठैत आदमियों नेही उस जयंती मन्दिर की

जमीन पर कब्जा कर लिया और जमीन अपने नाम करवा ली। (ाोर एवं विध्न) स्पीकर सर, मै कह रहा था कि सरकार ने जांच के आदे ा देकर अच्छा काम किय ालेकिन उसी पांच करोड रूप्ये की मन्दिर की सम्पति को भी, इन बेचारों ने नही छोडा ओर चार दिन पहले ही किसी के नाम उसका तबादला करा दिया। महाराज के समय की यह डयौढ़द्यी थी लेकिन इस सरकार के समय में इस पार्टी के नुमाईदें उस डयौढ़ी को बेचकर खा गए। अध्यक्ष महोदय, इससे बरी बात और क्या हो सकती है। आज पे ोवर अपराधी दनदना कर इनेलो का झंडा लगाकर काम कर रहे है। यह बात मै नही कहता। मुख्यमंत्री जी बैठे है। डी0 आई0 जी0 (सी0 आई0 डी0) बैठे है। अखबार में लिखा है कि जब झज्जर के अंदर गोलिया चली तो वह लोग किस पार्टी का झंडा लगाए हुए थे। उनहोने अपनी कार मे ंदोनों तरह इनेलों का झंडा लगा रखा था औश्र ये कहते है कि जय प्रका ा उनके साथ था। जब मै इनेलों मे ंथा तो किसी की हिम्मत नही थी कि कोई गलत काम करें क्योंकि हम गलत काम का विरोध करते थे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी, अब आप बैठे।

श्री जसबीर मलौरः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं मै जय प्रका ा विधायक जी को बताना चाहूंगा कि जिस समय ये सत्ता पक्ष मे ंथे उस समय लोक दल पार्टी कार्यकर्त्ताओं के साथ कैसे धोखा किया करते थे ओर कैसे लूट खसौट किया रते थे, उसका उदाहरण मै आपके सामने हूं। मैने पहले भी इस

बारे में कहा था कि इन्होन मुण्े से एक लाख रूप्ये नौकरी लगवाने के बहान लिए थे लेकिन वह इन्होन आज तक वापस नही किए। मै माननीय विपक्ष के नेात से कहूंगा कि वे मोरे पैस दिवाए। अगर वे एण्ेसा नही करते गतो मै उनके खिलाफ एक ऐफिडैविट दूंगा। फिर ये कहेगे कि मेरे खिलाफ झूठे मुकदमें बना दिए है ंअध्यक्ष महोदय, दो तारीख को जब हरियाणा बंद था तो अम्बाला छावनी में इनके साथियों ने व्यापरियों से 25 हजार रूपये की लूटपाट की ओर गल्ला उठाकर ले गए। वह तो हमारी सरकार ने कार्यवाही कह लेकिन ये तो लुटेरों के पक्ष में खड़े हो गये। इस तरह से ये इस तरह की धिनौनी बातें करते हैं

चौधरी जय प्रका ः मै जब इनेलों में था और जो कुछ भी उस समय मुझे मिला वह तो मैने सारा ओम प्रका ा चौटाला के सुपुर्द कर दिया था क्योकि मै इनकी पार्टी में था, मेरा कोई लेना–देना नही हैं आज ये हरियाणा प्रदे ा के किसानों के हमदर्द बनते है बजकि आज हरियाणा का किसान जेलों में बंद है। सुंडी की वजह से किसानों की फसल बर्बाद हो गयी हैं एक तफ तो यह सरकार अपने आपको किसानों की हमदर्द सरकार कहती है और दूसरी तरफ यह किसानो को जेलों में धकेल रही है वित्त मंत्री के घर के सामने किसान धरना देकर बैठे हैं उनको जेलों में बंद किया जा रहा हैं अध्यक्ष महोदय, मुझे बार–बार कहने की जरूरत नही हैं चौटाला साहब जो यह कहत है कि मैने पैसे लिया है, मैं कहना चाहूंगा कि जो पैसा मैने लिया है वह तो मैने इनको

दे दिया अब मेरा उससे कोई लेना–देना नही है। अध्यक्ष महोदय, आपका धन्यवाद।

श्री जयबीर मलौरः अध्यक्ष महोदय, आज तक इन्होने मेरा पैसा नही दिया। अब मै इनके खिलाफ ऐफिडैविड दूंगा। मै माननीय अध्यक्ष महोदय से अनुरोध करूंगा कि आप इनसे कहे कि ये मेरा पैसा वापस कयें। अगर ऐसा नही होगा तो मै इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करूवाऊंगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः जय प्रका ा जी, अब आप बैठे। आप सदन का समय नश्ट न करें। सवा दो घंटे हो चुके है। जकि दो घंटे का समय इसके लिए दिया गया था। जितना समय कांग्रेस पार्टी या विकास पार्टी को मिला था उससे ज्यादा समय उनको दिया जा चुका है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप दलाल साहब को भी पांच मिनट बोलने का समय दे दें क्योंकि अवि वास प्रस्ताव पर इनके भी साईन है।

श्री अध्यक्षः आप ही उनके नाम के समय को भी बोलन लिए। जितना समय आपको निर्धारित था आप उससे ज्यादा बोल लिए। अब समय बहुत हो गया। दलाल साहब, आप चौधरी भजन लाल जी में मर्ज हो गऐ है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, फिर तो आपने यह अवि वास प्रस्ताव मंजूर ही नही करना था।

श्री अध्यक्षः सवा दो घंटे हो गए है जितनी भी आपकी पार्टी की स्ट्रैथ है उससे ज्यादा आप बोल चुके हैं आप बैठ जाइए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, पालियामैंट्री प्रथा है कि जो मैम्बर अवि वास प्रस्ताव पर साइन करत ाहै उसको पालियामैंट में भी और असैबली में बोलने का मौका किलता है, इस पर चौधरी कर्ण सिंह दलाल के साई है इसलिए उन्हें बोलने का मौका दिया जाए।

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, आपने मेरा नाम बोलने के लिए लिया था आप हमें बोलने का समय दे देगे। तो hell is not going to fall.

श्री अध्यक्षः जब आपका नाम बोलने के लिए लिया गया था तब आप खड़े नही हुए, आपने जय प्रका ा जी को अपना टाईम दे दिया। आपका समय जय प्रका ा के बोलने में मर्ज हो गया। (ाोर एवं विध्न)

श्रीमती अनीता यादवः अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने का मौका दे। मेरी बहने मेरे बोलने का इंतजार कर रही हैं (विध्न) * * * * * *

श्री अध्यक्षः अनीता जी, आप बैठ जाइए। यहां सदन में कोई भाई या बहन नही होता। सभी भाई हाते है। आपने बहनो को जो सुनना है वह स्टेज पर जा कर कहें। अनीता जी जो कुछ

कह रही है वह रिकार्ड न किया जाए। अब इनके जाने की तैयारी लग रही हैं अ इनके भागने की तैयारी लग रही है। भजन लाल जी, आप इनके लीडर है इनको समझाएं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै तो इनको समझाऊं लकिन इससे पहले आपको थोड़ी सी अक्ल दूंगा कि आपने डा0 रघुबीर कादयान जो बोने के लिए बुलाया था।

श्री अध्यक्षः नाम पुकारत`है तो खड़े नही होते है, क्या मै इंतजार करता रहूंगा? चौधरी भजन लाल जी आपकी सारी बातें रिकार्ड रपर आ गई है? अब आप चौधरी ओम प्रका ा चौटाला जी क रिप्लार्ठ सुनिये। (ाोर एवं विध्न) डिप्टी लीटर बाल चुके है ओर लीडर भ बोल चुके है। हुड्डा साहब भी खु है, राजी है इस बात के लिए इसलिए आप बैठ जाए। आप सब बैठ जाए। (ाोर एवं विध्न)

नगर एवं ग्राम आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): डॉ0 रघुबीर जिी मै आपसे अनुरोध करता हूं कि आप पढ़े लिखे व्यक्ति हैं एक तरफ तो आप चेयर पर प्र नचिन्ह लगाते है ओर यह भूल जात`है कि एक विधायक की कुछ मर्यादा होती है। डॉक्टर साहब, आप एक बार पहले जीतकर आए, हमने आपकी भी कार्यवाही देखी है, यह क्या तरीका है? आप हर बार चेयर के सामने गैर जिम्मेदाराना बात करते है और मर्यादा से बाहर जाकर बात करते है।

कैप्टन अयज सिंह यादवः आप लोग तो माईक भी तोड़ दिया करत थे।

श्री अध्यक्षः कैप्टन साहब, आप बैठ जाए।

डा0 रघुवीर सिह कादयानः स्पीकर साहब, आपने मेरा नाम पुकारा है और मुझे बोलने के लिए समय दिया ह ैअब आप मुझे किस रूलिग के तह बैठाने की बात कर रह है? मै अवि वास प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के खड़ा हुआ हूं ओर इनके विरोध में बोलना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः अवि वास प्रस्ताव पर बोलने के लिए दो घण्टे का समय रखा गया था जबकि लगभग अढाई घण्टे इस पर चर्चा हो चुकी है फिर भी आप कह रहे है कि हाउस का समय ओर बढ़ा दिया जाए। आपके नेता ने जो नाम आर्डर ऑफ प्रैफरैंस पर दिये थे। उसके हिसाब से मैने उन नामो ंको पुकारा है और उन सदस्यों को बोलने का समय दिया। अब अढ़ाई घण्टै इस पर चर्चा हो चुकी है। और सरकार की तरफ से रिप्लाई भ आना है। (विध्न)

वाक आउट

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी ने सरकार के खिलाफ अवि वास का प्रस्ताव दिया है और आपने हमारी पार्टी के सदस्य का नाम पुकारा है फिरभी आप माननीय

सदस्य को बोलने का समय नही दे रहे है, यह अच्छी बात नही है। अगर आपसमय दे देंगे तो कौनसा पहाड़ टूट पड़ेगा।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, बालने का समय देने की जरूरत ही नही है क्योंकि आप खुद कह रहे है कि कौनसा सा पहाड टूट पड़ेगा।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगर आप हमारी पार्टी के सदस्य को अवि वास प्रस्ताप पर बोलने का समय नही दे रहे है तो ह सदन से वाक आउट कर जाते है।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, आप वाक आउट करने का बहाना ढूंढझ रहे है आप वाक आउट कर सकत`है यह आपका अधिकार है।

डा0 रघुबीर सिह कादयानः अध्यक्ष महोदय, अपने मेरा नाम बोलने के लिए पुकारा है ओर आप मुझे बोलने के समस नही दे रहे है।

श्री अध्यक्षः जब आपना नाम पुकारा गया उस समय आप खड़े नही हुये।

डा0 रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, यह ठीक बात नही है

श्री अध्यक्षः जो श्री रघुबीर सिंह कादयान जी कह रहे है वह रिकार्ड न किया जाए।

(इस समय सदन में उपस्थित इण्डियन नै ानल कांग्रेस पार्टी, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया और राश्ट्रवारी कांग्रेस पार्टी के सदस्य सदन से वाक आउट कर गये।)

मंत्रिमण्डल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिंह): स्पीकर सर, आपके सामने विपक्ष ने सरकार के खिलाफ अवि वास का प्रस्ताव रखा अपने उस पस्ताव को एडमिट कर लिया ओश्र उनके बोलने का भरपुर समय दिया। विपक्ष का कर्तव्य बनता था कि वह अपनी बात ओर जनहित की बात यहां उठात पश्रनतु उन्होने यहां पर सिफ प्रौपगंडे की बात उठाकर सदन काक दो अढ़ाई घण्टे समय ले लिया अज्ञैर अर सरकार का जवाब देने का समय आया तो वका आउट कर गये। विपक्ष को कहम्मत रखनी चाहिए थी ओर सरकार का जवाब सुननाचाहिए था। सपीकर सर, अब सामने कोढ सुनने वाला न हो तो जवाब देने का मजा नही आत। जवाब तभी दिया जात है जब सामने कोई सुनने वाला बैठा हो। मै सिर्फ चार लाइनें श्री मांगेराम जी ने जो फाइनैस के बारे में बात कही है उसके बारे में कहना चाहूंगा। डनहोने कहा कि प्रदे ज्ञ में 37 प्रति ात टैक्स इंक्रीज किये है और प्रदे ा की बहुत ज्यादा देनदारियां हो गई है उनको कैस निपटायेगे? अध्यक्ष महोदय, जहां तक टैकिस्ज के इन्क्रीज की बात है, जो रैवेन्यू रिसीट इन्क्रीज आई है वह टैकिसज बढ़ाने की वजह से नही आई है। इस सरकार ने ने तो अैथ्क्सज घटाए भी है । टायर टयूब्स पर 12 प्रति ात टैक्स से 8 प्रति ात

टैक्स इस सरकार ने किया है। इस तरह से मोटे अनाज जैसे चना, बाजरा, ज्वार, दाले और सरसों पर माकिैट फीस 4 प्रति ात थी, एक प्रति ात मार्किट फीस को इस सरकार ने ही कम किया है। इस सरकार ने व्यापारियों को एक भ्ाुद्ध वातावरण दिया है ताकि वे ठीक प्रकार से काम कर सके। हिन्दुस्तान में हरियाणा की ओम प्रका ा चौटाला के नेतृत्व वाली सरकार मे ंसैल्फ असैसमैंट स्कीम एम मिसाल है। 5 करोड़ रूप्ये तक काी इन्कम टैक्स बेसिज के ऊपर यह असैसमैं ओती हे, उसके बाद तो बाईचासं ही काई व्यापरी बच जात है। व्यापरी खुद आकर 5 करोड़ रूप्ये की असैसमैंट कर सकते है, इतनी बडत्री छूट इस सकरार ने दी है। सरकार का बढ़िया नेतृत्व, अधिकारियां की एफीि ायैसी और व्यापारियों का सहयोग ये तीनों चीजे मिलने से ही रैवेन्यू रिसीट बढ़ी है। व्यापारियों के सहयोग का मै एक मोटा या उदाहरण देना चाहूंगा। हमारे माननीय सदस्य श्री ओ0 पी0 जिंदल का सबसे बड़ा सहयोग है। जिंदल साहब बहजुत ही सम्मानित सदस्य है तथा हरियाणा प्रदे ा के बहुत बड़े उद्योगपति है। इनका हमें बहुत बड़ा सहयोग रहा हैं हरियाणा प्रदे ा में रैवेनयू रिसीट इन्क्रीज हुई है ओर वह टैक्सिज बढ़ाने की वजह से नही हुई है बल्कि रिकवरी ओर सैल्फ असैसमैंट स्कीम के लागू करने की वजह से हुई हैं मांगे राम जी सुन लो, मै अकेले जिंदल स्ट्रिप्स का कह रहा हू। वैसे तो इनकी और भी बहत सी इंडस्ट्रीज है, उन्होने हमें बहुत सहयोग दिया है। मांगे राम जी, जब फाइनैस मिनिस्टर हुआ करते थे तब जो टैक्सिज की रिकवरी करते थे वह अधिकारी या

राजनीतिक लोग अपनी जेबों में डालते थे। आज जो रिकवरी है, वह सरकारी खजाने में जा रही है। इसी कारण रैवेन्यू रिसीट इन्क्रीज हुआ हैं व्यापारियों को बकायदा इस प्रकार ईमानदार बनाया गया है ताकि वे ईमानदारी से काम कर सकें। और उनकी ईमानदारी का सबसे बड़ा सबूत ओ0 पी0 जिंदल जाी है वैसे तेा इनकी बहुत सी इंडस्ट्रीज है मै इनकी जिंदल स्ट्रिप्स का जिक्र करूंगा इनके कंस्ट्रीब्यू ान के बारे में बताना चाहूंगा कि स्टेट के खाजने में यह कितना ज्यादा है। 1999–2000 में जिंदल स्ट्रिप्स से 5 करोड़ 93 लाख रूपये आए। 2000–2001 में 16 करोड़ 23 लाख रूप्ये आए है अर्थात ढाई गुना फालतू जिंदल स्ट्रिप्स से सरकारी खजारे मे ंपैसा आया है। मै इस साल की फिगर्ज भी देना चाहता हूं। इस साल अक्तूबर महीने तक 16 करोड़ 25 लाख रूप्ये जिंदल स्ट्रिप्स से सरकारी खजाने में आ चुका है। ऐसा करके इन्होने ईमानदारी का माहौला पैदा किया है, इस ईमानदारी की वजह से व्यापारी व उद्योगपति सरकार को सहयोग दे रहे है। और उसी सहयोग की वजह से रैवेन्यू रिसीट इन्क्रीज हुआ है। (ाोर)

श्री धर्मवीर सिहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मै इनसे पूछना चाहूंगा कि क्या पहले टैक्सिज की चोरी होती थी?

प्रो0 सम्पत सिहः अध्यक्ष महोदय, मै चौरी के लिए नही कर रहा हूं। मै तो कह रहा हूं कि पहले जो रैवेन्यू आता था वह सरकारी खाजनेकी बजाये मांगे राम जी खा जाया करते थे लेकिन

अब सरकारी खजाने में जा रहा है। इसी वजह से यह रैवेन्यूरिसीट में बढौतरी हुई है। (ाोर)

श्री ओम प्रका ा जिंदलः अध्यक्ष महोदय, हमने 1000 करोड़ रूपये फैक्टरी में ज्यादा लगाया हैं

श्री अध्यक्षः जिंदल साहब, आप किस सब्जैक्ट पर बोलना चाहते है?

वैयक्ति स्पश्टीकरण–

श्री ओम प्रका ा जिन्दल, एम0 एल0 ए0 द्वारा

श्री ओम प्रका ा जिन्दलः अध्यक्ष महोदय, मेरी पसर्नल एक्सप्लने ान है। मै कह रहा था कि हमने 1000 करोड़ रूपयेा फैक्टरी में ज्यादा लगाय और वह इसलिए लगया क्योकि हम हरियाणा के रहने वाले है ओर यहां हरियाणा में टैक्स ज्याद दे इसलिए फैक्टरी में ज्यादा पैसा लगाया।

मंत्रिमण्डल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो0 सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै जिंदल साहब को एप्रीि ायेट करता हूं कि इन्हेने हरियाणा में इन्वैस्टमैंट की चौधरी भजन लाल जी कह रहे थे कि कोई इंडस्ट्रियलिस्ट हरियाणा में पैसे नही लगा रहा ह। जिंदल साहब, ने हरियाणा में अपना बिजनैस इसलिए बढ़ाया है कि हरियाणा सरकार इंडस्स्ट्रियलिस्ट को पूरी सुविधाऐ दे रही है। भजन लाल जी का इससे पक्का और

क्या सबूत चाहिए कि इनके पार्टी के सदस्य ने ही यहां परज्यादा इन्वैस्टमंट की है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुझे बड़ी प्रसन्नता है कि विपक्ष पहली बार अपनी भूमिका निभाने के प्रसाय कर रही है और यह तभी हो सकता है जब ये आज पूरो समय तक सदन में उपस्थित रहे। (ाोर एवं व्यवधान) विपक्ष के भाई जब पहली बार सरकार के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव लेकर आये थे तब उस पर बिना बहस करे ही ये लोग वाक आउट कर गये थे। जब ये लोग दूसरी मर्तबा सरकार के खिलाफ अवि वास प्रस्ताप लेकर आये तब इनकी पूरी संख्या होते हुए भी सदन में नही हुए। अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के भाईयों को कानून का कितना ज्ञान है, रूल्ज की कितनी जानकारी हे, इस बात का पता तो आपके खिलाफ अवि वास प्रस्ताव से ही जाहिर हो गया। बड़ी पुरानी कहावत है कि अच्छे सलाहकार होगे तेा काम भी अच्छे चलेगा। भजन लाल जी के सलाहकार कैप्टन अजय सिंह जी हैं अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के नेता को और विपक्ष के दूसरे साथियों केा मै एक बात यह भी बताना चाहता हूं कि आपने इनको सरकार के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव पर आधे घंटे बालने का समय दिया था। (ाोर एवं व्यवधान) लेकिन इन्होने सदन का तीन घंटे का बहुमूल्य समय अनर्गल बातों को लेकर खरबा कर दिया। इनकी कोई भी बात मुद्दों और तथ्यों पर आधारित नही थी। मैने यह भ कह था क विपक्ष के साथी आराम से तथ्यों पर आधारित बात

बोले, सत्ता पक्ष को कोई भी सदस्य इनको बीच में इन्ट्रप्ट नही की, लेकिन मुझे अफसोस है कि वित्त मंत्री ने जब किसी मुद्दे पर चर्चा करनी भाुरू की तो विपक्ष के भाईयों ने भाोर मचाना भाुरू कर दिया ओर वाक आउट करके चले गये। मुझें आब भी अंदे ाा है कि विपक्ष के भाई मेरी पूरी बात सुनने से पहले ही सदन छोड़कर चले जायेगे। अगर नही जायेंगे तो इसलिए कि इन्हे सरकार से कुछ सुविधा की उम्मीद होगी। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री मांगे राम गुप्ता: अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी इस तरह की बात करें, यह इनको भाोभा नही देता। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: प्लीज, आप बैठे।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: अगर कोई आदमी कहने की हिम्मत रखता है तो उसमें सुनने की हिम्मत भी होनी चाहिएं अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल ने सरकार के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा की। डहनोन जेा भाुरूआत की वे प्रदे ा की कानून–व्यवस्था की स्थिति को लेकर की। अध्यक्ष महोदय, मुझे हैरानी इस बात की है कि उस व्यक्ति ने प्रदे ा की कानून व्यवस्था की स्थिति की ज्यादा चर्चा की जिसने 10 साल तक प्रदे ा की कानून व्यवस्था को अपने पावं के तले रौदने का काम किया। यह बात मै नही कर रहाी हूं प्रदे ा का इतिहास इस बात का गवाह है। अध्यक्ष महोदय, 21 भाताब्दी का प्रथम वर्श

महिला स ाक्तिकरण का समर्पित किया गया है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल के भाासनकाल में जितनी घटनाएं एंव आपदाएं महिलाओं को झेलनी पड़ी उतनी किसी भी भाासन काल मे ंनही झेलनी पड़ी। रेणुका अपहरण हत्या काण्ड, सु ीला अपहरण हत्या काण्ड, द्रोपदी अपहरण हत्या कांड। कुरूक्षेत्र जिले के भूतमजारा गांव में दो सगी बहनों का हत्या काण्ड। कुरूक्षेत्र जिले के हीं गां लौहारी माजरा में लच्छों हत्या काण्ड हुआ लेकन हमारी सरका के वक्त में एक भी इस ्कार की घअना नही घटी। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार के वक्त में एक भी ऐसी घटना घटी हो तो सारा सदन बैठा है, कोई भी माननीय सदस्य बता दे। चौधरी भजन लाल जी, मै आधारहीन बात कहने का पक्षघर नही हूं। मै तथ्यों पर आधारित बात कहता हूं। मै इस बात की चुनौती देता हूं कि अगर हमारी सरकार के वक्त में एक भी ऐसी घटना घट हो तो कोई भी माननीय सदस्य खड़ा हो कर हाउस में बता दे। हम महिलाओं का सम्मान करते हे, हम उनकी पूरी इज्जत करते हैं अध्यक्ष महोदय, जहां तक प्रदे ा की कानून–व्यवस्ाा की बात है उस बारें में आगडे बता रहे है। कि प्रदे ा में कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक है, लेकिन मै यह भी नही कहता कि हमने प्रदे ा में अपराधों पर पूरी पाबंदी लगा दी हैं अध्यक्ष महोदय, सवाल यह है कि हरियाणा प्रदे ा में अपराधी कितने पैदा किए, हरियाणा प्रदे ा में अपराधी चौधरी बंसी लाल न पैदा किए क्यों इन्होने बिना सोचे समझे और सदन में भाराबबंदी का कानून लाया गया था उस समय चौधरी भजन लाल जी भी इस सदन में थे। उस समय मैने सदन

में कहा था कि हम आय्र समाजी कल्चर के लोग है इसलिए भाराब हमारे लिए एक अभि ाप है, एक लानत है और एक बुराई है। हम इस बात के पक्षघर है कि प्रदे ा में भाराबबंदी होनी चाहिए। लेकिन इसके साथ साथ्ज्ञ मैने यह भी कह थ्ज्ञा कि चौधरी बसी लाल जी, भाराबबंदी के बारे में प्रदे ा के लोगों को जागरूक करना चाहिए। उसके बाद अगर सरकार की मं ाा ठीक हो तो प्रदे ा में भाराबबंदी के बादे प्रदे ा में भाराबबंदी लागू हो सकती है। मैने दलील के साथ बतया था कि अमेरिका ने अपने यहां भाराब बंद नही हो पाई। वहा ं पर अपराध बढ़ा। अपने दे ा में भी गुजरात स्टेट के अन्दर भाराब बंद की गई थी तो वहा पर भाराब माफिया खड़ा हो गया। मैने यह भी कहा था कि चौधरी बंसी लाल जी, अगर सरकार भाराब की तस्करी करने काकाम करेगी तो नि चत रूप से माफिया खड़ा होगा। चौधरी बंसी लाल जी आपने भाराबबंदी का सर्वे करवाने के बारे में एक कमी ान मुकर्रर किया था लेकिन उस कमी ान की रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत नही की गई। उसकी रिपोर्ट सदन में इसलिए प्रस्तुत नही की गई क्येां वह रिपोर्ट आपकी सरकार के खिलाफ थी।

चौधरी बंसी लालः मैने कोई कमी ान मुकर्रर नही किया।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हमने एक पुरानी बात सुनी है कि मारने के तो सींग पकड़ ले झूठे की क्या कोई पूछ पाड़ लेगा? यह भी कोई बात कि ये सच को भी

झुठताते है उस कमी ान के बारेमें सारी प्रैस जानती है, सारे प्रदे ा की जनता जानती है। और सारा सदन जानता है। सारा वि व जानता है। इन्होने उस कमी ान की रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत नही की।

चौधरी बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, रिपोर्ट स्टडी कराई वह एक अलग चीज है। लेकिन कमी ान हमने कोई मुकरर्र नही किया और जो स्टडी थी वह सबसे बड़ी स्टडी यह थी कि हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी हमने भाराब बन्दी के मुद्दे पर वोट लिया हरियाणा की जनता ने वोट दिया इससे बड़ी स्टडी कोई नही हो सकती।

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, वह कमी ान ही तो था।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से चौधरी बंसी लाल जी से कहना चहूंगा कि चौधरी बंसी लाल जी, आपने भाराबबंदी करके भाराब की तस्करी के लिए प्रदे ा में माफिया ही खड़ा नही किया बल्कि इस सदन में भाराबबंदी के बारेमें चर्चा हुई तो अपने भाराबबंदी का निर्णय ले लिया। प्रदे ा में भाराब खोलने के बारे में न आपने हरियाणा की जनता से पूछा, ने अपने अपनी पार्टी के लोगों से पूछा, न आपने अपने सहयोगी दलों से पराम र्ा किया और न ही आपने सदन से पूछा, केवल मात्र? आपने आपन अपने तस्कर बेटे के कहने पर प्रदे ा में भाराब खोल दी।

व्यैयक्ति स्पश्टीकरण–

(iv) चौधरी बंसी लाल, एम0 एल0 ए0 द्वारा

चौधरी बंसी लालः Sir, on a point of personal explanation.जो भाराब खोली दोनो पार्टियों की जनरल बॉडी की मीटिंग हुई दोनो ंपार्टियों ने फैसला किय, एम0 एल0 एज0, एम0 पीज0 ने यूनैनिमस फैसला किया और केथ्बनैट ने फि यूनैनिमस फैसला किया यह निराधार इल्जाम है कि मैने किसी को नही पूछा

मंत्रिमण्डल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, एक ही दिन में कैबिनट मे ंपास हो गय, एक ही दिन दोनों पार्टीज की जनरल बॉडी में यह मामला पास हो गया और बाद में सदन में भी पास हो गया। अध्यक्ष महोदय, इनको अक्ल तो आई लेकिन दैर से आई। यह अक्ल तब आई जब इन्होने खूब पैया कमा लिया, इनकी जेब पैसों से भर गई, उसे बाद ही इनकों भाराब बंद करने की अक्ल आयी। इन्होने जो काम किये हुए है उनको हम भुगत रहे हैं इनके गलता कामों की वजह से गिरोह खड़े हो गए। (विध्न)

चौधरी बंसी लालः मेरी नीतियों की वजह से गिरोह खड़े नही हुए, बथ्लक आपकी ग्रीन ब्रिगेड की वजा से गिरोह खड़े हुए थे।

श्री ओम प्रका ा चौटाला: चौधरी साहब, जो गिरोह या अपराधी आपने खड़े किए थे उनसे निपटने में अब हमें कितनी परे ाानी आती होगी वह तो हम ही जानते है। अध्यक्ष महोदय, मै यह तो नही कहता कि अपराध पूरी तरह से समाप्त हो गए। अपराधी अपराध कर सकत`है लेकिन वे बच कर जा नही सकते। मै अपराधियों के बारे में बताना चाहूंगा कि अपराधियों ने तेा अमेरिका के भूतपूर्व राश्ट्रपति श्री कैनेडी को भी मार दिया था और अपने दे ा दे ा की भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी तक को भी मार दिया था। अपराधियों ने अभी हाल ही में वर्ल्ड ट्रेड सैन्टर पर आक्रमण करके 5 हजार मासूम लोगों को मार दिया। इतना ही नही अपराध्यिों ने तो जो दुनिया में सबसे बड़ी भाक्ति ाली जगह पेन्टागन थी, जो सारे वि व को रक्षा की छतरी प्रदान करती थी, उसकसे भी बर्बाद कर दियश। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का मतलब यह है कि अपराधी अपराध कर सकता है। लेकिन में दावे के साथ कह सकता हूं। कि हरियाणा की पुलिस इन अपराधियों को पकड़ने में सक्षम हैं हमारे यहां पर पहले की अपेक्षा अपराध घटे है, बढे नही। (ाोर एवं विध्न)

श्री कर्ण सिह दलाल: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर।

श्री अध्यक्ष: इस वक्त कोई प्वायंट आफ आर्डर नही होगा। आप बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, आप मेरी बात तो सुनिये। मै कोई गलत बात कहने नही जा रहा।

श्री अध्यक्षः आप बैठिये।

श्री कर्ण सिह दलालः क्यो बैठूं? मेरा भी बोलने का अधिकार है।

श्री अध्यक्षः आप भाान्ति से सी0 एम0 साहब का जवाब सुनिये। कृपा करके आप बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिह दलालः पहले आप मेरी बात तो सुन लें।

श्री अध्यक्षः आपने कोई बात कहनी है तेा पहले उसकी इजाजत ली जाती हैै मैने अभी आपको बोलने की इजाजत नही दी है इसलिए आप बैठ जाए।

श्री कर्ण सिंह दलालः मै ऐसी कोई सी गलत बात कहने जा रहा हूं जिस कारण आप मुझे अपनी बात कहने देने की बजाये मुझे बैठने के लिए कह रहे है।

श्री अध्यक्षः आप बगैर इजाजत केक बोल रहे है, इसलिए मै आप को बैठने के लिए कह रहा हूं। बगैर इजाजत के बोलने का किसी को अधिकार नही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः क्या बोलने का अधिकार भी आ से लेना पड़ेगा?

श्री अध्यक्षः यह अधिकार भी मैने देना है कि किसको बोलने देना है या नही बोलने देना है आप अभी बैठ जाएं।

श्री कर्ण सिंह दलालः आप मेरी बात सुन तो लें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, इस हाउस में कुछ लोग अब भी ऐसे है जो कि सदन की मर्यादा को बिगाड़ रहे हैं (ाोर एवं विध्न) स्पीकर साहब, पहले आप इन को बिठायें।

श्री अध्यक्षः यह अधिकार भी मैने देना है कि किसको कब बोलने देना है आप अभी बैठ जाएं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः स्पीकर साहब, मै यह कह रहा था कि अपरापधी कर सकते है। लेकिन वे अपराध कर के बच कर नही जा सकते। इसी कारण इन अपराधों पर हमने काफी हद तक सफलता भी पाई हैं अगर मै सभी अपराधों की डिटेल बताने लगूंगा तो इसमें सदन का काफी समय लग जायेगा। अगर मै भी चौधरी भजन लाल जी की तरह अपराधों की गिनती करके बताऊंगा तो फिर न जाने कितना समय लग जायेगा, इसलिए मै उस बहस में नही जाना चाहता। हां, मै इतना अव य कहना चाहूंगा कि जो कुछ भी हमारे यहां पर वारदातें हुई है चाहे वह बस डकैती की हो, रेल में लूटपाट की घटना हों या रोबरी की कोई वारदात हुई हो, इन के बारे में मै गर्व से क सकता हूं कि वे सारी की सारी ट्रेस हुई है। (तालिया)

श्रीमती अनीता यादवः अध्यक्ष महोदय, आप मेरी एक बात सुनिये।

श्री अध्यक्षः अनीता जी, आप बैठ जाइए। आप बगैर परमि ान के न बोलें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अनिता जी आप बैठ जाएं यह ावर्श महिला स ाक्तिकरण वर्श है।

श्रीमती अनीता यादवः स्पीकर साहााब, मै कुछ कहना चाहती हूं। आप मेरी बात तो सुनिये।

श्री अध्यक्षः अनीता जी, आप बीच में इन्ट्रप्ट न करों, आप बैठ जाएं। सी0 एम0 साहब, आप कन्टीन्यू करें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मुझे हैरानी इस बात की है कि सदन का जो एक जिम्मेवार व्यक्ति है और संयोग से वह विधान सभा का सदस्य भी है, उसने झज्जर कांड को लेकर यहां पर काफी कुद कहा कि मै वहां पर गया था। जहां तक मुझे याद है इन्होने यहां पर यह कहा कि उस कांड में लोकदल पार्टी के आदमी थी। अध्यक्ष महोदय, झज्जर परिसर में जिन्होने गोलियां चलाई, उनके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि गोलियां चालने वली तनी व्यक्ति मोलू, धर्मेन्दर और संजय थे। संजय जाखौदा गांव का है ओर यह गांव बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आता है। मोलू उस कांग्रेस उम्मीदवार का सगा भाई जिसने बहादुरगढ़ से कांग्रेस पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा है।

डॉ0 रघुवीर सिह कादयानः अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः जो कुछ रघुबीर कादयान कह रहे है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै इससे आगे की और बता देता हूं। धर्मेन्द्र उसका सगा चचेरा भाई है और यह सोमवीर गिरोह जींद से संबंधित है ओर मोलू व संजय जाखौदा बलात्कार कांड में फरार मुजरिम है। अध्यक्ष महोदय, बड़ा चर्चा चलाया गया हैं (विध्न) बहुत बड़ा प्रचार किया गया था, प्रैस कांफ्रेंस भी की गई थी और महामहिमा राज्यपाल महोदय के पास भी ये लोग गए थे कि मौजूदा सरकार राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ अपराधिक मुकदमें दर्ज कर रही है हैरानी इस बात की है कि जो स्वयं अपराधिक प्रवृति के लोग है। उनके खिलाफ अपराध के मुकदमें दर्ज होने चाहिएं और जिन लोगों ने अपराध के मुकदमें दर्ज कराए है वे या तो उनके रि तेदार है या सगे भाई है।

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह दलाल, आप बैठ जाए। जो कुछ कर्ण सिंह दलाल कह रहे है वह रिकार्ड न करें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः जितने लोगों के खिलाफ मुकदमें दर्ज हुए है सरकार का उसमें ले ामात्र भी दखल नही है

ओर यह बात मै ऑन दि फ्लोर ऑफ दि हाउस रहा हूं। हम जनतंत्र में वि वास रखते है और डैमोक्रेटिक तरीके से जीतकर आए हैं (विध्न)

चौधरी जय प्रका ाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर और पर्सनल ऐक्सप्लेने ान है।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाइए आपको तो यह भ क्लीयर नही है कि आप प्वायंट आफ आर्डर पर है या पर्सलन एक्सप्लेने ान देना चाहते है। आपको यह भी पता नही है जब स्पीच चल रही होती है तब प्वाइंट ऑफ आर्डर नही होता।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै फिर आपके माध्यम से इनसे विनम्र अनुरोध करना चाहता हूं कि कृपया सुनने की हिम्मत रखे। मै कोई भी अनर्गल बात कहकर सदन का समय खराब नही करना चाहूंगा। मांगे राम जी ने बंद की विफलता को छुपाने का चर्चा किया। दो तारीख का कांग्रेस पार्टी के लोग जगह–जगह जाकर के लोगों की दुकानें बंद करवा रहे थे। एक व्यक्ति जींद का था उसको कह गया कि दुकान बंद करें और दुकान बंद करने पर उसाके एक कांग्रेसी न ही थप्पडत्र मारा। यह रिकार्ड की ात है मेरी पास पर्ची हैं वह जो चारआने की मैम्बरि ाप का फार्म हैं वह भी मै दिखाऊंगा। (ाोर एवं व्यवधान) मै मांगेराम वाली कांग्रेस की बात कर रहा हूं। भजन लाल जी की और हुड्डा की कांग्रेस की ाित नही कर रहाू इनकी तो 1947 के

बाद की कांग्रेस हैं मै तो मांगेराम वाली कांग्रेस की बात कर रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, पुलिस के पास अगर कोई रिपोर्ट लिखवाने जाएगा तो पुलिस तो रिपोर्ट लिखेगी ही। पुलिस ने पचार्ा दर्ज किया कि कुछ लोग इकट्ठे हुए और एस0 पी0 का घेराव किया जाए। अध्यक्ष महोदय, आज तक तो हम यह सुना करते थे कि अग्गम बुद्धि बनिया और पछ बुद्धि जाट। उस मीटिंग के बा जय प्रका ा ने भोर सिंह को और इनकी उंगली लगार आगे भेज दिया और पीछे से एस0 पी0 को टेलीफोन कर दिया कि ये दो लोग आने वाले है इनको गिरफ्तार कर लेनाा। अगर इसमें कोई गलती है तो बता दें। जो मैने सुना है हो सकता है वह गलत हो। लेकिन जो हुआ है मै वही बात रहा हूं।

श्री अध्यक्षः मांगे राम जी, आप एस0 पी0 से दो मिले थे या तीन मिले थे।

श्री मांगेराम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, हमे ंआगे नही भेजा गया है बल्कि मै ंतो खुद ही सबसे आगे था। मीटिंग करके घेराव करने वाली बात नही हुई। यह पहले की बात हैं घेराव की बात तब हुई जब उसने कहा कि एम0 एल0 ए0 की बात मै नही सुनता, मै एम0 एल0 ए0 को नही मानता।

श्री अध्यक्षः ऐसी कोई बात नही कही। यह मामला विचारधीन हैं इसलिए इस पर आप मत बोलिए। अब आप बैठें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, इन्होने वहां जकर एस0 पी0 से कहा और तक एस0 पी0 ने इनसे बड़े सम्भ्य भाब्दों में एक बात कही कि हमारे पास तो रिपोर्ट आयी है और उसके आधार पर हमने पर्चा दर्ज किया है। ये कहने लगे कि उनका फैसला हो गया है। तब वह कहने लगा कि जहब तक इस बारे में वह लिखित मे ंनही देते तब तक वह हमारे कागजों में मुलजिम है। इसके बाद मांगेराम गुप्ता जी प्रैंस कांफ्रैंस करके कह दिया कि एस0 पी0 ने हमें मुलजिम कहा। अब सदन स्वयं इसका फैसला करें। इनहोने इसके बारेमें चाज्ञैधरी भजन लाल जी को गुमराम कर दिया। भूपैन्द्र सिह तो गुमराह है ही इसेा तो ज्ञान नही है। इन्होने जाकर कह दियाकि हम धरना देंगे और पुलिस को घेराव करेगे। सारे हरियाणा प्रदे ा से 150–200 लोगों की संख्या जोड़ ली और जाकर धरने पर बैठ गये। पुलिस वालों ने कहा कि आपका कोई नोटिस है वह कहने लगे कि हमें गिरफ्तार करो। उसे कहा कि जनतंत्र में गिरफ्तारी देने वाला लिखित रूप में सरकार को नोटिस देता है कि हम इस मुद्दे को लेकर आंदोलन कर रहे है, गिरफ्तारी दे रही है। इनकी तरफ से लिखित रूप में कुद नही था और वहां पर धारा 144 भी लागू नही थी जिसको इन्होने तोड़ा हो तो फिर इनको वह कैसे गिरफ्तार कर लेता। ये तो वैसे ही भाहीदों की लिस्ट में आना चाहत थे। हीरो बनना चाहते थे। ये चाहे थेा कि इनको हीरो बना दे। जब जनता ने इनको दुत्कार कर भेज दिया तब भी इनको अहसास नही हुआ कि दो तारीख को क्या हुआ। लेकिन उसके बाद चौधरी भजल

लाल जी ने भाशण दे दिया कि एस0 पी0 भाग गया इसलिए चलो हम वापस चलते है। अगर एस0 पी0 अपने दफ्तर में नही हो तो ये जहां मुझे बैठक लगवाना चाहेगे वहां मै लगाने के लिए तैयार हूं। अध्यक्ष महोदय, उस समय एस0 पी0 आफिस में मौजूद था और सारी पुलिस भी दफ्तर में मौजूद थी।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जब हम एस0 पी0 आफिस में गये तह में बताया गया कि एस0 पी0 साहब दफ्तर में मौजूद नही है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, फिर मांगे राम गुप्ता जी यह कहते है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिध्यों को पुलिस ने अपमानित किया, बेइज्जत किया। मांगे राम गुप्ता जी, मै आपको बताना चाहता हूं कि सम्मान लेना औरसम्मान देना अपने अधिकार मे ंहोता हैं जो भाशा आपने और आपके साथियों ने उस दिन धरने के बाद मेरे खिलाफ और प्र ाासन के खिलाफ इस्तेमाल की थी अगर मैं दोहराऊंगा तो आप सुन नही सकोगे और मै कह नही सकूंगा। आप लोगें ने सारे सदन और पूरे प्रदे ा को अपमानित किया। (विध्न) जनतंत्र मे हर आदमी को सभ्य भाशा का इस्तेमाल करना चाहिए। आप यह मत समझ लेना कि गाली खाना हमारी आदत है। हम चाहते है कि जनतांत्रिक पद्धति और प्रणाली बरकरार रहे। सरकार की यह जिम्मेवारी भी है कि प्र ाासनिक अधिकारियों को प्रोटैक ान दिया जाए अन्यथा पूरे प्रदे ा की कानून व्यवस्था बिगड़ जायेगी विपक्ष के लोगों को

सोच समझकर चलना चाहिए और जनतंत्रिक तरीके की परिभाशा को समझकर कोई निर्णय लेना चाहिए। इनकी यही मं ाा अम्बाला मे ंहरी हैं अम्बाला में क्या हुआ, अम्बाला में कांग्रेस पार्टी के कार्यकत्ताओं ने डाका डाला, दुकानें लूटी औरलोगो ंको पीटने का काम किया औरपुलिस ने जब उनके खिलााफ पचार्ज्ञ दर्ज किया तो मुल्जिमों को गिरफ्तार नही होने दिया। (विध्न) चौधरी भजन लाल जी, आपकी पार्टी के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डा जी है, आप उनको मानो या न मानो यह अलग बात हैं

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह हमारी पार्टी का अंदरूनी मामला हैं (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै यह बात इसलिए यहां पर कर रहा हूं कि जब हमारे पार्टी के विपक्ष के नेता श्री सम्पत सिंह जी थे और मैं पार्टी का अध्यक्ष था तो इस सदन में मै उनको अपना नेता मानता था और बाहर वे मुझे अपना नेता मानते थे। परन्तु ये दोनों आपस में एक दूसरे को नेता नही मानते।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डाः अध्यख महोदय, यह हमारी पार्टी का अंदरूनी मामला हैं (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, बड़े जोर भाोर से कुछ लोगों ने इस बात को इस सदन में उठाया कि बड़े बड़े मुल्जिम जेलों से रिहा कर दिये गये हैं मै इस सदन की

जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि चौधरी भजन लाल जी के भाासनकाल में जेलों से लोगकों को छोड़ा गया। चौधरी बंसी ला जी ने साढ़े तीन साल के भाासनकाल में सैकड़ों मुल्जिमों को जो हीनियस क्राइम्ज में भाामिल थे, को जेलों से रिहा किया गया। हमारी सरकार के समय में भी कुछ मुल्जिम रिहा किये गये है वे मुल्जिम ऐसे है जिनमे बारे में ग्रांच पंचायत ने रेजोल्यू ान पास करके उनको रिहा करवाने का फैसला किया और इस बारे मे ंसरकार से गुहार की। हमारी पार्टी की सोच यह है कि दे ा मे सुखद और स्वायत्ता का वातावरण कायम हो। हम किसी प्रकार के विवाद में और बखेड़े में पड़ना नही चाहते। हम पार्टी बाजी कायम नही करना चाहते। हम लोगों के समझौते करवाना चाहते हैं हम इस बात के पक्षघर हैं विपक्ष के बहकावे में आकर कुछ लोगों ने बिना सोचे समझे इसबात की चर्चाएं भाुरू कर दी कि बड़े–बड़े मुल्जिम जेलों से रिहा किये गये हैं हमने अगर कैदी रिहा किये है तो उन लोगों को छोड़ा है जिनका राजीनाम हो गया था या आर0 एस0 एस0 के समाजसेवियों को जेलों से रिहा किया हैं हमने सभ्य लोगों से बातचीत की है। अब पता नही कैसे–कैसे लोग आ जाते है। और किस किस की बात करते हैं यह अजीब तमा ाा है ंकि कानून व्यवस्था की बात करते हैं वे लोग कानून व्यवस्था की बात है, आज पूरे प्रदे ा मे ं ाांत वातावरण है आज लोग इज्जत के साथ अपना बसर कर रहे है। अध्यक्ष महोदय, इनकी हालत तो यह है कि इनकी पार्टी के जलूसों में मार–पीट होती होती है और स्टेज पर पिटाई होती है और आज से यहां पर कानून और

व्यवस्थाक ी बात करते है। (ाोर) मुण्े अनाधिकार कुछ कहने की चेश्टा नही करनी चाहिए लेकिन वस्तुस्थिति से सदन को आगाह करना मेरा फर्ज बनता हैं

श्री कर्ण सिंह दलालः * * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह दलाल की कोई बात न रिकार्ड की जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यहां बिजली पानी का जिक्र आया, इसके बारे में रामपाल माजरा जी ने विस्तार से चर्चा कर दी। चौधरी बंसी लाल जी ने बिजली पानी के बारे में खास तौर से चर्चा की। भााायद आप सबों याद होगा कि चौधरी बंसी लाल जीने एक तारीख तय की थी कि 30 जून तक हरियाणा प्रदे ा को 24 घण्टे बिजली मिलेगी। हरियाणा प्रदे ा की जनता ने 30 जून को बेसब्रीसे इंतजार किया। 30 जून निकल गई लेकिन बिजली की हालत बुजत ही बदतर हेा गईं। हम मानते है कि बिजली की कमी हें बार–बार कहा जाता है कि हमने कहा था कि हम बिजली के बिल माफ कर देगे लेकिन हमने अपने चुनाव घोशणा पत्र में स्पश्ट रूप से कहा था कि हम बिजली के बिल माफ नही करेगे बिजली के बिल देने पड़ेगे।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(v) चौधरी बंसी लाल, एम0 एल0 ए0 द्वारा

श्री बंसी लालः मेरे वक्त में बिजली 18–20 घंटे मिलती थी ओर जैसे ही मैने ऐलान किया कि 30 जून तक बिजली 24 घंटे दूंगा श्री अटल बिहारी वाजपेयी और चौटाला साहब दोनों के पेट में दर्द हो गया मेरी सरकार तोड़ नही पाए इसलिए वाजपेयी की मार्फत तुडवाई।

मंत्रिमण्डल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता ने 30 जून को बेसब्री से इंतजार किया कि भाायद हमें 24 घंटे बिजली मिलेगी। लेकिन 30 जून निकल गई और बिजली की हालत ओर भी खस्ता हो गीं। इनके साथी और सहयोगी जो आज यू हाथ रखकर बैठे है, ये ही सब इनकी सरकार को गिराने वाले थे। हमारी सरकार 24 जुलाई के बनी। (ाोर एवं व्यवधान) मै सरकर बनाना ही नही चाहता था, मैने कहा कि मै भानुमती का कुनबा नही सम्भाल पाऊंगा, मै बेलगाम लोगों को लेकर सरकार नही चला सकता। तभी तो मैने इन जैसे लोगों को नजदीक नही फटकने दिया।

श्री कर्ण सिंह दलालः * * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह दलाल की कोई बात न रिकार्ड की जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलला जी बंसी लाल की सरकार में मिनिस्टर होते थे तो राम में आकर मुझे से मिलते थे। मैने यह बात सदन मे कही है, किसी से छुपाई नही हैं और बंसी लाल जी इस बात के गवाह है।

श्री कर्ण सिंह दलालः * * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः कर्ण सिंह दलाल की कोई बात न रिकार्ड की जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यहां पर बिजली के दाम बढ़ाने की बात की गइ हैं भजन लाल के भाासनकाल में बिजली के रेट बढ़ाए गये। बंसी लाल के भाासनकाल में बिजली के रेट 2 बार बढ़ाए गये। बसी लाल के बनाए गए कानून के मुताबिक अब तो बिजली के रेट हरियाण स्टेट रैगुलेटरी कमी ान बढ़ाता हैं हमने तेा बिजली के रेट घटाए हैं और किसानों को सबसिड़ी दी हैं अध्यक्ष महोदय, इससे बढ़िया और सबूत क्या होगा कि हमारे भाासन काल में हरियाणा प्रदे ा में कोई भी ि ाकायत बता दे कि कही किसी की मोटर सड़ गई हों। मोटरें इसलिए नही जली क्येांकि लोगों को बिजली पूरी मिल रही है यहां तक कि लोगों के घरों में एक बल्क तक नही जला। अध्यक्ष महोदय, अभी धर्मबीर जी कह रहे थे कि हमारे यहां बिजली की कमी है, मै इनको बताना चाहूंगा कि हमारे भाासन काल में हपले के भाासन काल के मुकाबले बिजली 59.5 लाख यूनिट बढत्री

है। अकेले लोहारू में 45 लाख यूनिट बिजली जा रही है, यह मै रिकार्ड और तथ्य की बात बता रहा हूं। (विध्न) हमने कब छुपाया, हम तो आज भी कह रहे है कि हमारे पास बिजल नही है लेकिन बिजली के बारे में चौधरी बंसी लाल जी बहुत डींग मारते थे। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने जर्मन की कम्पीन ए0 बी0बी0 के साथ अंदर ही अंदर एक पर्सनल सौदा कर लिया था। (ाोर एवं विध्न)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(v) चौधरी बंसी लाल, एम0 एल0 ए0 द्वारा

श्री बंसी लालः प्वायंट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान, यह पर्सनल सौदा करना मेरा काम नही हैं यह काम इनका है। (ाोर एवं विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः चौधरी बंसी लाल जी, पानीपत की 2 नम्बर यूनिट, जो 110 मेगावाट की थी, उसको चौधरी बंसी लाल जी ने अपनी सरकार के समय खुलवाकर छोड दिया। 50–60 करोड़ रूपये का सामाननभी आ गया था और वहां पर टोटल 300 करोड़ रूपये का नुक्सान हो गया है लेकिन वहां बिजली नही आई। आज तक यह यूनिट बंद पड़ी हैं

श्री अध्यक्षः चौधरी बंसी लाल जी, पानीपत युनिट नम्बर 2 पिछले चार साल से बंद पड़ी हैं यह मेरे हल्के में पड़ती हैं

जिसके बंद रहने से 25 ालख यूनटि पर डे के हिसाब से बिजली का नुक्सान हो रहा है।

चौधरी बंसी लालः इनकी वजह से इन्होने कम्पनी के साथ झगड़ा कर लिया होगा वरना उस कम्पनी से एग्रीमैंट यह था। (विध्न) प्लांट लोड को 110 (विध्न) से 118 कर देगे 30–31 प्रति ात प्लांट लोड फैक्टर पर चलात थ वह कहते थे कि हम 6–6 महीने 80 प्रति ात प्लांट लोड फैक्टर चला देगे। (ाोर एवं विध्न)

मंत्रिमण्डल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की साढ़े तीन साल की सरकार के समय में 188 युनिट बिजली अधिक पैदा हुई थी जिसमें से 110 लाख युनिट बिजली खराब हो जाती थी यानि कि केवल 78 लाख युनिट बिजली ही ज्यादा पैदा हुई। (ाोर एवं विध्न) अध्यक्ष महोदय, भाखड़ा डैम का काम भी चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय में बंद हुआ। साहबी नदी के बांध के दरवाजे भी ज्यों की त्यों पड़े हैं अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने एस0 वाई0 एल0 नहर के बारेम ं बड़ा जिक्र किया और कहा क यह नहर हरियाणा की जीवन रेखा हैं कुछ सदस्येां ने याह भी कहा की सुप्रीम कोर्ट का फैसला अया है कि चार हफ्तें में दोनों पार्टियों आपस में मिलकर मसला हल कर लें, इस बारे में मेरा कहना यह है कि यदि दोनो

पार्टियों को मिलकर ही मसला तय करना था तो भजन लाल जी और दरबारा सिंह जी के वक्त में क्यो हल नही किया गया, ज्ञानी जैल सिंह जी ओर एमरजैसी के हीरों बंसी लाल जी के समय में यह मामला तया क्यो नही हुआ। कई दफा एक पार्टी की सरकारें बनी लेकिन मुझे हैरानी है कि फिर भी यह मामला तया क्यों नही हुआ। चौधरी बंसी लाल जी एमरजैंसी के हीरों ाि ये उस वक्त इसमामले को हल कर लेते तो हरियाणा का कल्याण हो जाता लेकिन इन्होने उस वक्त कुछ नही किया ओर आज बड़ी–बड़ी बातें करते है। अध्यक्ष महोदय, हमने एस0 वाई0 एल0 नहर का 95 प्रति ात काम करवाया हैं चौधरी देवी लाल जी ने जमीन अधिग्रहरण करके इस नहर का काम भाुरू करवाया था। चौधरी बंसी लाल जी ने इंजीनियम इन चीफ के विरोध करने के बावजूद एस0 वाई0 एल0 का काम टेल से भाुरू करवाया। इंजीनियर इन चीफ ने चौधरी बंसी लाल जी को कह था कि एस0 वाई0 एल0 नहर का कामवहां से भाुरू होना चाहिए जहां से पानी आना है। मै सदन की जानकारी के लिए यह बताना चाहूंगा कि जिस स्टेट में किसी दूसरे प्रदे ा का कोई भी निर्माण कार्य चलता हो, उसकी मुरम्मत का काम वो स्टेट करवाती है और उसके खर्चे की रा ि ा वह स्टेट देती हैं जिसको उससे लाभ मिलता है। एस0 वाई0 एल0 नहर पंजाब में जितनी भी बनी है। उसका पैसा हरियाणा सरकार देती है। और काम पंजाब सरकार करवाती है। चौधरी बंसी लाल जी ने एस0 वाई0 ए0 नहर का काम गोद बलावा से इसलिए भाुरू करवाया ताकि ये कमी ान खा सकें। (ाोर एवं विध्न)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(vii) चौधरी बंसी लाल, एम0 एल0 ए0 द्वारा

श्री बंसी लालः एस0 वाई0 एल0 नहर जो पंजाब में बनी जिस पर पैसा खर्च हुआ वह भारत सरकार का सैट्रल प्रोजैक्ट हैं और मैने करवाया था मेरे से पहले उस पर 110 करोड़ रूपया खर्च हो गया था। वह रूपयो भी मै वापिस लाया। और वह सैट्रल प्रोजैक्ट है। हरियाणा सरकार का पैसा खर्च नही हेाता।

श्री अध्यक्षः चोधरी बंसी लाल जी, आपने एस0 वाई0 एल0 नहर का काम टेस स भुरू करवाया था या हैड से?

चौधरीबंसी लालः वह जो पंजाब करती है हमारा कोई ताल्लुक नही। पंजाब स्टेट बनाती है।

मंत्रिमण्डल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, एस0 वाई0 एल0 नहर का टेल से निर्माण करने का काम भुरू करने का नतीजा यह हुआ कि सारी की सारीनहर टूट चुकी है ओर उसमें पंजाब वाले अपने यहां का फ्लड का पानी डाल कर हरियाणा प्रदे ा को तबाह और बर्बाद करने का काम कर रहे हैं यह महज एक आदमी की नासमझी का काम है जिसकों प्रदे ा के 2 करोड़ 10 लाख लोग भुगत रहे है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(viii) चौधरी बंसी लाल, एम0 एल0 ए0 द्वारा

श्री बंसी लालः ऑन ए प्वयांट आफ पर्सनल एक्सप्लेने ान। अगर मै हरियाणा प्रदे ा में एस0 वाई0 एल0 न बनाता तो मै पानी क्या वकह कर मांगता रावी ब्यास का। मेरे मुख्य मंत्री काल में मै हरियाणा के लिोागें को एस0 वाई0 एल0 पंजाब में बनते दिखा कर लया और इनकी सरकार आ गई फिर बन्द हो गया। यनि 87 में काम बड़ी तेजी से चालू था इनकी सरकार अतो ही बन्द हो गया। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, जहां से पानी लेना हो अगर वहां से नहर न बने तो पानी काह सं आयेगा। जब नहर का बनाने का काम टेल से भाुरू किया जाएगा तो यह उल्टा काम हैं यह काम तो ऐसा है जैसे गधे के सिर स सींग गायब हो गए। चौधरी बंसी लाल ने एस0 वाई0 एल0 नहर को टैल से बनाने का काम भाुरू करके प्रदे ा का बर्बाद करने का काम किया। हम यह बात मानते है कि एस0 वाई0 एल0 नहर का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचारधीन है। इसलिए स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से माननीय सदस्यों सें कहूंगा कि इस मामले के बारें में ज्यादा बात न करें।

चौधरी बंसी लालः मुख्यमंत्री जी से एक बात पूछी कि क्या सुप्रीम कोर्ट ने जो जजमैंट रिजर्व किया और यह कहा कि या तो दोना`स्टेट या सैंटर गवर्नमैंट फैसला करके आ जाए चोर हफ्तें

में वरना हम अपना फैसला दे देगें तो क्या हरियाणा गवर्नमैंट के वकील के सुपीम कोर्ट को यह बता दिया कि हमारा फैसला आपस मे ंनही हुआ अब आप फैसला कर दें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, मै खुले दिन से सदन मे ंएक बात कहता हू और आगे भी कहूंगा कि एस0 वाई0 एल0 नहर के बारे में सुप्रीम कोर्ट जो भी फैसला करेगा वह हम मानेगे।

चौधरी बंसी लालः मैने एक छोटी बात पूछी है मुख्य मंत्री जी इनडायरैक्ट जवाब दे रहे हें मै डायरैक्अ जवाब यह चाहता हूं कि क्या हरियाणा गवर्नमैंअ केवकील ने सुप्रीम कोर्ट को यह बता दिया कि हमार फैसला नही हो सकता आप अपना जजमैंट दे दो।

मंत्रिमण्डल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री धर्मवीर सिह ने नहरी पानी का जिक्र किया। मै कहता हूं कि पानी की कमी है क्योंकि बारि ा नही हुई। लैकिन मै कहता हूं कि जितना पानी है उससे हम प्रदे ा की एक–एक चप्पा भूमि को सरैराब कराएंगे ओर उसकी का त कराएंगे। अध्यक्ष महोदय, पिछली दफा जुलाई से लेकर सितम्बर तक एक बूंद पानी बारि ा की नही हुई थी। लेकिन हमने उस समय उन ड्रेनों में भी नहरेां को पानी डाल कर किसानों के खेतों की

सिचांई करवाई जिन ड्रेनों को फ्लड का पानी निकालने के लिए इस्तेमाल किया जाता हैं उसका परिणाम यह है कि जहां कांग्रेस पार्टी के राज में केन्द्रीय पूल में 20 लाख टन खाद्यान्न दिया जाता था हमने पिछले साल 35 लाख टन खाद्यान्न केन्द्रीय पूल में दिया और इस साल 65 लाख टन खाद्यान्न देगे। हमने प्रदेश की नहरों की सफाई का काम करवाया हैं नहरों की सफाई के बारे में हमने हिदायतें दी हुई है। कि जब तक सिचाई विभाग के अधिकारी नहर की सफाई के बारे में संबंधित गांव के सरपंच या नम्बरदार से दस्तखत नही कराएंगे तब तक हम गेज नही मानेगे। जब तक गेज नही मिलेगा तब तक नहरों की सफाई नही हो सकती और नहरों की टेल पर पानी नही पहुंचंगा।

श्री धर्मबीर सिहः स्पीकर साहब, यह रिकार्ड की बात है कि पिछले दो साल से गोंविंद सागर का वाटर लैवल बढ़ा है ंसइएिल ऐसी बात नही है कि पानी की कमी हैं गोविद सागर का वाटर लैवल बहुत ऊपर हैं स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि हरियाणा प्रदे ा में आपकी सरकार आने के बाद दक्षिणी हरियाणा के बहुत से ऐसे गांव है जिनमें एक बूंद पीने का पानी नही पहुंचा हें इसलिए मै कहता हू कि आप लोगों को पीने का पानी दो और प ुओं के लिए जोहड़ों में पानी भरवाओं।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः वह कहां करैं मै कहूं गांव कहलवाया करै। निगाहे कही है नि ाना कही है क्या सारी की

सारी बात मै कही कह दूं। चौधरी बंसी लाल एक आध बात आप भी कह दें। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, मे पूरे सदन को आ वास्त करना चाहूंगा कि पिदले वर्श की तरह आज भी ड्रेनेज के पानी की वही स्थिति है। मैने सिंचाई विभाग और बिजली विभाग के अधिकारियों की मीटिंग लेकर के उनसे कहा हे कि जब तक सोईंग सीजन चले आप लोग पूरी तरह से किसानो ंको पानी और बिजली दे। मैने अधिकारियों को आदे ा दिए है कि किसानो ंको पानी जरूर दे चाहे हमारे डैम खाली हो जाए, हम आस्तिक लोग है, भगवान में वि वास रखते है ंहम उम्मीद रखते है कि परमात्मा फिर बारि ा करेगाा, फिर डैम भर जाएंगे लेकिन इ वक्त मैं यही कहना चाहूंब कि हम किसानों की पूरी बिजाई कराएंगे। बंसी लाल जी ने गोदमों की बात कही। मै बताना चाहूं कि हम किसानों की पूरी बिजाई करवाएं। बंसी लाल जी ने गोदामों की बात कही। मै बताना चाहता हूं कि हमने किसानों का एक–एक दाना खरीदा है। इन भाईयों की तरफ से गेहूं की खरीद के समय भी बड़ा भारी भाोर मचाया गयाथा और इसी प्रकार से इस जीरों के भाव को लेकर भी अखबारों में काफी चर्चा आई थी। अध्यक्षम होदय, कांग्रेस पाटीर्ज के अध्यक्ष श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा एक आध मण्डियों में धान की खरीद केवक्त गए थे। वे एक बार समालखा की मण्डी में किसानों की जीरी की खरीद के सम्बन्ध में गए थे। वहां पर ये प्रैस वालों को बुला कर ब्यान दे रहे थे कि केन्द्र सरकार यह कहर रही है या वह कर रही है, लेकिन इन्होने जीरों के खरीद के बोर में कुछ नही कहा। इसका मतलब यह हुआ कि हम किसानों

की जीरी पूरी तरह से खरीद रहे थे और ये उस खरीद से संतुश्ट थे। मै बताना चाहूंगा कि जीरी की खरीद के समय पूरे प्रदे ा में किसी किसान को यह ि ाकायत नही की थी उसकी जीरी नही खरीदी गई हो।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(ix) चौधरी भूपेन्द्र सिह हुड्डा, एम0 एल0 ए0 द्वारा

श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डाः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मेरी पर्सनल एक्सप्लेने ान हैं मै एक–दो मण्डियों में ही नही गया बलिक मैं कई मण्डियों मे जीरी खरीद के वक्त गया था। मै अब भी गया था और गेहूं की खरीद के वक्त भी मण्डियों में गयाथा मै किसी को कोई दोश्ज्ञ नही दे रहा। लेकिन यह बात सही है कि उस वक्त बहुत सारे किसानों को अपनी फसल डिस्ट्राय करनी पड़ी थी।

मंत्रिमण्डल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): आज जनता के चुने हुए प्रतिनिध है। आपको ऐसे मौकों पर मण्डियों में अव य जाना चाहिए। मै आपकी इसबात के लिस सराहना करता हूं। मेरा सिर्फ कहना इतना ही है कि आप जिस मकसद को लेकर मण्डी में गऐ थे उसी परचर्चा करते लेकिन आपन`समालखा की मण्डी मे ंधान की खरीद बारे चर्चा न करके केन्द्र सरकार की नीति के बारे में चर्चा की, यह ठीक नही है।

श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डाः सी0 एम0 साहब, आप पत्रकारों को कोढ सवाल पूछने के लिए बाध्य नही कर सकते। उस वक्त मैने यही कहा जो पत्रकारों को कोई सवाल पूछने के लिए बाध्य नही कर सकते। उस वक्त मैने वही कहा जो पत्रकारों ने पूछा था।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः मेरे कहने का मतलब यह है कि आपने वहां पर सरकार द्वारा जीरी खरीदनेके बारे में एक भाब्द भी नही कहा। (विध्न) आपके मुंह से जीरी खरीदे जाने के बारे में एक भाब्द भी नही निकला। (विध्न) हुड्डा साहब, मै रोजना अखबार पढ़ता हूं ओर इतनप ही नही मेरे पास सभी अखबारों की कटिंग्ज भी आती है, उनको भी मै बोरीकी से देखता हूं। आप चाहे तेा इस बारे मे ंचौधरी भजन लाल जी से पूछ सकते है। कि मेरे पास सभी अखबारों की कटिग्ज आती है या नही आती (विध्न)

श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डाः आप धान की खरीद के वक्त मण्डियों में गए, अच्दी बात है। इसके लिए हमने आपको एप्रिसिए ान भी दिया है।

श्री अध्यक्षः हुड्डा साहब, आप बैठिएं अब आप बिना परमिशन के बोल रहे है। आप बैठिए।

श्री भूपेन्द्र सिह हुड्डाः स्पीकर साहब, मै कोई गलत बात नही कर रहा। मै यह कह रहा हूं कि जहां जहां पर मुख्यमंत्री जी गए वहां वहां पर किसानों को लाभ भी हुआ है। और आप

जिस दिन मण्डी में एग होगे उस दिन किसानों को दाम भी पूरे मिले होगे * * * * * * * *

श्री अध्यक्षः हुड्डा साहब, बगैर परमि ान के बोल रहे हैं अब आगे इनकी कोई भी बात रिकार्ड न की जाए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यहां पर मांगे राम गुप्ता जी, वह हुड्डा साहब व एक दो और साथियों ने कहा कि हरियाणा से उद्योग पलायना कर रहे हैं मै सदन की जानारी के लिए बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार बनने के बाद 71 बड़ी नई औद्योगिक इकाईयों हमारे हरियाणा प्रदे ा में लगी है जो वि व विख्यात है।

एक आवाजः ये तो पहले से लगी हुई है।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः ये पहले से नही बल्कि हमारी सरकार आने के बाद ही लगी हैं भजन लाल जी, हमारी सरकार बनने के बाद हरियाणा प्रदे ा में 2700 छोटे और मंझौले दर्ज के उद्योग भी इन 71 बड़ी इकाइयों के अतिरिक्त लगे हैं आप सुनकर हैरान होगे कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के दृश्टिगत दिल्ली की जो औद्योगिक इकाइंया दिल्ली से उठी थी हमारी सरकार ने ऐसी इकाइयों के लिए केवल दिल्ली के उद्योगपतियेां को 4200 नए प्लाट कर दिए है। ताकि वे हरयिाणाा में बसे सकें। अध्यक्ष महोदय, हम समझते हे कि उजड़े हुए ब्यार का बसाना कितना

मु कल काम हैं हमन तो उजड़ा हुआ ब्यार भी बसाने का काम किया है। (विध्न)

चौधरी भजन लालः चौटाला साहब, जो सवाल बंसी लाल जी ने किया था वह बहुत ही अहम सवाल था उनके द्वारा पूछे गये सवाल का आपने जवाब नही दिया। उन्होने सवाल पूछा था कि क्या हरियाणा सरकार के वकील ने सुप्रीम कोर्ट को लिख रक दे दिया है कि हामरा आपस में कोई फैसला नही हुआ हैं इसलिए सुप्रीम कोर्ट को लिख कर दे दिया हैं कि हमारा आपस में कोई समझौता नही हो पाया?

वित्त मंत्री (प्रो0 सम्पत सिह): आन ए प्वयांट आफ आर्डर, सर। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी को थोड़ी सी मिस अन्डर स्टैडिंग हो गई हैं सुप्रीम कोर्ट को फोन वीक्स मे दोनों पाटियों को आपस मे मिलकर फैसला करने का आदे ा था कि दोनों राज्यों की सरकार केन्द्र सरकार वाटर रिसोर्सिज कमी ान व प्राईम मिनिस्टर के माध्यम से आपस में किलकर कोई फैसला कर लें। सुप्रीम कोर्ट का स्पश्ट आदे ा था कि यदि दोनो पाटियों फोर वीक्स में आपस में फैसला नही करती तो फिर उसके बाद जुडि ायरी अपना कोई फैसला इस बारे में देगी। अब मै इनसे पूछना चाहता हूकि इसमे कौन सा जवाब देने की बात रह गई। हमारी जो रिप्लाई एडवोकेट की तरफ से होनी थी वह कम्पलीट हो चुकी हैं (विध्न) सुप्रीम कोर्ट ने यह कहा है कि अगर ाअपस में कोई फैसला नही करते तो फोर वीक्स के बाद

जुडि ज्ञयरी अपना फैसला देगी। (विध्न) यह सुप्रीम कोर्ट ने कहा है चार सप्ताह पूरे हो गये हैं (ाोर एवं व्यवधान) जब सुप्रीम कोर्ट ने पूछा ही नही तो हम कैसे कह दे। उनहोने यह नही पूछा। उनहोने कहा हे कि चार सप्ताह के अन्दर अगर दोनों पार्टीज फैसला नही करती है तो हम जुडि ायस फैसला देगे। यह जुडि ायल फैसला रिजर्व है। जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आएगा तो मुख्यमंत्री जी कह देगे तो वह मान्य होगा।

श्री अध्यक्षः चौधरी भजन लाल जी, वह इम्पलाएड है जो कोई जवाब नही देता हैतो वह आपने आप ही फैसला समझा जाएगा। यह लीगली भाशा आपकी समझ मे ंनही आएगी।

चौधरी बंसी लालः सुप्रीम कोर्ट अपने आप फैसला देगी आपने आप तो देगी सुप्रीम कोर्ट (विध्न) लेकिन लोजिकल कंक्लूजन यह है कि कहने का सुप्रीम कोर्ट का मतलब यह है कि फिर आ कर हम को बता दो कि फैसला आप को हुआ कि नही। (विध्न)

श्री अध्यक्षः वह तो इम्पलाएड हैं यह समझने में फर्क रह गया है।

चौधरी बंसी लालः हो सकता है कि मेरे समझने में फर्क रह गया हो।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, यह इनका कसूर नही है इस उम्र में इतनी तगड़ी मार पड़ने से याद

दा त चूक की जाती ै कोइ बात नही। परन्तु इस आदमी की हिममत की दाद दीजिए कि अब भी कहता है कि मै मुख्य मंत्री बनूंगा और चौधरी देवी लाल के बुंत तोड़ दूंगा। यह इनका ख्याब है। न नौ मन तेल होगा और न राधा नाचेगी। कभी यह भी ख्याब पूराहो सकता हैं अगर ये ऐस ही फन्ने खा थे तो वहां क्या नी गए जहां महात्मा बुद्ध की प्रतिमाएं तोडी गयी थीं ये अफगानों को पास जाकर देखते।

चौधरी बंसी लालः वो काम आपका हैं यहां वाला मै कर दूंगा।

चौधरी ओम प्रका ा चौटालाः चाौधरी साहब, भजन लाल जी आपसे ज्यादा तगडा थ क्येां इनका दो तिहाई से ज्याद बहुमत था लेकिन फिर भी जिस हिसार ऐग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी का नाम हने चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी रखा था उसको ये बदलना चाहते थे लेकिन अब आप इनसे पूछो कि क्या इन्होने ऐसा कर दिया। बंसी लाल जी, आप आंख उठाकर तो उन बुत की तरफ देखना आपको पता चल जाएगा।

चौधरी भजन लालः मुख्यमंत्री जी, जरा आप मेरी बात सुनिए। चौधरी चरण सिंह युनिवर्सिटी का नाम आपने रखा लेकिन हम तो उसको बदलने की बात नही करते थे। पी0 वी0 नरसिम्बा रावजी ने कहा कि भजन लाल जही मुझये चौधरी अजीत सिह मिले हैं आप चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी का नाम बदलना चाहते

है मैने कहा कि वह युनिवर्सिटी हिसार यूनिवर्सिटी के नाम से ही म ाहूर है तो उनहोने कि कि नही उनका नाम रहने दीजिए इसकएिल हमने यह इरादा ही छोड़ दिया। आपके कहने से हमने ऐसा नही किया।

चौधरी ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मांगेराम जी जैसे जिम्मेदार आदमी ने एक ऐसी अनर्गल बात कही जिसका कोई सिंर पैर नही हैं उनहोने कहा कि डबबाली से राम प्रका ा सेठी के भतीजे का अपहरण हो गया लेकिन मै कहना चहा्रािक उसका अपहरण नही हुआ बल्कि उसक लड़के का मामा उसको ले गया था डबवाली मेरा क्षेत्र हैं इसलिए मुझे वहां का ज्ञान हैं तीसरी जमात में लिख है कि पहले जुबान से तोालें और फिर मुंह से बोलों इनके सामने लिखा हुआ है हसलिए इनको उसकों ही दखेा लेना चाहिए अध्यक्ष महोदय, यह कहते है कि पैसा कहां से आएगा या और टैकस लग गये। यह ठीक है कि हमारे रकाफी रियातें दी हैं और आज इन रिसायतेंाक ही परिणाम है कि दिल्ली के साथ लगती पहले जो मंडियों उजड़ गयी आज उनमें रोनक आ गयी है मने फार्म कम की, हमने मार्किट फीस में रियायत दी हनु महसूल चंगी समाप्त की। उसका ही नीताज है कि 1998–99 में जहां सैल्ज टैकस की वृद्धि 3.30 परसैंट थी वही 09.07.2000 में यह बढ़कर 22.78 परसैंट हो गयी ओर 2000–2001 में अक्तूबर के महीने तक 30.41 परसैट तक यह वृद्धि हो गयी हैं इस प्रदे ा के किसानों ने, व्यापारियों ने ओर उद्योगपतियों ने सरकार की दो हुई

सुविधाओं के दृश्टिगत ईमानदारी से सरकार के खजाने में टैक्स दाखिल करवाया है जिससे रैवेन्यू बढ़ा और इसी इंक्रीज का परिणाम है। कि सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत हमने लगभग तीस हजारकाम अनांउस किये हैं कोई भी गाव ऐसा नही मिलेगा जहां विकास के काम न हुए हो।

एक एक गांव का ब्यौरा मै देने लगूंगा तो फिर रामपाल माजरा जी की तरफ मुण्े भी कह दोगे कि आप बैठ जाओं मै बताना चाहता हूं कि सिकी भी इलाके में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नही हैं। हमारी मं ाा लोगों की मूलभूत जरूरतो ंाके पूरा करने की है, पैसा अर्जित करना हमारा ध्येय नही है लेकिन प्र ाासन को चलाने के लिए कही से तो पैसा अर्जित करना ही पड़ेगा। हाउस टैक्स की चर्चा चली थी जिस दिन तो स्पीकर साहब ने मेरे ऊपर ही कुल्हाड़ा चला दिया था मुझे बोलने का मौका भी नही दिया था। भाुक्र है खुदा का कि आप लोगें को अक्ल आ गई वरना तो जो अहम मुद्दा था वह बाकी रह गया थ। स्पीकर साहब ने तो मुझे काट दिया था, मुझे बेालने का टाइम ही नही दिया था यह आपके सामने की बात हैं अध्यक्ष महोदय,ख हमने हाउस टैक्स लगाने से पहले बाकायदा उसका प्रोफार्मा मुकर्रर किया था उसमे ंयह थी कि बिल्ट एरिया पर कितना, अनबिल्ट एरिया पर कितना कॉमि ायल पर कितना, इंडस्ट्रियल पर कितना, रैजीडैि ज्ञयल पर कितना, सड़क पर कितना, इंटीरियर पर कितना, यह सब तय किया था। इन्होने इसको ठीक से समझा नही

है जितना किराएदार से मालिक लेगा वहा तो किराए के अनुपात में मकान मालिक ने ही देना है बाकी किराएदार ने देना है। हम भी समझते है कि पुरान टाइम को जो किरायेदार बैठे हैं वे किराया बहुत कम देते है डैमोक्रेटिक तरीके से लोगों को छूट दे दी थी। पुराने बकाया रोक दिए थे। उनको सवाल साल का समय दिया कि पूरी तरह से गौर करके बता दें। सवा साल के अरसे में सब लोगों ने समझ लिया और जब हमने देखा कि जनता इससे संतुश्ट है तब इस सदन में इस बारे में बिल आया था और उस बिल के वक्त ये सब लोग वाक आउट कर गएथे ंहमने कहा भी था कि यह एक अहम मुद्दा है इसलिए इनको इस मौके पर हाउस मे ंरहना चाहिए, इस पर चर्चा करनी चाहिए। कृश्ण पाल गुर्जर ने इस मुद्दे पर खुल कर अपनी बात कही थी और हमने एक घंटे बादउ ये लोग वापस आ जाएं। लेकन ये लोग वापस नही आये। हैरानी की बात तो यह है कि जो सही मंच है वहां तो ये लोग अपनी बात कहते नही है बाहर जाकर अखबारों की सुर्खियों मे छाना चाहते है। चौधरी साहब, लोगों के बची में जब आपको जाना पड़ेगा तब आपको पता लगेगा। तभी तो आप फेल हो रहे हैं तभी आपका बंद विफल हो गया, लोग आपको समझ गए हैं (विध्न)

(इद समय कई माननीय सदस्य अपनी सीटों पर खड़े हो कर बोलने लगे)

श्री अध्यक्षः आप सभी लोग बैठ जाइए। (विध्न)

डां0 रघुबीर सिंह कादयानः अध्यक्ष महोदय, * * * * *

श्री अध्यक्षः रघुबीर सिंह कादयान जी जो कुछ कह रहे है यह रिर्का न किया जाए। आप सभी बैठ जाइए। (विध्न)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, आप किसी किस की बात को कहेगे कि रिकार्ड न करे। चौधरी भजन लाल सदन में विपक्ष के नेता है ये कहते है कि इंदिरा जी ने कहा था कि बत जाकर चौधरी चरण सिंह वि ववि्द्यालय का नाम बदला था किस किस की बात को आप रिर्काड नही करेगे। यह रिकार्ड की ति हैं चौधरी भजन लाल जी बताए कि अजीत सिंह उस समय कहां वजीर थे, चौधरी चरण सिंह कहा थें इंदिरा जी 1984 में मर ली थी और यह किस्सा 1991 से लेकर 1996 का था जब आप मुख्यमंत्री थी तब चौधरी चरण सिंह कृशि वि ववि्द्यालय का नाम बदलने की बात थी तब इंछिरा गांधी जीति नही थीा, श्रीमान जी।

श्री अध्यक्षः इंदिरा गांधी 31 अक्टूबर, 1984 को भाहीद हुई ीि। उस समय अजीत सिंह राजनीति मे ंनही थे। और 1991 में इंदिरा गांधी भी इस दुनिया मे ंनही थी।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः चौधरी भजन लाल जी, चौधरी देवी लाल 1987 में चीफ मिनिस्टर बने थे उसके बाद 1991 में आप आए थे, तब आप ने नाम बदलने की कोि ा ा की थी, इंदिरा गांधी 1984 में भाहीद हो ली थी।

चौधरी भजन लालः हो सकता है यह बात राजीव गांधी जी ने कही हो। यह बात कही तो किसी कांग्रेसी नेता ने ही थी। और श्री पी0 वी0 नरसिम्हा रास साहब ने ही कही थी।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः चौधरी भजन लाल जी 1991 और 1996 मे ंराजीव गांधी भी नही थे। चौधरी भजन लाल जी 1991 और1996 में श्री पी0 वी0 नरसिम्हा राव जी की वज से झारखंड मुक्ति मोर्चा का मुकदमा बना था। श्री मांगे राम गुप्ता जी आपको सोच समझ कर बात करनी चाहिए आपने कहा कि प्रदे ा का रैवेन्यू बढ़ा हैं

श्री मांगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मैने तो यही कहा है कि सरकार का रैवेन्यू 35 प्रतिात बढ़ा है फिर भी यह सकरार विकास का ढिढोरा पीट रही हैं उधार लेकर तो कोई भी कोठी बना सकता हैं लेकिन सरकार के पास तनख्साह तक देने के लिए तो पैसा नही हैं

प्रो0 सम्पत सिहः अध्यक्ष महोदय, मै श्री मांगे राम गुप्ता जी को बताना चाहूंगा कि हम ने चौधरी बंसी ला जी के समय की रूकी हुई एक दिन की तनख्वाह भी दी है आज तनख्चाह एक दिन भी लेट नही की जाती।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, श्री मांगे राम जी ने कर्जे का जिक्र किया। हमारी सरकार के समय कर्ज कम हुआ है ंपुरानी सरकारों के समय का कर्जा ज्यादा हैं जो निरन्तर

हर वर्श बढ़ा रहा हैं मै आपके इस बारे में बताना चाहता हूं कि वर्श 1991–92 में कर्जा 367.31 करोउ़ रूपये लिया था। 1992–93 में 390.07 करोड रूपये कर्जा लिया था। 1993–94 में 532.46 करोड़ रूपये का कार्ज लिया था । 1995–96 में 1064.03 करोड रूपये का कर्जा लिया था, 1996–97 में 850 करोड़ रूपये का कर्जा लिया, 1999–2000 में 1947.34 करोड़ रूपये का कर्जा लिया और पिछले साल 2000–2001 में 1881 करोड़ रूपये का कर्जा लिया। श्री मांगे राम गुप्ता जी कह रहे थे कि सकरार ने 20 हजार करोड़ का कर्जौ लिया है उनमो कम से कम सोच समझ कर अपनी बात कहनी चाहिए। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै आकपे माध्यम से सदन को बताना चाहूंगा कि हमने हाउस टैकस की प्रकिया को पूरे सदन के सामने रखा और विपक्ष के साथी तो उस समय हाउस से चले गये ाि परन्तु श्री कृश्यापाल गुज्जर जी ने अपने सुझाव दिये ओर चौधीर बंसी लाल जी ने भी अपने सुझाव दिये मैने ऑन दि फलोर ऑफ दि हाउस एक बात कही थी कि हम गांधी जाी के अनुयायी है गांधी जी जब कोई आंदोलन किया करते थे तो उस वापिस लेने में कोई सकोच नही किया करते थे। मैने यह कहा थाकि गर कोठ चूक हो गई, बिल पास हभी हो गया है तो हम उसक को वापिस लेने में संकोच नही करेगे। हम उसमे ंसुधार करेगे। मैने इस बिल मे ंसुधार करने की बातिकही थी और उसके बादभी विपक्ष के साथियों ?ने इस बिल का विरोध किया। कभी बिजली को लेकर मूद्दा बना लेते है कभी हाउस टैकस को बढाने का मुदा बनाते है इनको किसी न किसी बात काह बहाना

तला ा करके जनता के बची जाना होता है ंहमने बाकायादा श्री सुभाश गोयल मंत्री जी को कहा है कि भार से जुडे विधायक को बुलाकर उनसे पराम र्ा करें ताकि अगर कही कोई गलती ुहई हो तो उसकों सुधार लिया जाए लेकिन उस मीटिग में ये कांग्रेस के सथी नही अहाए। मैने दूसरी बार गोयल साहब को कहा कि एक ओर अवसर दो और वह अवसर इनके लिए नही बल्कि जनता के लिए रो ताकि जनता को लाभ मिल सके। अगर हमसे कोई गलती हुई हो तो हम उसको सुधार कसें। लेकिन उस मीटिंग में भी ये लोग नही आए। ये लोग सदन मे ंओर सदन के बाहर चर्चा जरूर करते है लेकिन यहां कोई सुझाव नही दे सकतेहै ंआज कृश्णपाल जी की बात पर ये कांग्रेस के लोग राजी हो रहे थे। लेकिन ये खुद कोई सुझाव नही देते।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी के सदस्य भी उस मीटिग मे ंनही गए।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी के सदस्य उस मीटिंग में आए थे ये खुद तो कोई सुझाव देते नही ओर दूसराक कोई सुझाव दे तो बोलते है क्योकि इनमे ंखुद मे तो बुद्धि है नही अगर बुद्धि होती तो इनका अवि वास हो प्रस्ताव फेल कैसे हेा जातौं मै किसी को फिर मोहम्मत तुगलक कह दूंगा तो कुछ लोगो ंको गुस्सा आएगा। अध्यखम होदय, आज तै किफन सदन को यह बताना चाहता हूं कि

हमसे कोइ ंचेक हुई हो तो हम उसकोा सुधार देगे। (विध्न) आप तो जनता के दुत्कारे हुए हो।

चौधरी भजन लालः हमें जनता ने चुनकर भेजा हैं (ाोर)

श्री ओम प्रका ा चौटालाः चौधरी साहब, कभी आप देवराज दीवान को फोन करते हो ओर अभी अनिल विज को। आप गाय के घी की मन में लो जाइओं।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने देवराज दीवान ओर अनिल विज को फोन नही कियास अगर मै फोन करू तो ये भागे आएंगे। (ाोर)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(x) श्री अनिल विज एम0 एल0 ए0 द्वारा

श्री अनिज विजः अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेन ान है। जब नापम आया है तो मै बताना चाहूंगा कि 2 नवम्बर को जिस दिन कांग्रेस पार्टी बंद कर रही थी, सुबह 10–11 बजे मेरे पास टेलीफोन आया इन्होने कहा कि कि विज जी सरकार को गिराना है हमारे साथ आ जाओ। (ाोर) मैने कहां चौधरी याहब, मै बंसी लाल सरकार के साथ था और आखिरी दिन तक उस सरकार के साथ रहा, आपको मुझये ऐसी बात नही करनी चाहिएस। इन्होने कहा कि हमारे साथ आ जाओं मै आपको पार्टी

का टिकट दूंगा तो मैने इनको कहा कि मै 2 बार विद आउट पार्टी चल चुका हूं। मुझे बिना टिकट चलने की आदत हो गई इसलिए मुझे टिकट की जरूरत नही हैं (ाोर और हंसी)

वैयक्तिक स्पश्टीकरण–

(xi) श्री देवराज दीवान, एम0 एल0 ए0 द्वारा

श्री देवराज दीवानः अध्यक्ष महोदय, मेरी पर्सनल एक्सप्लेन ान है। 2 तारीख को ही मेरे पास फोन आया। चौधरी साहब ने कहा कि दीवान किसके सथ्ज्ञ लग रहे हो, आप हमारे पंजाबी भाई हो इसलिए हमारे साथ आ जाओं। मैने कहा चौधरी साहब, मै जाहं हूं वही ठीक हूं ओर मेने यह भी कहा था कि चौधरी साहब आप जानते हौ कि मै आनी बात ओर जुबान का पक्का हूं, मै किसी को धोखा नही दे सकता। (विध्न)

मंत्रिमण्डल के विरूद्ध अवि वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रका ा चौटाला): अध्यक्ष महोदय, मे चौधरी भजन लाल जी को ाएक बात बता दूं। कानून के मुताबिक अगर सत्ता परिवर्तन कर ये सत्ता का सुख भेगने का ख्याब देख रहे हो तो सबसे पहले इन 48 मे ंसे इनको 16 छांटने पडेगे। चोधरी साहब, मै सदन मे ंएक बार फिर कर देता हूं ओर ऑन दि प्लोर ऑफ दि हाउस कही बात माननी पड़ती है। मेरे जो साथी आज मेर साथ बैठे है अगर इनमे ंसे कोई एक किसी दिन कह देगा कि मुझे ओम प्रका ा चौटाला पर वि वास नही है तो

मै इस्तीफा देने में एक क्षण देरी लगाऊंगा। मै उस बाप का बेटा जिसने प्रधानमंत्री का पद ठुकारा दिया था। मै उस बाप का बेटा हूं जिसने हरियाणा बनाने के लिए विधान सभा का चुनाव लड़ने का निर्णय ले लिया था। मै उन लोगों मे ंसे नही हीूं जो पहले किदन कांग्रेस को गाली दे ओर दूसरे दिन इंदिरा गाधी की खु ाामद करते फिरें। अध्यक्ष महोदय, हम पर लोगों ने वि वास किया हैं हम उनके वि वास को निभायेगे ओर जिस दिन जनता का वि वास हम से टूट जायेगा उस दिन एक क्षण की देीर बगैर हम मुख्यमत्री का पद छोड़ देगे।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, * * * * * (ाोर एव व्यवधान)

श्री अध्यक्षः भजन लाल जी की कोई भी बात रिकार्ड न की जाये। भजन लाल जी प्लीज आप बैठे। जो अन पालियामैंटरी भाब्द आया हैं उसे रिकार्ड न करें।

श्री ओम प्रका ा चौटालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी अब स्वर्ग में है मैने उनसे एक बात कही थी कि वे भजन लाल जी पर वि वास न करें, इनकों अपने मंत्रिमण्डल में न लो। अगर चौधरी देवी लाल जी मेरी यह बात मान लेते और भजर लाल जी को अपने मंत्रिमण्डल मे ंन लेते तो इनका मुख्यमंत्री पद से क्या मेल था। (विध्न) ये तो स्किम और छलकपट से मुख्यमंत्री बन गये ंअध्यक्ष महोदय, अब की बात चौधरी भजन लाल जी गाय

क घी की मन मे ंही ले जायेगे, जब तक जीऊंगा इनको मुख्यमंत्री के पद की तरफ नही देखेन दूंगा, चाहे ये सरकार के खिलाफ अवि वास प्रस्ताव लाये, चाहे कोई प्रिविलेज मो ान लेकर आये। (ाोर एव व्यवधान) चौधरी भजन लाल जी को जो सदस्य हम से जुडे हए है उनसे आपनै साधन की बजाये, अपने सदस्यों को सम्भालकर रखना चाहिए। हम इनके जैसे काम नही करना चाहते, जिस दिन ऐसा करने लग गये उस दिन एक हिी दिन मे इनकी पार्टी के सभी सदस्यों को अपनी तरफ कर लेगें लेकिन हम जनतंत्र में वि वास रखते है। (विध्न) मै यह कहना चाहा रहा था कि हम इनकी तरह नही है, हम जनता के प्रतिनिधियेां की कद्र करते है। म्यूनिसिपल कमेटियों के चुने हुए प्रतिनिधियों और व्यपारियों की भी कद्र करते हैं इनकी तरह सो काल्ड व्यापारी नही रखते। इन्होने बजरंग दास को व्यापरियों का नेता बना दिया जिसके पास इंकम टैक्स और सेल्ज अैकस की कोई रसीद नही थी तथा न ही वह कोई व्यापर करता था। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने लख्मी चंद गुप्ता को व्यापारियों को नेता बना दिया। लख्मी चन्द के पास भी इंकम अैक्स और सेल्ज टैक्स की रसीद नही थी। रसीदे तभी हो जबकि वे इंकम टैक्स देते हो ओर कोई व्यापर करते हो। लख्मी चंद गुप्ता जी मांगे राम गुप्ता जी के अच्छे जानने वाले है ये ही बात दें। कि क्या उनके पास इंकम टैक्स या सेल्ज टैक्स की कोई रसीद है अध्यक्ष महोदय, हम सो काल्ड व्यापरियों को नही बल्कि जो इस प्रदे ा के सम्मानित व्यापारी है उनकी एक मीटिंग बुलायंगे ओर उनसे पराम र्ा करेगे

तथा सुझाव वे देगे हम उन पर गौर करेगें हमारी सरकार जनता के हित चाहती है, हम जनता को सभी सुख सुविधाए प्रदान करने के पक्षधर हैं हामरा ध्येय पैसा कमार नही है, हमारा ध्येयक जनता की मूलभूत आव यकताएं पूरा करना है और ऐसी ही हमारी सोच है। अध्यक्ष महोदय, मै विपक्ष के भाईयों को भ कहना चहूंगा कि ये हर रेाज अपनी फजीहत कराने की बजाए स्वस्थ्यप्रजातात्रिक प्रणाली में हैल्दी क्रिटिसीजिम करें रचानात्मक सुझाव दे। इस सदन की कोई भी सम्मानित सदस्य अच्छे सुझाव देगा तो हम उन सुझावों पर अमल करेगे क्योंकि अच्दे सुझावों पर अमल करना हम अपनी जिम्मेवारी समझते है और हम अपनी जिम्मेवारी अच्छी तरह से निभायेगे। अंत में भी सभी सदस्येां से खुले दिन से एक बात कहता हूं कि जो सदस्य हमारी सरकार स संतुश्ट है वे हमारी सरकार के पक्ष के वोट दें और जो सदस्य हमारी सरकार सें असंतुश्ट है वे हमारी सरकार के विरूद्ध वोट दें अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं।

Mr. Speaker: Question is-

"That this House Expresses its want of confidence in the Haryana Ministry headed by sh. Om Parkash Chautala, Chief Minister."

The motion was lost.

ध्यानकर्शण प्रस्तावों की सूचनाए

ध्यानकर्शण प्रस्ताव संख्या 4, 11 (विन नोटिस नं०1) संबंधी

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, कालिंग अटैं ान मो ांज जो आज के लिए एडमिट किए थे वे अब टेकअप नही किए जायेगे नो कांफिडैस मो ान पर डिस्क ान के समय इन विशयों पर काफी बहस हो चुकी है इसलिए अब इनकी आव यकता नही है।

सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र

Mr Speaker: Now, a Minister will lay the papers o the Table of the House.

Finance Minister (Pro. Sampat Singh) Sir, I bet to lay on the Table—

The Annual Report of Ch. Charan Singh Haryana Agricultural University, Hisar for the year 1997-98 as required under Section 39(3) of the Haryana and Punjab Agricultural Universities Act, 1970.

The Audit Report of Haryana Labour Welfare Board, for the year 1999-2000 as required under Sub Section (3) of section 19-A of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of service) Act, 1971

The General Administration Department Notification No. S.O. 173/H.A. 9/79/S.8/2001 dated the 6the November, 2001 regarding the Haryana Legislative assembly (Facilities of Members) amendment Rules, 2001 as required under Section 8 (3) of the Haryana Legislative assembly (Facilities to Members) Act, 1979.

The 28th Annual Report of the Haryana Tanneries Limited for the year 1999-2000 as required under Section 619-A(3) of the Companies Act, 1956

The 33rd Annual Report of the Haryana State Industrial Development Corporation Limited for year 1999-2000 as required under Section 619-A(3) of the Companies Act, 1956/

The 32nd Annual Report of Haryana State Small Industries and Export Corporation Limited for the year 1998-99 as required under Section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

संविधान (ठक्यानवेवां सं ोधन) विधेयक, 2000 के अनुसमर्थन करने संबंधी संकल्प

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the finance Minister will move the official resolution.

Finance Minister: (Prof. Sampat Singh) Sir, I beg to move—

That this House, ratifies the amendments to the Constitution of India failing within the purview of clauses (a) and (d) of the provision to clause (2) of Article 368, proposed to be made by the Constitution (Ninety-Firs Amendment) Bill, 2001, as passed by the two House of Parliament.

Mr. Speaker: Motion moved-

That this House, ratifies the amendments to the Constitution of India failing within the purview of clauses (a)

and (d) of the provision to clause (2) of Article 368, proposed to be made by the Constitution (Ninety-Firs Amendment) Bill, 2001, as passed by the two House of Parliament.

Mr. Speaker: Question is-

That this House, ratifies the amendments to the Constitution of India failing within the purview of clauses (a) and (d) of the provision to clause (2) of Article 368, proposed to be made by the Constitution (Ninety-Firs Amendment) Bill, 2001, as passed by the two House of Parliament.

The motion was carried.

विधान कार्य–

(i) दि हरियाणा पंचायती राज (अमैडमैंट) बिल, 2001

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Parliamentary Affairs Minister will introduce the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill, 2001 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to introduce the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill, 2001

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Panchayati Raj (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Sub Clause (2) of Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Sub Clause (2) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

The Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

The Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub Clause (1) of Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

The Clause (1) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried

Title

Mr. Speaker: Question is—

That Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed

The motion was carried.

(ii) दि पंजाब टाउन इम्प्रूवमैंट (हरयिाणा अमैडमैट) बिल, 2001

Mr. Speaker: Now, the Minister of State for Local Government will introduce the Punjab Town Improvement (Haryana Amendment) Bill, 2001 and will also move the motion for its consideration.

भाहरी विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश गोयल): अध्यक्ष महोदय, मै पंजाब नगर सुधार हरियाणा सं ाोधन विधेयक, 2001 प्रस्तुत करता हूं।

मै यह भी प्रस्ताव करता हूं कि–

पंजाब नगर सुधार (हरियाणा सं ाोधन) विधेयक पर तुरन्त विचार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Punjab Town Improvement (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Punjab Town Improvement (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider tbe Bill Clause by clause.

Sub Clause (2) of Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That Sub Clause (2) of Clause 1 stands part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

The Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

The Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub Clause (1) of Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

The Clause (1) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried

Title

Mr. Speaker: Question is—

That Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Minister of State for Local Government will move that the Bill be passed.

भाहरी विकास राज्य मंत्री (श्री सुभाश गोयल): अध्यक्ष महोदय, मै प्रस्ताव करता हूं कि–

थ्बल पारित किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed

The motion was carried.

(iii) दि पंजाब लेबर वैल्फेयर फण्ड (हरियाणा अमैडमैंट) बिल, 2001

Mr. Speaker: Hon'ble Members, now the Parliamentary Affaris Minister will introduce the Punjab Labour Welfare Funds (Haryana Amendment) Bill, 2001 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to introduce the Punjab Labour Welfare Funds (Haryana Amendment) Bill, 2001.

Sir, I also beg to move

That the Punjab Labour Welfare Funds (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Punjab Labour Welfare Funds (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is-

That the Punjab Labour Welfare Funds (Haryana Amendment) Bill be taken into consideration at once

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

The Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

The Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 4

Mr. Speaker: Question is-

The Clause 4 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

The Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried

Title

Mr. Speaker: Question is—

That Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Prof. Sampat Singh): Sir, I beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Bill be passed

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now, the House stands adjourned sine-die

15.10 Hrs.

(The Sabha then adjourned sine-die.)